

# BHAKTI SAGAR



भक्ति सागर

कशमीरी लीला (भजन)  
पृथ्वी नाथ (भक्ती)





# भक्ति सागर

कशमीरी लीला (भजन)

पृथ्वी नाथ (भक्ती)

(अन्दरहामा, द्रुगमुला, कुपवाडा-कशमीर)

फलेट: १४१, पाकेट सी-७, सैक्टर-५, रोहिणी, दिल्ली-११००८५

फोन: 7053140

भाग-२

वर्ष: 1998

© सर्व अधिकार सुरक्षित

मूल्य: ₹ १८ 20/-

(Suresh Kardar, Gurgaon, HR) 1998/99

## ॐ नमः शिवाय

भगवान निराकार नारायण और पूज्य गुरु स्वामी श्री नन्दलाल जी, जिन्होंने सेवक को भक्ति नाम दिया, के आर्शीवाद और भक्तिदान की गुरु कृपा से श्रदालुओं की सेवा में भक्ति सागर की यह भेंट देकर गर्व अनुभव करता हूँ और सेवक को नारायण निराकार ज्योति स्वरूप भगवान की स्तुति करने का अवसर प्राप्त हुआ। सेवक भी इस अनमोल भक्ति सागर का श्रदालुओं के संग लोल गायन करूँ।

भक्ति सागर के इस कश्मीरी लीला व भजन के भंडार को सेवक ने कश्मीर में पहले ही वर्ष 1959 ई० में एक छोटी पुस्तक के रूप में पहले भाग में प्रकाशित किया। सेवक अपने प्रेमियों और भगवान के श्रदालुओं की शुभ कामनाओं से इस भक्ति सागर का दूसरा भाग भेंट कर रहा हूँ। आशा करता हूँ कि सभी प्रेमियों को इस भक्ति सागर के भक्ति भाव से शान्ति और सुख प्राप्त होगा।

सेवक:

पृथ्वी नाथ (भक्ती)

अन्दरहामा, द्रुगमुला,

कुपवारा, कश्मीर

(१४१, सी-७, सेक्टर ५, रोहिणी, दिल्ली-११००८५)

च मअज दीवी म्य दौख तय दअद कास्तम ।

इतम मअजअय दितम दर्शुन चलैम गम ।।

में शक्ति स्वरूप माता को श्रद्धा से प्रणाम करता हूँ। सभी दुख हरने के लिए माता का अभिलाषी हूँ, उनके चरणों में प्रणाम करना ही मेरी भावनाओं का आरम्भ है, विशेषकर उस समय दर्द-भरी भावना में पुकार उठते हैं जब घर से बे-घर होकर जीवन की सभी खुशियों से वन्चित हो गए हों। अपने आप को असहाय पाकर शक्ति स्वरूप माता, माता भवानी, शारिका माता, शारदा माता, लक्ष्मी माता, माता पार्वती, निराकार स्वरूप नारायण, श्रीमहादेव जी, श्रीब्रम्हा जी, श्रीविष्णु जी, श्रीराम, श्रीकृष्ण, ओंकार आकार आदिदेव श्रीमहागणेश और सभी देवी-देवताओं की शरण में जाकर श्रद्धा व भावनावओं की रंग-बिरंगी फूल मालाओं की भांति लीला व भजनों से आराधना करते हैं, (यद्यपि लक्ष्मी प्राप्ति के लिए भक्ति भजन ही एकमात्र उपाय है।)

भक्ति सागर के इस लीला व भजनों के भंडार को श्री पृथ्वी नाथ जी (भक्ती) ने प्रकाशित करके हमारी आशाओं के अनुरूप सारे संकट सरल कर दिए हैं।

साथ ही मैं, सुरेश कारदार, सेन्टी कारदार एवं किरण रेणा का भक्ति सागर की इस भेंट को आकार तथा हिन्दी रूप देने का बहुत ही आभारी हूँ।

मैं पूज्य श्री पृथ्वी नाथ जी (भक्ती) को हार्दिक शुभ कामनाएं देता हूँ जिन्होंने हम सब लोगों के लिए भक्ति सागर का यह भंडार प्रकाशित करके हमारे दुखों का निवारण किया, जिस के गायन से अवश्य दुख दर्द दूर होंगे।

आपका,

सतीश कारदार







## लीला दर्पण

नः	लीला	पृष्ठ	Pg.
१	भवसर् तार दिसअ त्रेभवन सार ..... श्री गणेश .....	१	1
२	आदि दीव् गोंड् कर् पुजां चअनी छुख दयावान ..... श्री गणेश .....	२	2
३	अछपोशन करयो मालो ..... श्री गणेश .....	४	4
४	तन मन गोरें सेवाय कुन थोवुम ..... सत गुरू निराकार स्वरूप .....	५	5
५	अशिवान्य छल् चअन् पादि कमल ..... सत गुरू निराकार स्वरूप .....	६	6
६	दया सागर दया करतम हरीहर ..... शिव नाथ .....	८	7
७	हरबज् ओमकार हर्-हर् लोला ..... शिव नाथ .....	१०	10
८	आमुत शरण छुस इय नय आर ..... श्री नन्दकीश्वर .....	११	11
९	सूरमोतये आव लतिये ..... शिव नाथ .....	१२	12
१०	गोमुत होल छुमना अमी लोल चाने ..... शिव नाथ .....	१३	13
११	साल् इत यावन राये लोलो ..... शिव नाथ .....	१५	15
१२	सर्वज्ञ सर्वतीत ही सर्व शक्तिमान ..... शिव नाथ .....	१६	16
१३	फेर जंगलन वन्नय मन्ज दिमयो छोह ..... शिव नाथ .....	१७	17
१४	क्याह गोयें म्योनुय मलालय ..... शिव नाथ .....	१८	18
१५	पास करतम ही दयालो छुस प्योमुत पादन वलो ... शिव नाथ .....	१९	19
१६	म्य हय जेर् उननम सेहरवअल ..... शिव नाथ .....	२०	20
१७	हृदया नारायण थान छुम ..... निराकार भगवान .....	२१	21
१८	शेष भाव गोर सेवक मन्थर पर ..... ब्रम्हा-विष्णू-महेश .....	२३	23
१९	साज् सन्तूरच आवाज दरतन ..... निराकार भगवान .....	२५	25
२०	गँअ-गँअ व्यचोरूम गोशव सअती ..... निराकार भगवान .....	२८	28
२१	पर ओम सरखम रूजिथ हरदम ..... निराकार भगवान .....	२९	29
२२	बरी कन चे कम् क्याजि रोटतम मलालय ..... निराकार भगवान .....	३१	31
२३	लजिम जीर तारन द्युतुम कन शिवोहम ..... निराकार भगवान .....	३३	33
२४	हा अन्जान पान् करसअ जानकअरी ..... संसार मायाजाल .....	३५	35
२५	वजान छम तार भक्ती हन्ज ..... निराकार भगवान .....	३६	36
२६	फान गछि सअरस्य वार् याद थाव ..... संसार मायाजाल .....	३७	37



२७	यि ब्रह्मन काया छि जड़ चेतन .....	निराकार भगवान .....	३८	38
२८	ओंमकार आकार परज्जुनोवमय .....	निराकार भगवान .....	३९	39
२९	भाव पम्पोश शेरि लागय .....	प्रेम भाव .....	४०	40
३०	कवो दूर छुस चानि दरबार यारा .....	प्रेम भाव .....	४१	41
३१	तुल कदम सत्कुय राह मुकामस .....	ज्ञान लीला .....	४२	42
३२	मन् जीरो बम वन्य द्वियू बाल्यारस .....	ज्ञान लीला .....	४३	43
३३	कन थाव मन् किस जीरोबमस्य .....	ज्ञान लीला .....	४४	44
३४	वेरि चाने छसय बेताबो लो .....	प्रेम भाव .....	४५	45
३५	• स्वामी लाल जी बावय हाल .....	स्वामी नन्दलाल जी .....	४६	46
३६	पार ब्रम्ह च्य हे परमीश्वर .....	प्रेम भाव .....	४७	47
३७	दोख के सागर गीर् गौमुत छुस .....	प्रेम भाव .....	४८	48
३८	मअज अस्य आमित छीय जारपारस .....	माता क्षीर भवानी .....	४८	48
३९	च मअज दावी म्य दोख तय दअद कास्तम .....	माता शक्ति .....	४९	49
४०	कर अपरमपार वेशू ईशराये .....	माता शक्ति .....	५२	52
४१	गम्च छम कल म्य चअनी छुस उमेदवार .....	माता शक्ति .....	५३	53
४२	अज छु चे सअत सून समवादा .....	माता शारदा .....	५५	55
४३	दिल म्य दोदमुत चानि लोल नारय ला .....	माता शारदा .....	५६	56
४४	मअज दीवी दित च्य भवसर तार .....	माता शारदा .....	५८	58
४५	रंग् पोश् माल् लागय नअलये लो .....	माता शारदा .....	६०	60
४६	वलय गछवअय दीवीदार वेसिय .....	माता शारदा .....	६१	61
४७	ही नैति सौख दाम् दोख हर श्री राम् .....	श्रीराम .....	६२	62
४८	इत साथ् ब् करय पोश वर्शुन .....	श्रीराम .....	६३	63
४९	चरनन वन्दय पान लोल चोन आमा .....	श्रीराम .....	६४	64
५०	सन्यास लअगिथ फेरोस वन्न्य .....	श्रीकृष्ण .....	६५	65
५१	वअन्य म्य दित्मय दारि त् बरिये ला .....	श्रीकृष्ण .....	६६	66
५२	चाल् कोत लोल नार दूरैर चोन .....	श्रीकृष्ण .....	६७	67
५३	हृदयस मन्ज चोन नामो लो लो .....	श्रीकृष्ण .....	६९	69
५४	कृष्ण भगवानस सअत गूरबाय .....	श्रीकृष्ण .....	७०	70
५५	शाम् सोन्दरो वजनस चअन नाजन .....	श्रीकृष्ण .....	७१	71

५६	श्री कृष्ण दित् दर्शुनई .....	श्रीकृष्ण .....	७२	72
५७	जसुधअय म्य आलुक हावतन .....	शिव गोकुल में .....	७४	74
५८	नाव्य छु अमिसुन्द मनमोहन .....	शिव गोकुल में .....	७६	76
५९	सखियो शीरतो म्योन करम्लोन .....	श्रीराधा .....	७७	77
६०	करितोम कन्न्ई बेपखायस .....	श्रीराधा .....	७८	78
६१	मृच ब् करनस कअमतान्य काल् भौभरन .....	श्रीराधा .....	७९	79
६२	अश्कनि राधा खून छयस हारान .....	श्रीराधा .....	८१	81
६३	जय बोयनय ब्रज गिरधर लो-लो .....	श्रीकृष्ण .....	८२	82
६४	गजिस ना हिये थ्अर ब् चाने अमारय .....	राधा-कृष्ण .....	८३	83
६५	गाश आव पर् चोन नामो लो-ला .....	गाश लीला .....	८४	84
६६	शाम रंग त्रेजगत पालो लो-ला .....	श्रीकृष्ण .....	८५	85
६७	घट् चअज त् नारायण सअलस द्राव .....	गाश लीला .....	८६	86
६८	गाश तररुख खौत कमि हाला .....	गाश लीला .....	८८	88
६९	गाश आव खौनि लल्वन त् लोला .....	गाश लीला .....	८९	89
७०	नेन्दरे गछ बेदार .....	गाश लीला .....	९०	90
७१	दिह किस धरस मुचराव दारि बर .....	गाश लीला .....	९१	91
७२	अस्तुति छिय करान अस्य समिथ सअरी .....	श्री सतराम बब .....	९२	92
७३	सथ म्य बबनी छम त् लो-ला .....	श्री सतराम बब .....	९३	93
७४	वेराग राग सअत समसार त्यागुण .....	ज्ञान लीला .....	९४	94
७५	भक्ती करान-करान तुजिम ख्वअरी .....	ज्ञान लीला .....	९४	94
७६	ब्रम्ह ज्ञान क्अर-क्अर चायोस दरबार .....	ज्ञान लीला .....	९४	94







भगवान श्रीहरि विष्णु

# ॐ श्री गणेशाय नमः



भवसर् तार दिसअ त्रेभवन सार,

महागणपतस्य छु जय जय कार ।

अअदीन्न चय कर परम्पार,

महागणपतस्य छु जय जय कार ।।

- |   |                                |                                  |
|---|--------------------------------|----------------------------------|
| १ | मन शुमरोवुम त् दूर त्रोवुम,    | काम, क्रूध, लूभ, मूह, मद सोवुम । |
|   | निर्मल मन किन कौरुम व्यवहार,   | महागणपतस्य छु जय जय कार ।।       |
| २ | गोढन्यथ गणीशसुन्द ध्यान दअरिथ, | मनथिर कौरुम सोख्य शुमरअविथ ।     |
|   | कामना सिद्ध करेम छु बख्खनहार,  | महागणपतस्य छु जय जय कार ।।       |
| ३ | ओमकार आकार मनस्य मन्ज,         | महागणपत् ध्यानुक कौरुम सन्ज ।    |
|   | गणपत् गणीश छुख रूप ओमकार,      | महागणपतस्य छु जय जय कार ।।       |
| ४ | महागणपत् लगय पअर-पअरी,         | प्रारान छुस चानि दरबअरी ।        |
|   | राय छम गणनी वन्हा जार,         | महागणपतस्य छु जय जय कार ।।       |
| ५ | अअग्न्या दिम सअ करतम शौद्,     | अनतम वति पेठ रअव्मच बोद्ध ।      |
|   | शौद् मन भक्तिस बोज नमसकार,     | महागणपतस्य छु जय जय कार ।।       |

भवसर तार दिसअ त्रेभवन सार,

महागणपतस्य छु जय जय कार ।

अअदीन्न चय कर परम्पार,

महागणपतस्य छु जय जय कार ।।





આદિ દીવ્ ગોંડ્ કર્ પૂજા ચઅની છુક દયાવાન,  
મહાગણપતસ્ય છુ અર્પન મ્યૂનુય જુવ તઅય જાન ।  
દસ્ત બસ્ત અઅદીન ડેઢિ તલ ચાને છુસય પ્રારાન,  
મહાગણપતસ્ય છુ અર્પન મ્યૂનુય જુવ તઅય જાન । ।

- ૧ ચ્ય છુક દીવન હુન્દ દીવ, ચ્ય કલિકાલુક સાર,  
ચ્ય છુક આદિ દીવ જગતુક, કર ભવસાગર પાર ।  
અઅદીન્ન ચય રછ પાપવ નિશ જગતસ સાન,  
મહાગણપતસ્ય છુ અર્પન મ્યૂનુય જુવ તઅય જાન । ।
- ૨ ગજમોંઘ દારો જય જય કાર ભોયેનય સૂન્ય,  
ઑમકાર રૂપ છુક ધ્યાન છુમ હૃદયસ મન્જ ચૂન્ય ।  
યતિ છુમ હૃદયસ મન્જ ચૂનુય આસન બાસાન,  
મહાગણપતસ્ય છુ અર્પન મ્યૂનુય જુવ તઅય જાન । ।
- ૩ મૂશઘ સવઅરી ફેરાન ચય છુક જાચ્ જાયે,  
ગોઢેં યુસ પૂજ કરિ ચઅની તસ ચૂનુય છુ સાયે ।  
શિવનાથસ તય પારવતી છુક ચય ઢીડવાન,  
મહાગણપતસ્ય છુ અર્પન મ્યૂનુય જુવ તઅય જાન । ।
- ૪ ગણપત્ છુન્ આદ તય અન્ત ચઅનિસ આહારસ,  
સુદેરસ ત્ સારસ લગયો ભાવ્ નિરાકારસ ।  
સનતોષ ચાને સઅતિય સપદેમ શીતલ પાન,  
મહાગણપતસ્ય છુ અર્પન મ્યૂનુય જુવ તઅય જાન । ।
- ૫ કુસ આસિ યુસ વાતિ ચઅનિસ આદસ તય અન્તસ ।  
બસ ક્ષમા કાર ચય છુક સાદસ તય સન્તસ,  
હયેસ ફયૂર તસ યુસ ગોઢેંન્યથ ચૂનુય ધ્યાન ધારાન,  
મહાગણપતસ્ય છુ અર્પન મ્યૂનુય જુવ તઅય જાન । ।
- ૬ યચ્ચકાલ વોતુમ લોલ્ પોશ ચારાન ચાનિ બાપથ,  
રંગદાર માલવ પોશ્ ફઅત્ બઅર્-બઅર્ ચાનિ બાપથ ।  
ચાનિ પૂજાયિ કિચ્ સોંભરોવમુત છુમ સોરુય સામાન,  
મહાગણપતસ્ય છુ અર્પન મ્યૂનુય જુવ તઅય જાન । ।

७ लाल व जोहर छिय शूबान मुक्कटस छुख तीज रूप,  
सेन्दराह अंग-अंग मलिथ्य शोलवुन प्रजलान दअप ।

मूह मअरिथ मद त्रअविथ शिव शक्ति सअत ज्ञान,  
महागणपतस्य छु अर्पन म्यून्य जुव तअय जान ।।

८ ॐ श्रीगणेशाय नमः छुय न् नावन कांह शुमार,  
दिल् जिगरअस मन्ज सोन्सुंद तख्ताह कर तेयार ।

ओमकार आकार गजमोखदार तथ प्येठ बिराजमान,  
महागणपतस्य छु अर्पन म्यून्य जुव तअय जान ।।

९ ज्ञान्भाव चय छुख निराकार ध्यान् गजमोख चतुरबोज,  
आदि दीव म्यान्यो निशकाम भावना सोजतम म्य अज ।

अभ्यास् न्येति नीयम् ननवोर गणपतयार लारान,  
महागणपतस्य छु अर्पन म्यून्य जुव तअय जान ।।

१० कति तस ज्योन तय कति तस मरन्युय यस च टोठख,  
यम् त्अर तस चलि मायाजाल गलि यस च टोठख ।

युस करि गोंडन्येथ शोंद्व भावनयि सान चून्य ध्यान,  
महागणपतस्य छु अर्पन म्यून्य जुव तअय जान ।।

११ दयायि चानि सअत सौरगूचि हेरि खस् वयकोण्ठस,  
मूक्षदाता छुख जेरि-जेरि पकनाव मूक्षिदामस ।

ही दयावानो कर दया भक्तिस छु आशावान,  
महागणपतस्य छु अर्पन म्यून्य जुव तअय जान ।।

आदि दीव् गोंड् कर् पुजा चअनी छुख दयावान,  
महागणपतस्य छु अर्पन म्यून्य जुव तअय जान ।  
दस्त बस्त अअदीन डेढि तल चाने छुसय प्रारान,  
महागणपतस्य छु अर्पन म्यून्य जुव तअय जान ।।





अछपोशन करयो मालो  
 बोज आलव हीगणीशे ।  
 आदि दीवय इत् म्यानि सालो  
 बोज आलव हीगणीशे ।।

- |   |  |   |
|---|--|---|
| १ | डेडि तल चानि गोंड् आस लारान,<br>आश चअन छम बोजख सवालो,              | बेढि नअल छम अज्ञान् चे ।<br>बोज आलव हीगणीशे ।।    |
| २ | शिव सन्दि टाठि व्यग्न् नवारो,<br>मअज पारवती छय बरान थालो,          | छय चे अनवार सारन्य ब्रूँठ ।<br>बोज आलव हीगणीशे ।। |
| ३ | गजमोखदार मूशक्ति वाहन,<br>शक्ति हुन्दय चावतम म्य प्यालो,           | भक्ति रक्षि वअतथि च हन हन ।<br>बोज आलव हीगणीशे ।। |
| ४ | दोह त् राथ चअनी कल यिमन्य,<br>बासान छुम इहम कअल् कालो,             | छुख च तिमन्य व्याद कासान ।<br>बोज आलव हीगणीशे ।।  |
| ५ | ही गणेशे छुस ब दास चूनुय,<br>पास करतम त्रेजगत पालो,                | वास दिम म्य च्य चर्णन तल ।<br>बोज आलव हीगणीशे ।।  |
| ६ | छम न् विद्या छुस ब् अनज्ञान्य,<br>ज्याद् क्याह वनय छुम युतुय मालो, | गुण चअन कुस हेकि गन्जरिथ ।<br>बोज आलव हीगणीशे ।।  |
| ७ | घेर् भक्तिस कौर चअन लोलन,<br>जेर् छुम इवान फेर् बअल् बालो ।        | नेर् कौत त्रअविथ ब दामन ।<br>बोज आलव हीगणीशे ।।   |

अछपोशन करयो मालो  
 बोज आलव हीगणीशे ।  
 आदि दीवय इत् म्यानि सालो  
 बोज आलव हीगणीशे ।।



तन मन गौर सेवाय् कुन थोवुम,  
सतगौर प्रोवुम त् नोवुम मन ।  
हन-हन गअलिथ मनि ललनोवुम,  
सतगौर प्रोवुम त् नोवुम मन ।।

- १ शौद्ध बौद्ध शंकर सन्मोख थोवुम, वदना दज्जम्ब छम हन-हन ।  
मशरिथ पन्नुय पान न्शरोवुम, सतगौर प्रोवुम त् नोवुम मन ।।
- २ त्रेन्येथर दार वन्दि मन्ज चूरि थोवुम, दारि-बर त्रोपरिथ थोवुम कन ।  
तन् तय मन् जीरोबम बोजनोवुम, सतगौर प्रोवुम त् नोवुम मन ।।
- ३ सूरमोत चूरि पअठ लोलिमन्ज सोवुम, गूग्मन्जुल शूरुम दरमन ।  
पूरि वुजनअविथ पानस होवुम, सतगौर प्रोवुम त् नोवुम मन ।।
- ४ आदि दीव आदस ढीढवान थोवुम, पान् कुमार जी लअगिथ फेरान ।  
बानन्य मन्ज प्राण्मन्थर थोवुम, सतगौर प्रोवुम त् नोवुम मन ।।
- ५ आदस रटिथ्य अन्तस रोवुम, पिजि म्शरोवुम सुजि हन-हन ।  
ब्योन-ब्योन बअसिथ कुन बनोवुम, सतगौर प्रोवुम त् नोवुम मन ।।
- ६ ओम के मस् कुय प्याल् बरनोवुम, धव येलि चोवुम त् रोटनम वन ।  
धव लूकस क्याह सअर करनोवुम, सतगौर प्रोवुम त् नोवुम मन ।।
- ७ त्रेन अक्षरन मन्थर लेखनोवुम, नारद जी पान् व्यछनावन ।  
मन् के कन् उपदेश बोजनोवुम, सतगौर प्रोवुम त् नोवुम मन ।।
- ८ शौद्ध प्रहलाद दजिवन्य क्राय् त्रोवुम, अहं भाव् हरिन्याकशपन ।  
सत् व्येचार नार् पान तस होवुम, सतगौर प्रोवुम त् नोवुम मन ।।
- ९ मूह, मद् खौनि कयथ वार् लरि थोवुम, शम् के नम् सअत कौरुम ब्योन-ब्योन ।  
ज्योति स्वरूपक इशार् होवुम, सतगौर प्रोवुम त् नोवुम मन ।।
- १० कनसस सतची कथ यन् बअवम, वासुदेवस सअत् गूम अन्बन ।  
काठकर खाकस सअत मिलनोवुम, सतगौर प्रोवुम त् नोवुम मन ।।
- ११ नन्दगूरि सुलिगरि तन मन नोवुम, शुरि भाशि करने आव मोहन ।  
अद जसदायि निश अअस म्चरोवुम, सतगौर प्रोवुम त् नोवुम मन ।।
- १२ काहश्यथ पोर लंका लुरनअव्म, ओमायि वचनस थोवुम कन ।  
रअविथ रावुन सोरुय् त्रोवुम, सतगौर प्रोवुम त् नोवुम मन ।।



- १३ हलमुत मोख्तमाल नअलि छन्नुवुम,      दुयथ भावुक भास्योम् पन ।  
 फलि-फलि फुटरिथ सीन् मुचरोवुम,      सतगौर प्रोवुम त् नोवुम मन ।।
- १४ त्रेलूकी कुन परवाज त्रोवुम,      पृथवीनाथ छुय हेरि तये बौन ।  
 भक्ती सअरस्य मोखतार थोवुम,      सतगौर प्रोवुम त् नोवुम मन ।।
- तन मन गौर सेवाय कुन थोवुम,  
 सतगौर प्रोवुम त् नोवुम मन ।।
- हन-हन गअलिथ मनि ललनोवुम,  
 सतगौर प्रोवुम त् नोवुम मन ।।



अशिवान्य छल् चअन् पादि कमल,  
 सतगौरो वरतम पादन तल ।  
 फौल्नावतम लोल् पम्पोश् ढल,  
 सतगौरो वरतम पादन तल ।।

- १ ही सतगौर पादन लगयो,      न्यथ शिव् चरण् अमृत चमयो ।  
 पूजहा पाद चअनि छम यह्य कल,      सतगौरो वरतम पादन तल ।।
- २ दूरि छुख चूरि मन्ज परबतन्य,      पान वथराव चौनेन वतन्य ।  
 राग सौन्स्य क्याह करि सरतल,      सतगौरो वरतम पादन तल ।।
- ३ नअल् मायाजाल ह्येथ अहंकार,      लूभ, मूह पत् छुम ह्येथ हथयार ।  
 गाल काम क्रूध चलि मनकुय मल,      सतगौरो वरतम पादन तल ।।
- ४ यिन् मशरावख ही शिवजी,      रोजि अमि शर्कुय दोद अन्दरी ।  
 जिगरुक ब्लराव जखम् करतल,      सतगौरो वरतम पादन तल ।।

- ५ पाफ करनावान छुम मोल्युत मन, दयां करतम छुम यि दुश्मन ।  
सत् सअत असत मारनुक दितम बल, सतगौरो वरतम पादन तल ।।
- ६ ज्ञान् अमृत सअत तन नावतम, मुक्ती हुन्द मार्ग हावतम ।  
वातनावतम पानस निशे जल, सतगौरो वरतम पादन तल ।।
- ७ हृदयस मन्ज छु प्रकाश चून्य, मौन्य फलिन्य मन्ज छु गाश चून्य ।  
च्य आत्मा छुख छुन् किंह बदल, सतगौरो वरतम पादन तल ।।
- ८ च्य दूर व नजदीख च्य चोपअरी, सअरी छि चअनी नर व नअरी ।  
व्छमय न् दोगन्यार छुख च केवल, सतगौरो वरतम पादन तल ।।
- ९ छुख च्य ब्रम्हा, विशणो, महीश्वर, ही सत्गौर् बोजतम म्य अअरचर ।  
यचकाल गूम प्रारान बरतल, सतगौरो वरतम पादन तल ।।
- १० रोज व शब भक्तिस छु चुन्य ध्यान, पाद चअन् हृदयस मन्ज बासान ।  
सहायतस रोजतम छुस निर्बल, सतगौरो वरतम पादन तल ।।

अशिवान्य छल् चअन् पादि कमल,  
सतगौरो वरतम पादन तल ।  
फौलनावतम लोल् पम्पोश् ढल,  
सतगौरो वरतम पादन तल ।।





दया सागर दया करतम हरीहर,  
पथर पेमतिस म्य थोद तुलतम हरीहर ।  
खोरन तल पन्न्यन वरतम हरीहर,  
पथर पेमतिस म्य थोद तुलतम हरीहर ॥

१ नमस्कार शिव शम्भू छुस ब अदीन,  
ब अज्ञानी कोंकरमी तय करमहीन ।  
नमस्कार ओम नमः गरिधर हरीहर,  
पथर पेमतिस म्य थोद तुलतम हरीहर ॥

२ च सर्वव्यापक चूनय गाह सिरसय,  
बिहित छुख चूरि जीवन मन्ज हृदयस ।  
गुलन तय बुलबुलन मन्ज च्य हरीहर,  
पथर पेमतिस म्य थोद तुलतम हरीहर ॥

३ जहानस सअरसय मन्ज जलव्गर च्य,  
त्रेजगत चूनय बिहित छुख बरतर च्य ।  
करान शिव ध्यान सौरान योगी हरीहर,  
पथर पेमतिस म्य थोद तुलतम हरीहर ॥

४ च रूजी सारनिय छुख वातनावान,  
गरीबन तय अमीरन बअगरावान ।  
नमान च्ये कुन सअरी पयहम हरीहर,  
पथर पेमतिस म्य थोद तुलतम हरीहर ॥

५ च गग्रायन अन्दर तय वुजमलन मंज,  
छु आलीशान मान चून मन्दरन मंज ।  
जिन व इन्सान सौरान हरदम हरीहर,  
पथर पेमतिस म्य थोद तुलतम हरीहर ॥

६ ब्रम्हा, विष्णु जटादअरी च शंकर,  
च वीद ओमकार बैय मुरली मनोहर ।  
च व्यापक सारनिय रूपन हरीहर,  
पथर पेमतिस म्य थोद तुलतम हरीहर ॥

७ चे सअरी छिय वनान केलास वअसी,  
जगत चूनुय छ सअरी चअन्य दअसी ।

कूनुय छुख छिय वनान केवल हरीहर,  
पथ्थर पेमतिस म्य थोंद तुलतम हरीहर ।।

८ तूही माधव तूही यादव त् केशव,  
तूही उमापती शिवनाथ ही शिव ।

तूही गणश्याम दामोधर हरीहर,  
पथ्थर पेमतिस म्य थोंद तुलतम हरीहर ।।

९ कोंकरमव सअत येलि धरती गोबान छय,  
यिवान अवतार दअरित चूय करान खेंय ।

करान छुख रअछ चूय भक्त्येन हरीहर,  
पथ्थर पेमतिस म्य थोंद तुलतम हरीहर ।।

१० सोदामा ओस गोमुत कूत लाचार,  
तोंता चअनी करान हरदम त् हरबार ।

दया कअरथस तिथिस वख्तस हरीहर,  
पथ्थर पेमतिस म्य थोंद तुलतम हरीहर ।।

११ करान फरयाद जअरी छी यि भक्ति,  
अमिस रोज चिय सहायक कास सख्ती ।

क्षणस मन्ज क्षेय करुस पापन हरीहर,  
पथ्थर पेमतिस म्य थोंद तुलतम हरीहर ।।

दया सागर दया करतम हरीहर,  
पथ्थर पेमतिस म्य थोंद तुलतम हरीहर ।

खौरन तल पन्न्यन वरतम हरीहर,  
पथ्थर पेमतिस म्य थोंद तुलतम हरीहर ।।







हरबज् ओमकार हर्-हर् लोलो,  
जय-जय हे शिव शंकर लोलो ।  
ब्रम्हा, विष्ण तय महीश्वर लोलो,  
जय-जय हे शिव शंकर लोलो ।।

- |   |  |   |
|---|--|---|
| १ | ब्रेशब वाहन छुख केलास वअसी,<br>गौरी शंकर गिरधर लोलो,       | पार्वती छय चअनी दअसी ।<br>जय-जय हे शिव शंकर लोलो ।।             |
| २ | सूरमति कति छुय चून्य ठिकान,<br>शोख छुम व्छ चून्य घर लोलो,  | जाय्-जाय् छांढत कर् चय सअत ज्ञान ।<br>जय-जय हे शिव शंकर लोलो ।। |
| ३ | जटा मुकट छय गंगा जअरी,<br>डैकि चन्दरम ज्ञन बास्कर लोलो,    | त्रे नेथरदारो बोजतम जअरी ।<br>जय-जय हे शिव शंकर लोलो ।।         |
| ४ | वलिथ सह मुसला छिय हटि वासुख,<br>नजरे सअत कास जर्-जर् लोलो, | त्रेशूल दारो छुख पाप नाशक ।<br>जय-जय हे शिव शंकर लोलो ।।        |
| ५ | यचकाल भक्तिस वोत प्रारअनी,<br>हान कास्तम नत् मा मर् लोलो,  | लोल् चानि दारि ओंश छिय हारअनी ।<br>जय-जय हे शिव शंकर लोलो ।।    |

हरबज् ओमकार हर्-हर् लोलो,  
जय-जय हे शिव शंकर लोलो ।  
ब्रहमा वेश्ण तय महीशर लोलो,  
जय-जय हे शिव शंकर लोलो ।।





आमुत शरण छुस इय नय आर,  
 ही नन्दकीश्वर बोज ज़ारपार ।  
 छुस बेकस तय स्यठाह लाचार,  
 ही नन्दकीश्वर बोज ज़ारपार ।।

- |   |  |   |
|---|--|---|
| १ | दूरि पेंठ च़ेय निश आस लारान,<br>बूजुम म्य यति छिय चून दरबार,     | नेत्रव प्रेयमुक खून हारान ।<br>ही नन्दकीश्वर बोज ज़ारपार ।।     |
| २ | अज़तामथ स्यठाह तुज म्य खअरी,<br>कास खअरी छुख बस्थानहार,          | ज़ार बोज पादन लगय पअरी ।<br>ही नन्दकीश्वर बोज ज़ारपार ।।        |
| ३ | च़ेय रोस्त कस वन् छुस चून दास,<br>शीतल स्वभाव किन वाल पाप भार,   | आश छम चअनी कर म्यून पास ।<br>ही नन्दकीश्वर बोज ज़ारपार ।।       |
| ४ | नज़राह करतम छुख दयावान,<br>ध्यान चूनुय धारहा बार-बार,            | अज्ञान गट् कास दिम चूय ज्ञान ।<br>ही नन्दकीश्वर बोज ज़ारपार ।।  |
| ५ | पानस सअती करतम लय,<br>चानि सत् संग सअत बल् बेमार,                | ही नन्दकीश्वर बोयिनय जय ।<br>ही नन्दकीश्वर बोज ज़ारपार ।।       |
| ६ | हरी ओम तत्सत परनावतम,<br>कास्तम दोख तय दअद् यक्बार,              | सत्ची वथ म्य चूय हावतम ।<br>ही नन्दकीश्वर बोज ज़ारपार ।।        |
| ७ | राज क्य़ाह बावय छुस बे-ज़बान,<br>सात्-सात् च़ेय कुन कर् नमस्कार, | अन्तरयामी छुख कासतम हान ।<br>ही नन्दकीश्वर बोज ज़ारपार ।।       |
| ८ | गुल्गाम् कन थावतम नादन,<br>सीर्-जअगीर चून बौढ दरबार,             | विल्गाम वअतिथ थावुम लादन ।<br>ही नन्दकीश्वर बोज ज़ारपार ।।      |
| ९ | आमुत दूरि भक्ति छु लारान ,<br>अथ् दअरित छुस कीछ़ाह म्य यार,      | नन्दकीश्वरनि डेढ़ि तल प्रारान ।<br>ही नन्दकीश्वर बोज ज़ारपार ।। |

आमुत शरण छुस इय नय आर,  
 ही नन्दकीश्वर बोज ज़ारपार ।  
 छुस बेकस तय स्यठाह लाचार,  
 ही नन्दकीश्वर बोज ज़ारपार ।।





सूरमोतये आव लतिये,  
व्छतय नूरअन फतिये ।  
आव लअगिथ जाम् छतिये,  
व्छतय नूरअन फतिये ।।

- |   |   |  |
|---|---|--|
| १ | व्छतय बअली नअल क्याह छस,<br>युथन् तंबलन मअल मतिये,    | खअल मालय शूबान ।<br>व्छतय नूरअन फतिये ।।       |
| २ | हटि वासुक जेटि गंगा<br>प्रव् त्रावान लव् हतिये,       | डेकि चन्दरम शूबान ।<br>व्छतय नूरअन फतिये ।।    |
| ३ | केलास पर्वतस्य पेंठ,<br>गंग चाव अस्य छि त्रेश्हतिये,  | गौरी हयेथ ब्यूठुक ।<br>व्छतय नूरअन फतिये ।।    |
| ४ | चानि वेरे पोश चारान,<br>पोश् पूजा कर्य सतिये,         | छस ब् चमनन अन्दर ।<br>व्छतय नूरअन फतिये ।।     |
| ५ | गज् म्य हन-हन काच जूने,<br>दुश्रअवनस सुरमतिये,        | हाच् आयम कअचाह ।<br>व्छतय नूरअन फतिये ।।       |
| ६ | गन्ड दिल्की मुचरअविथ,<br>सअत निमवय पोश् फतिये,        | शिव स्य निश गछवय ।<br>व्छतय नूरअन फतिये ।।     |
| ७ | भक्ती सन्ज वील् तय जार,<br>बेय् च् वनिज्येस पारवतिये, | बोजि सुरमोत् थावि कन ।<br>व्छतय नूरअन फतिये ।। |

सूरमोतये आव लतिये,  
व्छतय नूरअन फतिये ।  
आव लअगिथ जाम् छतिये,  
व्छतय नूरअन फतिये ।।



गोमुत होल छुमना अमे लोलु चाने,  
गजिम तन म्य हन-हन शिवनाथ म्याने ।  
फोलेम मन चलेम शर म्य दर्शन चाने,  
गजिम तन म्य हन-हन शिवनाथ म्याने ॥

- १ गूमच चअन छम कल ही शिव शम्भू,  
तिछिय यिछ गुलन मन्ज पिनहान खुशू ।  
चवान लोलु मस छुस मयखान चाने,  
गजिम तन म्य हन-हन शिवनाथ म्याने ॥
- २ बसित छुख शिन्याहस त् सब्जारस्य मन्ज,  
च छुख दूर व नजदीख गुलजारस्य मन्ज ।  
च आकाश व पाताल वनिथ् कुस जाने,  
गजिम तन म्य हन-हन शिवनाथ म्याने ॥
- ३ गोमुत यन् म्य दिलस्य असर चानि लोलुक,  
तनय ब् ख्यवान छुस ना गम हरद् वावुक ।  
सहारोजतम भंग् मस्तान् म्याने,  
गजिम तन म्य हन-हन शिवनाथ म्याने ॥
- ४ मलिथ सूर बिहित छुख वलिथ सह मुस्ताह,  
कमण्डल, कोडल ढोलकी तय त्रेशूलाह ।  
खोहवरिकिन ओमा छय हयो नुन्दबाने,  
गजिम तन म्य हन-हन शिवनाथ म्याने ॥
- ५ च छुख साजू कुय सोज फिजाहस अन्दर च्य,  
य् कोस व कजाह बअगरान रंग चूनय ।  
च इजहारि महोब्बत तलबगार जाने,  
गजिम तन म्य हन-हन शिवनाथ म्याने ॥
- ६ चे मालव बदल नअल नीलकण्ठ वासुक,  
जटव मन्ज वसान छय गंगा पाप् नाशक ।  
चन्द्र डेकि शूबान हयो डेक्लाने,  
गजिम तन म्य हन-हन शिवनाथ म्याने ॥



- ७ छ चअनी जअलस मन्ज शीतलतअयी,  
सतुक भाव चू छुख असत छु फनअही ।  
तुलख यौद खन्जर बुम् जवहर प्राने,  
गजिम तन म्य हन-हन शिवनाथ म्याने ।।
- ८ त्रेनेथर धारो करुम शोभ नजराह,  
चू मस्त छुख चरस च्येथ कर म्यून परवाह ।  
छलयना पादि कमल अशिवाने,  
गजिम तन म्य हन-हन शिवनाथ म्याने ।।
- ९ असर लालनय मन्ज चू छुख शिवनाथो,  
प्रजलवुन चू सिरियस अन्दर शिवनाथो ।  
वौलुस शिवनाथो सुन्दरतायि चाने,  
गजिम तन म्य हन-हन शिवनाथ म्याने ।।
- १० चे छांडान भक्ति छी केलास वअसी,  
गौमुत ख्यूबस्य कयाजि छुस चून दअसी ।  
चू व्छतन चे अन्दर छुमा पान् म्याने,  
गजिम तन म्य हन-हन शिवनाथ म्याने ।।  
गौमुत होल छुमना अमी लोल चाने,  
गजिम तन म्य हन-हन शिवनाथ म्याने ।  
फौलेम मन चलेम शर म्य दरशन चाने,  
गजिम तन म्य हन-हन शिवनाथ म्याने ।।



साल् इत यावन राये लोलो,  
चश्मन मन्ज करय जाये लोलो ।  
चूरि ब्यूठुक कथ शाये लोलो,  
चश्मन मन्ज करय जाये लोलो ।

- १ ध्यान चोन सुब्ह शाम आनन्द प्रावान, प्रकाश चून सिरयस छी मन्दछावान ।  
चू यस तस न् परवाये लोलो, चश्मन मन्ज करय जाये लोलो ।।  
इत जल करसअ म्पून पाये लोलो, चश्मन मन्ज करय जाये लोलो ।
- २ चानि श्रदायि पोश छुस चारान, लाल् माल् नअल त्रावय हर नाराण ।  
गअन्यराव् चअनी माये लोलो चश्मन मन्ज करय जाये लोलो ।  
मत् करतम आय् ग्राये लोलो चश्मन मन्ज करय जाये लोलो ।
- ३ गंगाय् जमनाय् तन मन नअविथ प्रारान छुसय गछतम पान हअविथ  
व्छहा चअन पौत छाये लोलो चश्मन मन्ज करय जाये लोलो ।  
त्रावतम पन्नुय साये लोलो चश्मन मन्ज करय जाये लोलो ।
- ४ चाने दर्शन कुय म्य छुम चिक्चाव दित चूय भक्तिस पन्नुय भक्ति भाव  
अन्जराव चू म्यअन न्याये लोलो चश्मन मन्ज करय जाये लोलो ।  
सात्-सात् रोजत् म्यानि त्राये लोलो चश्मन मन्ज करय जाये लोलो ।

साल् इत यावन राये लोलो,  
चश्मन मन्ज करय जाये लोलो ।  
चूरि ब्यूठुक कथ शाये लोलो,  
चश्मन मन्ज करय जाये लोलो ।





सर्वज्ञ सर्वतीत ही सर्व शक्तिमान,  
पान पन्नुय च़ेय कर अर्पण ।  
नैथ अनेथ परम पों ही परमात्मण,  
पान पन्नुय च़ेय कर अर्पण ।।

- |   |  |   |
|---|--|---|
| १ | सगुण त निर्गुण प्रकुट बासान,<br>च़्य मन्ज़ बेजानन त् जानदारन,        | दूर त् नज़दीक छुख वातान ।<br>पान पन्नुय च़ेय कर अर्पण ।।        |
| २ | तन मन धन तय पन्नुय पान,<br>सोरूय समर्पण च़ानेन च़रणन                 | जुव जान वंदय च़ेय ही भगवान ।<br>पान पन्नुय च़ेय कर अर्पण ।।     |
| ३ | ममतायि हुन्दय बलिदान करिथ्य,<br>हवाल् च़ेय कौरमय पनुन मन,            | तमन्नाय् संसार सोरूय वलथ्य ।<br>पान पन्नुय च़ेय कर अर्पण ।।     |
| ४ | कांह मरज़ी छमन् वासना न् किंह,<br>वन् क्याह सोरूय कोत ब्योन-ब्योन,   | राय किंह छमन व्यचार छुमन् किंह ।<br>पान पन्नुय च़ेय कर अर्पण ।। |
| ५ | यछा दिलची छम यहय बस,<br>दिम म्य ति एकतअयी हुन्द गोण,                 | लय गछ च़ेय सअत रोज़हा मस्त ।<br>पान पन्नुय च़ेय कर अर्पण ।।     |
| ६ | करतम राहनुमाई ही प्रभू,<br>नाश कर क्षणस्य मन्ज़ व्यगनन,              | द्रढ अभ्यासुक कौरम अनुभव ।<br>पान पन्नुय च़ेय कर अर्पण ।।       |
| ७ | दीवता, महात्मा, इन्सान व हेयवान,<br>च़अनी शक्ती मन्ज़ सारनेन,        | ज़अलिम राक्षस नाकार त् जान ।<br>पान पन्नुय च़ेय कर अर्पण ।।     |
| ८ | जगदीश्वर च़अन्य लीला रात दिन,<br>छुम न् किंह ज़रुरत रोज़तम च़ प्रसन, | तन मन भक्ती छिय करान ।<br>पान पन्नुय च़ेय कर अर्पण ।।           |

सर्वज्ञ सर्वतीत ही सर्व शक्तिमान,  
पान पन्नुय च़ेय कर अर्पण ।  
नैथ अनेथ परम पों ही परमात्मण,  
पान पन्नुय च़ेय कर अर्पण ।।



फेर जंगलन वन्नय मन्ज दिमयो छोह,

मार गोमुत छुस ही शिव शम्भू ।।

- १ दर्शनस चअनिस ब् प्रारान रात दोह,  
मस परेशान छुख च् त्रअविथ यख्सोह ।

चश्म बादामन हिन्ज् द्रिय छियो,

मार गोमुत छुस ही शिव शम्भू ।।

- २ कति आसान छिय चे ठिकान तूरि इमय,  
साय् करतम चेय पादन तल पैमय ।

मन्दरन मन्ज चोन तीज नौन छियो,

मार गोमुत छुस ही शिव शम्भू ।।

- ३ दअद् लद पानस म्य गअमित छिम सुराख,  
चानि बापथ छुस दिवान बडि-बडि वदाख ।

त्रअविथ अस्य वौपरन हँज लय छियो,

मार गोमुत छुस ही शिव शम्भू ।।

- ४ पोश मालय नअल हो ब् त्रावय,  
गोश थावतम दअद् अन्दरिम बावय ।

अमृत रूप यिहा चून्य खौय छियो,

मार गोमुत छुस ही शिव शम्भू ।।

- ५ नरम दिल यौद आसहख बोजहख च जार,  
भक्तिस्य पैठ वन्य इय् नय चे आर ।

हात दर्शन भगवानसन्ज द्रिय छियो,

मार गोमुत छुस ही शिव शम्भू ।।

फेर जंगलन वन्नय मन्ज दिमयो छोह,

मार गोमुत छुस ही शिव शम्भू ।।





क्याह गोंय म्योनुय मलालय,  
हर इत् घर सोन सालय ।।

- |    |                            |                               |
|----|----------------------------|-------------------------------|
| १  | शिवनाथ बोजतम म्य अरचर,     | चेय रोस्त ब् कस वन् हरीहर ।   |
|    | कन थाव बोज अहवालय,         | हर इत् घर सोन सालय ।।         |
| २  | बोजतम म्य जार् तय पारो,    | शिव छुस सेवाकारो ।            |
|    | लागय पम्पोश मालय,          | हर इत् घर सोन सालय ।।         |
| ३  | साथाह इतम जानानय,          | सूरमति भंग मसतानय ।           |
|    | नूर भरिते म्यानि लालय,     | हर इत् घर सोन सालय ।।         |
| ४  | अंग्-अंग् भस्मा रंगा रंग,  | मस्त छुख मखमूर चयैथ भंग ।     |
|    | बस वुछ छुस कमि हालय,       | हर इत् घर सोन सालय ।।         |
| ५  | प्रेमुक मस बअगरावान,       | त्रअविथ म्य वोपॅरन चावान ।    |
|    | म्यति चाव मसकी प्यालय,     | हर इत् घर सोन सालय ।।         |
| ६  | केलास रअटथम जाये,          | शिन्याहस अन्दर करत् साये ।    |
|    | फेरान छुख बअल बालय,        | हर इत् घर सोन सालय ।।         |
| ७  | ही शिव ब् हा मशरोवथस,      | परदयेन अन्दर क्याजि त्रोवथस । |
|    | जुव म्योन छुय हवालय,       | हर इत् घर सोन सालय ।।         |
| ८  | छांढथ ब् शहर् तय गामो,     | हर जाय् पर् चून नामो ।        |
|    | डल् मा थअवजैम खयालय,       | हर इत् घर सोन सालय ।।         |
| ९  | लगयो पम्पोश पादन,          | पास कर थावतम म्य लादन ।       |
|    | कासतम गम कअल कालय,         | हर इत् घर सोन सालय ।।         |
| १० | मोखसर बोज शिव शंकर,        | फेरय न पथ छुस बरदर ।          |
|    | नेर् चेय पत् पान जालय,     | हर इत् घर सोन सालय ।।         |
| ११ | अछ् लोस् भक्तिस वुछान राह, | वनतम म्य कोरमुत खताह छा ।     |
|    | दया करतम दयालय,            | हर इत् घर सोन सालय ।।         |

क्याह गोंय म्योनुय मलालय,  
हर इत् घर सोन सालय ।।



पास करतम ही दयालो छुस प्योमुत पादन वलो ।  
 दास चूनुय पादन तल कन म्य थाव नादन वलो ।।  
 बस्म तन ही नीलकण्ठो दिम म्य शक्ती कर् तौता ।  
 दिम म्य वरदान भक्ती हुन्द थावतम लादन वलो ।।  
 चून व्यस्तार क्या वनय ब् छुय न् गौणनई कांह शुमार ।  
 सअरी दीवता अअदीन चेय च् छुहख आदन वलो ।।  
 जेटि गंगा छय चें जअरी हटि वासुख छुय वलिथ ।  
 वन् ब् दिमयो गंगबल् तय कौल् नागरादन वलो ।।  
 त्रे नैथर दारो चें ढेकसी प्येठ छु चन्दरम प्रजलान ।  
 कनवअल क्याह नअल शूबान सअत शाहजादन वलो ।।  
 ही चर्तुबज ब्रश्ब वाहन छुय कमण्डल तय त्रिशूल ।  
 ब्रूध चून प्रलयस बराबर छुख रछान सादन वलो ।।  
 वलिथ स्ह मुस्लाह मलिथ सूर च्येथ च् चरसा मस्त क्याह ।  
 अकि दया द्रष्टि सूर करसअ अपराधन वलो ।।  
 ही शिवनाथ पार्वती छय चे सअत-सअत शक्ति रूप ।  
 शिव शक्ति हुन्द समागम यम छ तल पादन वलो ।।  
 करि भक्ति कूत वर्णन शिव शक्ति क्याह छु गौण ।  
 मूक्षदाम्च वथ सु प्रावी थफ करिथ पादन वलो ।।





म्य हय जेर् उननम सेहरवअल,  
हतय बअल नार् हय जअजनस ।  
चोटैनम जिगर कअतनम म्य अअल,  
हतय बअल नार् हय जअजनस ।।

- |   |   |   |
|---|---|---|
| १ | छून्डुम म्य त्रेन जगतन शिवई,<br>ब्रेशबस खसिथ शाहमार नअल,  | केलास वअसी छुय कुनई ।<br>हतय बअल नार् हय जअजनस ।।         |
| २ | तस पत् गयस दीवान तय,<br>पामय दिवान छिम कथ्-कुतअल,         | जुव जान तस सअती छ् लय ।<br>हतय बअल नार् हय जअजनस ।।       |
| ३ | हटि वासुका जेटि छस गंगा,<br>शूबान कनन सौन् कन्वअल,        | चन्दरम ढैकु क त्रावान गाह ।<br>हतय बअल नार् हय जअजनस ।।   |
| ४ | छुम नीलकण्ठ बस्मा मलिथ,<br>तस पत् ब् गम्च छस वौदअल,       | बंग्मोत छु सह मुसलाह वलिथ ।<br>हतय बअल नार् हय जअजनस ।।   |
| ५ | तप कअर-कअरी छुम प्रोवमुत,<br>अथवास तस सअत कौर म्य मअल,    | म्य नय जौह सु छुय म्शरोवमुत ।<br>हतय बअल नार् हय जअजनस ।। |
| ६ | क्याह गूम ब् योर क्याजि आयस्य,<br>नार् पान जालय काल् कअल, | नाथो पेयँस वन्य पायस्य ।<br>हतय बअल नार् हय जअजनस ।।      |
| ७ | नाथन म्य वोन्मुत ओस तती,<br>हुम् पान अग्नस गछ् वौडअल,     | माल्युन गछित प्रावख सती ।<br>हतय बअल नार् हय जअजनस ।।     |
| ८ | वाखस त् वचनस तमसिन्दिस,<br>तस निश ब् क्याह कर् हाल् हअल,  | भक्ती बदल करि क्मिसिन्दिस ।<br>हतय बअल नार् हय जअजनस ।।   |

म्य हय जेर् उननम सेहरवअल,  
हतय बअल नार् हय जअजनस ।  
चोटैनम जिगर कअतनम म्य अअल,  
हतय बअल नार् हय जअजनस ।।



हृदया नारायण थान छुम,  
जानान् छुम पानस निशे ।

हमसू त् सूहम पान छुम,  
जानान् छुम पानस निशे ।।

- |    |  |   |
|----|--|---|
| १  | तुल साज व सामान जीरोबम,<br>सोजस अन्दर ननिवान छुम,                | साजो सरूदा बोजतम ।<br>जानान् छुम पानस निशे ।।             |
| २  | शीशनाग आसन बिराजमान,<br>लक्ष्मी सहित शूबान छुम,                  | सास् मौख तौता चअनी करान ।<br>जानान् छुम पानस निशे ।।      |
| ३  | खीर सागरस मन्ज छी वनान,<br>कारण ब्रम्हा यजदान छुम,               | तमसन्दि निराकारुक गुमान ।<br>जानान् छुम पानस निशे ।।      |
| ४  | ब्रम्हा, विष्णु, महेश सुय,<br>ब्योन-ब्योन म्य त्मिसुन्द मान छुम, | त्रेनवय त्रें आकार सुय कुनुय ।<br>जानान् छुम पानस निशे ।। |
| ५  | दीवी त् दीवता मनुष्य जात,<br>सोरुय तसुन्द जुवजान छुम,            | जीव, जड़ त् चेतन उतपात ।<br>जानान् छुम पानस निशे ।।       |
| ६  | आकाश पाताल त्रे जगत,<br>ज्ञानुक सन्यर तय ध्यान छुम,              | वअन् सअरसई दिथ फेर पथ ।<br>जानान् छुम पानस निशे ।।        |
| ७  | शूबान शिन्याहस मन्ज बिहित,<br>भंग् मौत हसअ मस्तान् छुम,          | शिवनाथ जी ब्रेशबस खसिथ ।<br>जानान् छुम पानस निशे ।।       |
| ८  | केलास वअसी छिस वनान,<br>ओमौयि सअत सुय पान् छुम,                  | गंगा जटव मंज छस वसान ।<br>जानान् छुम पानस निशे ।।         |
| ९  | रक्षपाल सून विष्णु बनिथ,<br>चतुर्बज सु बौड़ भगवान छुम,           | अमार् त्मिसुन्द छुम सनिथ ।<br>जानान् छुम पानस निशे ।।     |
| १० | मुकट छु शूबान क्याह सुन्दर,<br>विष्णु बिहित तति पान् छुम,        | पअरोवमुत छुम मन मन्दर ।<br>जानान् छुम पानस निशे ।।        |
| ११ | ब्रम्ह रूप जगतच उतपन,<br>ब्रम्ह गूम जिगर बिरियान् छुम,           | छुय पान चोर वीद वेछनन ।<br>जानान् छुम पानस निशे ।।        |
| १२ | कलयुग वअसियन प्येठ दया,<br>कृष्णुन रटिथ दामान् छुम,              | अवतार दअरिथ अज पगाह ।<br>जानान् छुम पानस निशे ।।          |



- १३ मुरली मनोहर छिस वनान,  
नट्खट् सुहय शूबान छुम,  
१४ मारुन कनुस रट् मनमोहन,  
गूरि शुर बनिथ रोशान छुम,  
१५ प्रकाश सिरियस चूनये,  
पानय सोरूय बहान् छुम,  
१६ लब राम, रावुन मा पजी,  
हेंस रठ विभीषण ध्यान छुम,  
१७ चोटनम हनुमानन जिगर,  
रुम्-रुम् रुमन मन्ज पान छुम,  
१८ फुटरिथ छुनुन त्रअविथ सु हार,  
सीनस अन्दर प्रजलान छुम,  
१९ समसार सागर छुय कठोर,  
तति मूक्षदामुक थान छुम,

गोपाल गोरेन सतत गिन्दान ।  
जानान् छुम पानस निशे ।।  
गूपी बनिथ अर्पण च बन ।  
जानान् छुम पानस निशे ।।  
तारामण्डल तय जूने ।  
जानान् छुम पानस निशे ।।  
सौन् लंकक काया मा दजी ।  
जानान् छुम पानस निशे ।।  
मन् माल चअपिथ कौरुन सर ।  
जानान् छुम पानस निशे ।।  
छुन् राम लीखित क्याह बकार ।  
जानान् छुम पानस निशे ।।  
भक्त्यो गण्डुस सौथ तर अपोर ।  
जानान् छुम पानस निशे ।।

हृदया नारायण थान छुम,  
जानान् छुम पानस निशे ।  
हमसू त् सूहम पान छुम,  
जानान् छुम पानस निशे ।।



शिष्य भाव गौर सेवक मन्थर पर,

ॐब्रम्हा ॐविष्णु ॐमहेश्वर ।

त्रेन गोणनुई हुन्द गौड़न्युक अछर,

ॐब्रम्हा ॐविष्णु ॐमहेश्वर ।।

- १ गौर ध्यान धार सर कर पन्मुई पान,  
त्रेगौण परशोत्तम सई सतत ज्ञान ।

त्रेनवय छ् ब्योन-ब्योन त्रेनैव्न् कुन कर,

ॐब्रम्हा ॐविष्णु ॐमहेश्वर ।।

- २ ब्रम्ह विद्याय कुन शौद्ध मन कन थाव,  
गौर उपदेशय च्य ब्रम्ह ज्ञान प्राव ।

सत् गौर सतूगौण हसअ शिव शंकर,

ॐब्रम्हा ॐविष्णु ॐमहेश्वर ।।

- ३ ब्रम्ह छिय समसार शम दम परजनाव,  
वअन् द्वयू पन्निस पानस ज्ञान थाव ।

अद् पान् देशख पानय च् क्षेत्रचर,

ॐब्रम्हा ॐविष्णु ॐमहेश्वर ।।

- ४ रजोगौण, तिमोगौण, मूह गन्ड चटिथ त्राव,  
अपजुय य् मायाजाल मो वहराव ।

पअजपअठ च परशोत्तम सर कर,

ॐब्रम्हा ॐविष्णु ॐमहेश्वर ।।

- ५ च्य अग्न तय सिरय् चन्दरम छु चूनुई,  
ज्ञानवानव अथ ब्योन कर जूनुई ।

च्य पान ब्रम्हा, विष्णु, महेश्वर,

ॐब्रम्हा ॐविष्णु ॐमहेश्वर ।।

- ६ चाने कारन धरती उतपन,  
चय पालनहार चय मौकलावान ।

प्रकाश चून तेज अमृत छु अमर,

ॐब्रम्हा ॐविष्णु ॐमहेश्वर ।।



७ ॐ रूप चय तत्सत चय हमसा,

स्वयं प्रकाश थजरस चून तखताह ।

चय आकाश चय तारामण्डल धर,

ॐब्रम्हा ॐविष्णु ॐमहेश्वर ।।

८ आहूति दिन् वोल अग्नी च पानय,

वेदुक सार तय वेद चय पानय ।

नेथ अनेथ ग्रहस्थदार सनियासि त् ब्रम्हचर,

ॐब्रम्हा ॐविष्णु ॐमहेश्वर ।।

९ मनुष्यन त् दीवन अन्दर तीज चूनुई,

सत वौनमय सत् सअती म्य जूनुई ।

आकाश पाताल त्रेजगत चराचर,

ॐब्रम्हा ॐविष्णु ॐमहेश्वर ।।

१० चानि सअत सागर रत्नव छु बअरि-बअरि,

औषध सअती पृथवी क्रथन सूअरि ।

चानि बल् नदियन त् नालन छु शोरशर,

ॐब्रम्हा ॐविष्णु ॐमहेश्वर ।।

११ चय ब्रम्ह स्वरूप तय चय सर्वव्यापक,

सर्वज्ञ सर्वशक्तिमान मोक्षदायक ।

मन थ्येर् शम कर पर् ब्रम्ह मन्थर,

ॐब्रम्हा ॐविष्णु ॐमहेश्वर ।।

१२ ब्रम्ह ज्ञान् सअती प्रावख सत्च वथ,

ब्रम्ह द्वार फुटराव दिस ज्ञान्च लथ ।

ब्रम्ह थान सुय गव पनुन पान सर कर,

ॐब्रम्हा ॐविष्णु ॐमहेश्वर ।।

१३ नाशवान् य् शरीर रथ त् माज अपजुई,

अज्ञानी म् बन मद् छुय यि अमिकुई ।

निर्मल भाव् मनकुई अनुभव कर,

ॐब्रम्हा ॐविष्णु ॐमहेश्वर ।।

१४ ब्रम्ह विद्याय् भक्ती वनान ब्रम्ह ज्ञान,  
याद थाव शौद्ध वासनाय् सतगौर मान ।

ब्रम्ह विद्याय् सअत लबहन सतगौर,  
ॐब्रम्हा ॐविष्णु ॐमहेश्वर ।।

शेष भाव गौर सेवक मन्थत पर,  
ॐब्रम्हा ॐविष्णु ॐमहेश्वर ।  
त्रेन गोणनुई हुन्द गौड़न्युक अछर,  
ॐब्रम्हा ॐविष्णु ॐमहेश्वर ।।



❀ १९ ❀

साजू सन्तूरच आवाज दरतन,  
सौर मन नारायण नारायण ।  
भाजू सेतार् साजू अस् करव कीर्तन,  
सौर मन नारायण नारायण ।।

१ ज्ञान् धूनि व्यछनाव अपर विद्या,  
निष्काम भावनाय् रट परा विद्या ।

भक्तिभाव प्राव नाव भवसर तारूण,  
सौर मन नारायण नारायण ।।

२ योग् के बर् चय नैबर् अचुव अन्दर,  
योगेश्वरन हुन्द तति छुय मन्दर ।

योग्च हेरि खस मसअ कर हेंरि बौन,  
सौर मन नारायण नारायण ।।



- ३ अभ्यास आकार सिद्ध कर मन्थर,  
निराकारस सूअत मेलनुक यन्थर ।  
ध्यानुक गाश हेंथ नेर फेर हन-हन,  
सोर् मन नारायण नारायण ।।
- ४ अभ्यास, ज्ञान, ध्यान, निष्काम भक्ती,  
पांछ योग सादनाव प्रावख मुक्ती ।  
योग् मूलू सगनाव फल प्राव ब्योन-ब्योन,  
सोर् मन नारायण नारायण ।।
- ५ योग् मन्दोरि मन्ज पांछ तोंथ मिलनाव,  
अग्नस सअत जल, वायु म् ब्योन थाव ।  
धरती गोंव आकाशुक पश द्युन,  
सोर् मन नारायण नारायण ।।
- ६ पांछ तोंथ आकार पांचन हुन्द सार,  
पानय नारायण छिय निराकार ।  
कारन सु पानय, पानय त्रें कारण,  
सोर् मन नारायण नारायण ।।
- ७ ब्रम्ह भाव समसार जीव, जड़ त् चेतन,  
आकाश पाताल त्रे जगत उत्पन ।  
चोर मोख व्यछनावान चोंन वीदन,  
सोर् मन नारायण नारायण ।।
- ८ विष्णु रूप दअरिथ पालनहार,  
चतुर्बज सुन्दरमुख छुख बख्खानहार ।  
धर्मच रअछ् मोख् अवतार दारन,  
सोर् मन नारायण नारायण ।।
- ९ अन्तस शिव रूप दअरिथ सम्हार,  
पान् नाराण शिव प्रलयस जिमवार ।  
युस येति मरि तस क्याह तति मारन,  
सोर् मन नारायण नारायण ।।

१० योग् बल् पांछ तौथ निराकार परजनाव,  
परा तय अपरा निराकार मन्ज द्राव ।

अन्द-अन्द फेरान छिस त्रेनवय गौण,  
सौर मन नारायण नारायण ।।

११ सतोगौण की जाम् लागन्च तेयअरी,  
सत प्राव सौभराव सामान् सअरी ।

सौख् सान सौख् मौख् प्रावहन निर्गुण,  
सौर मन नारायण नारायण ।।

१२ रज तय तम त्राव राजस म्शराव,  
सत् की जाम् लाग तस पान पुशराव ।

तमस द्रोत दिथ सगनाव सतूगौण,  
सौर मन नारायण नारायण ।।

१३ सौप्न् माया छि अपुज सोख्य संसार,  
सोख्य छु हीथा तसन्द सोख्य संसार ।

सोख्य नाश गछि रोजि बस नारायण,  
सौर मन नारायण नारायण ।।

१४ छु योगुक सफर ज्यूठ सागर स्यठाह सौन,  
छु ननवोर भक्ती सन्यरस दिवान वौन ।

बठिस कुन खसुन छुस तवय पान मारन,  
सौर मन नारायण नारायण ।।

साजू सन्तूरुच आवाज दरतन,  
सौर मन नारायण नारायण ।

भाजू सेतार् साजू अ्स करव कीर्तन,  
सौर मन नारायण नारायण ।।





गॅअ-गॅअ व्यचोरूम गोशव सअती, दीदव ड्यूठुम तय वार् प्रोवुम ।  
 शम तय दम के जीरुबम सअती, मन प्रान साजय रौंटुम सूहम ।।  
 क्याह भय त् क्याह जय छुस कुस त् कुस छुम, चस गूम मस च्यथ ह्यस म्य रौंटुम ।  
 वसनय नावि खस बौठ तस सअती, अद् कुस कस सअत क्याह सअ गम ।।  
 क्याहताम द्युतनम त् क्याहताम प्रोवुम, क्याह म्य लौबुम तय क्याह रोवुम ।  
 छौढनि क्याह द्रास क्याह आम हअथी, नत् वन्त् सुय्य सअत-सअती छुम ।।  
 वलगाव आव त् जाव क्याह सअ व्यचोरूम, क्याह गव त् क्याह आव प्राण होरूम ।  
 यति न्यथ पत्त्वथ सथ सअत-सअती, तति बैयि क्याहताम केवल ॐ ।।  
 परदयेन ब् क्याह वन् क्याह म्य पनुन छुम, हरद्नि वावय ज़रदुन छुम ।  
 वर दय ब्रूठ-ब्रूठ पत्-पत् वअती, परद् अन्दरी परापर वुछुम ।।  
 होश कर गोश थाव प्राव जीरोबम, नोश कर खूने-जिगर महकम ।  
 बोश तमिकुय छुम होश् सअत-सअती, रोशि-रोशि रोशन अन्दरीय रौंटुम ।।  
 क्युथ युन त् क्युथ गछुन अपर वुछुम ब्रम्ह, लोत्प् पअठ हमसू तय सूहम ।  
 पौत-पौत रूजिथ कौत सुय वअती, मौत छुय सअती सौत रोज़ शम ।।  
 ब्रम्ह सोरूय ब्रमौड हमदम ड्यूठुम, रूशिथ रूजिथ बर त्रोपरूम ।  
 नैबरय चास अन्दर वुछुम ज़र्-ज़रअती, केवल निराकार सन्मौख वुछुम ।।  
 दुफ़-दुफ़ छुम गछान व्यछनावहा ॐ, वुफने शिन्याहस द्रास पर फुटुम ।  
 हौप्-दौफ़ छौप् छय रोप् सन्ज सअती, पत् क्याह कथ बअविथ नेरैम ।।  
 पौचन तौतन सअत बेय् पौछ प्राण छिम, पौचन त् दहन कुनुय पन तुलुम ।  
 खामस पौख्त् कौरूम शक्ति वर सअती, दामस ब्रम्ह फौसि मन्ज ब्रम्ह रौंटुम ।।  
 कति छुस त् क्याह छुस कस क्युत होवुम, कुस येति माजि युथ प्राणायम ।  
 प्योमुत छुस दजिथ सूरस सअती, ह्यस् रोज़ सोजिच् तारे लम ।।  
 य् भक्ति कस वनि बोजान कुस छुम, सोरूय त्रअविथ सुय सोदुम ।  
 यैति हसअ नस रटिथ वुछमय कअती, तति नो च त् ब् ईको ब्रम्ह ।।



पर ओम सरखम रूजिथ हरदम दरमन कर सुमरन ।  
 सर कर सूहम जिन्द मर कर शम सौर् मन नारायण ।।  
 वरजन् वाव् छम दजम्च हन-हन जर्-जर् शुमरिथ मन ।  
 सर कर सूहम जिन्द मर कर शम सौर् मन नारायण ।।

- १ अहं त्रअवथि तस आदि दीवस अअदीन आद तय अन्त ।  
 आदन म्याने आशीरवादस प्रारान् छि साद तय सन्त ।।  
 अख च त् बेयि ब् दोगन्यारुक पन यूग वर सअत अबसन ।  
 सर कर सूहम जिन्द मर कर शम सौर् मन नारायण ।।
- २ बालादरि हुन्द बहान् क्अरथिय लंकायि कोरैनम सुर ।  
 रुमरेश सास् बअद योंग वलगअविथ मायाजाल् निश दूर ।।  
 कथि हुन्द मान्य पानय सु ज्ञाने येंति तय तति डेशन ।  
 सर कर सूहम जिन्द मर कर शम सौर् मन नारायण ।।
- ३ दिह किस दारस दारि बर म्चरिथ यिम गाशि दारि यल् त्राव ।  
 अन्दर वअतिथ त्रोंपेराव दारि बर पनुनुय पान परजनाव ।।  
 शम कर हमदम दम रठ महकम पअरअविथ आसन ।  
 सर कर सूहम जिन्द मर कर शम सौर् मन नारायण ।।
- ४ म्येचि मरि प्रकाश हेंथ नेर सुलिगरि अरि दरि मंजिलस वात ।  
 यथ अडिजि क्रंजस पलांल कथ क्युथ छिय करुन दोह तय रात ।।  
 बलि पान छल् पअठ ललवुन नाराण मौलवुन पनुनुई पान ।  
 सर कर सूहम जिन्द मर कर शम सौर् मन नारायण ।।
- ५ चअट्-चअट् परद् येलि मरदा-मरदी हरदनि वाव् ज़रदन ।  
 सिता छि अमर छ्योनमुत्त पोशाक विजि-विजि बदलावान ।।  
 उत्पन पौचवय तौत त् प्राण सपदान अद् कुस त् क्याह नाशवान ।  
 सर कर सूहम जिन्द मर कर शम सौर् मन नारायण ।।



- ६ मअरिथ त्रोवनस मूह की मारन माया छम लिथवान ।  
 मद छुम मगरूर अद् छुस हँग्-मँग् मअर-मअर ज़िन्द सपदान ।।  
 हद गव तफरीक येति या तति क्याह पत् छी कुन बासौन ।  
 सर कर सूहम ज़िन्द मर कर शम सौर् मन नारायण ।।
- ७ ब्रम्ह फौंसि रटिथिय मायाजाल्च फवलअद बेडि फुटरैम ।  
 येमि काठकर के जेलखान् मन्ज द्रास मअरिथ त्रोवुम यम ।।  
 ॐ के हथियार् अहं त्रोवुम कुनुय ड्यूठुम ब्योन-ब्योन ।  
 सर कर सूहम ज़िन्द मर कर शम सौर् मन नारायण ।।
- ८ संसार ब्रम्ह तय जाय्-जाय् ब्रमरावन्कि सामान शीरिथ ।  
 वत्खुर यन् डलि जानान् म्यानो मायाय् नेर लथ दिथ ।।  
 लोत्य पअठ मसतान् मस्ती द्व्यू वौन सु जअगिथ प्रावुन ।  
 सर कर सूहम ज़िन्द मर कर शम सौर् मन नारायण ।।
- ९ पअछ लाजि आमुत भक्त्यो च ति छुख वथ नेरनुक सन्ज कर ।  
 यति चोर पौछ दोह तति द्व्यू वार् छोह इति गछ चय मो कर ।।  
 दोह गछि यूनस त् गछनस सअती रोजख येति कुन जौन ।  
 सर कर सूहम ज़िन्द मर कर शम सौर् मन नारायण ।।
- पर ओम सरखम रूजिथ हरदम दरमन कर सुमरन ।  
 सर कर सूहम ज़िन्द मार कर शम सौर् मन नारायण ।।  
 वरजन् वाव् छम दजमच हन-हन जर्-जर् शुमरिथ मन ।  
 सर कर सूहम ज़िन्द मर कर शम सौर् मन नारायण ।।





बरी कन चे कम् किंयाजि रोटथम मलालय ।

क्यहो साल् यहमना बरय मस् प्यालय ।।

म्य छा किंह चे रोस्तुय करय तिय हवालय ।

क्यहो साल् यहमना बरय मस् प्यालय ।।

१ गौमुत सूर छुम छुस दजिथ वअसि ब् प्योमुत ।

वौनुथ तोति दअज-दअज च् छुख सौन बन्योमुत ।।

कनव यी म्य बूजुम ति छुम खाम ख्यालय ।

क्यहो साल् यहमना बरय मस् प्यालय ।।

२ वौनुथ ना चे अकि दोह वौफअयी बनआव्म ।

ति बूजिथ यहअय कथ पतो म्शरअव्म ।।

करिथ बेवफअई गमित छिम कबालय ।

क्यहो साल् यहमना बरय मस् प्यालय ।।

३ चे वोनथम कुनुय मस छु बौरमुत म्य प्यालय ।

मधुर मस चे पानस त् ट्योठ छुस ब चालन ।।

इछय हिश दिमय क्याह ब् कअचाह मिसालय ।

क्यहो साल् यहमना बरय मस् प्यालय ।।

४ शिकारैन हन्दी पअठ थोवुथ जाल वुअहरिथ ।

लौगुस वाल् बरि व्छ जरा कदम ठअहरिथ ।।

म्य छम जानकंदी च् दिवान वौडालय ।

क्यहो साल् यहमना बरय मस् प्यालय ।।

५ दप्यामय चे ज्योन तय मरुन क्याजि थोवुथ ।

वोनुथ अपज्यारयो पजर म्शरोवुथ ।।

क्युथू युन त् गछनुय क्याह गव पलालय ।

क्यहो साल् यहमना बरय मस् प्यालय ।।

६ सेंजर छअन्ड-छअन्ड पान् हौल-हौल पकान छुस ।

य् बअलि छुम वहम छुख च् कुस तय ब् छुस कुस ।।

वलिथ पान मलिथ जान रजे पान खालय ।

क्यहो साल् यहमना बरय मस् प्यालय ।।

७ चे वौन्थम रटुन मन, म्य वूजुम खटुन पान ।

रटिथ परद् नेरुन न्वय नूम आसान ॥

रटिथ दम महकम ब् कौरथस वौदालय ।

क्यहो साल् यहमना बरय मस् प्यालय ॥

८ दप्यामय मूरख छुस छुनुम दूर त्रअविथ ।

चे वौन्थम ह्यूहुय छुम सोरुय जान युथ त्युथ ॥

सवालस जवाबा मगर टाल-मटालय ।

क्यहो साल् यहमना बरय मस् प्यालय ॥

९ वनय क्याह यन् आख कन् दूर अलरान ।

तनय छुम म्य बासान म्य ख्वात्र छु जिन्दान ॥

ब् जंदन अन्दर बन्द, चे शाल व दुशालय ।

क्यहो साल् यहमना बरय मस् प्यालय ॥

१० ब् शेरान चे किच जाय च फेरान थअविथ न्याय ।

चटिथ जाम् नेरय रटथ च्य खटिथ माय ॥

ब् पोशन करान सन्ज चे नअल् कल् मालय ।

क्यहो साल् यहमना बरय मस् प्यालय ॥

११ छु चूनुय य् दूरैर मिसाले मरच म्यूठ ।

चे कुन क्याह छु भक्तिस य्नस मँजिलाह ज्यूठ ॥

लोगुम ट्योठ य् नाबद वनि पान जालय ।

क्यहो साल् यहमना बरय मस् प्यालय ॥

बरी कन चे कम् क्याजि रोटतम मलालय ।

क्यहो साल् यहमना बरय मस् प्यालय ॥

म्य छा किंह चें रोसतुय करय तिय प्यालय ॥

क्यहो साल् यहमना बरय मस् प्यालय ॥



लजिम जीर तारन द्युतुम कन शिवोहम ।

जीरोबम साजस हमसू त् सूहम ।।

वनय क्याह ब् क्याह छुस त् क्याह छुम म्य आलम ।

जीरोबम साजस हमसू त् सूहम ।।

१ न छुस कअद बन्दस न मुक्ती सन्योमुत ।

न जॉह मृत्यु लूकुक् ब् वअसी बन्योमुत ।।

तमह जिन्दगी हुन्द न मरनुक म्य छुम गम ।

जीरोबम साजस हमसू त् सूहम ।।

२ न सौरगुअच म्य लालच खतर नरकुकुय कॉह ।

न ज़नम्य म्य हयोत्मुत न ओसुस मोंमुत जॉह ।।

वसुन बोंन छुमा या खसुन ह्योर कुनुय छुम ।

जीरोबम साजस हमसू त् सूहम ।।

३ म्य सअती य् संसार व्यवहार ब् अन्दकुन ।

रलिथ खाक् व बाद आब व आतश छु ब्योन-ब्योन ।।

वजूदय तसुन्द म्यानि ज़ातुक समागम ।

जीरोबम साजस हमसू त् सूहम ।।

४ समन्दर महान कतरये आब बोसुम ।

सु कति छकरनय आम यती विन्य म्य ओसुम ।।

हुशअरी मन्ज़ क्याह य् सोंपना म्य द्यूठुम ।

जीरोबम साजस हमसू त् सूहम ।।

५ छुना सोरुय संसार शमिथ पानस्य मन्ज़ ।

फकीरन त् पीरन हुन्दुय क्याह य्नुक सन्ज़ ।।

हमस सअत ब् हम छुस सुय छुम म्य हमदम ।

जीरोबम साजस हमसू त् सूहम ।।

६ तमीय हमदमय सअत रंगत संसारस ।

मुशुक पोशन्य मन्ज़ रंगत मंज़ बहारस ।।

फलन फूलन रस मिठास्च खबर छम ।

जीरोबम साजस हमसू त् सूहम ।।

७ हरद् वाव् ज़रदी अमा म्यानि सअती ।

सरद शीन नब् ग्रन्य उत्पात कअती ।।



दरद् छुमन् मर मा ज़रुक छुम न् मातम ।  
जीरोबम साज़स हमसू त् सूहम ॥

८ छु परदन अन्दर नौन निराकार आकार ।  
त्रेकुटी त्रैलूकी तमामुक छु व्यवहार ॥

प्रज़लवुन सिरय् जून तारख छि सरखम ।  
जीरोबम साज़स हमसू त् सूहम ॥

९ मलिथ सूर पानस रलिथ खाक्सय सअत ।  
बनिथ जूग् आसन रटिथ तति व्छिम क्अत ॥

गलिथ पानस्य सअत रलिथ गअम हमदम ।  
जीरोबम साज़स हमसू त् सूहम ॥

१० खलाहस अन्दर किछ य् गॅगा छि जअरी ।  
दमाह कर अमा क्या च्छौडान च़ौपअरी ॥

रुमा छुम रुमन मन्ज़ रुमन हुन्द समागम ।  
जीरोबम साज़स हमसू त् सूहम ॥

११ अकेय ज़ेरि करि आसमानन ति टौक्सूर ।  
ज़मीन व ज़मानस ति इशार् गत्-ग्यूर ॥

त्रेशूलुक तच़र डोलकी हुन्द छु डम-डम ।  
जीरोबम साज़स हमसू त् सूहम ॥

१२ नज़र दोल् गर अख त्रेयम् नेत्र सअती ।  
करैम क्याह भस्म नार व्छमित् म्य कअती ॥

फनाह तय फिलाह छुस हनाहू बनून छुम ।  
जीरोबम साज़स हमसू त् सूहम ॥

१३ यछे पछि ब् दिमना अद् दाम सौंदरस ।  
छेवुन नारिजहनम अक्स्य हवावस ॥

य् बेहोश भक्ती ति होशस अनुन छुम ।  
जीरोबम साज़स हमसू त् सूहम ॥

लजिम ज़ीर तारन द्युतुम कन शिवोहम ।

जीरोबम साज़स हमसू त् सूहम ॥

वनय क्याह छुस त् क्याह छुम म्य आलम ।

जीरोबम साज़स हमसू त् सूहम ॥



हा अन्जान पान् करसअ ज्ञानकअरी ।

कमि बाजअरी त्रुवुथ रव ।।

सर कर मरदो दुनियादअरी ।

कमि बाजअरी त्रुवुथ रव ।।

- १ वाद् कौरमुत छी ओम पअर्-पअरी । यौत वअतिथ चे मशरअवुथ पून ।।  
याद कर वाद् छा ब्रम्ह दरबअरी । कमि बाजअरी त्रुवुथ रव ।।  
पून पूर् गव हिसाब छय यादावअरी । जेलखान् मन्ज द्राख ननि वानय ।।  
माजि ज़ाख नौन द्राख बौड बापअरी । कमि बाजअरी त्रुवुथ रव ।।  
कर्मुक छिय सअत बारबरदअरी । मौल छुस वारयाह हेंकि कुस दिथ ।।  
सोरुय सोग कुनुथ क्रथस निहअरी । कमि बाजअरी त्रुवुथ रव ।।  
पौछ चूर अअसी अथ दअर-दअरी । काम, क्रूध, लूभ, मद बेयि अहंकार ।।  
जअगिथ निनय छल कअर-कअरी । कमि बाजअरी त्रुवुथ रव ।।  
धर्मुक यि काठकर गय लुरपअरी । बेचार वलन् आख कअन्डि ज़ालन ।।  
बेसूद फेरान छुव आर्-अअरी । कमि बाजअरी त्रुवुथ रव ।।  
कति बा येति छय मौक्लनच वअरी । मायाज़ाल कति सअ त्रअवी चे ।।  
लौक्चार नीरिथ बुजर्च छ बअरी । कमि बाजअरी त्रुवुथ रव ।।  
फान गछि सअरस्य त् कर खबरदअरी । काल छिय प्रारान अअस वहरिथ ।।  
ओम पअर्-पअर् कर गछन्च तेयअरी । कमि बाजअरी त्रुवुथ रव ।।  
ईश्वर याद थाव वनुस वील् जअरी । लय थाव तस सअत बन च अमर ।।  
युस करि हर-हर कालस सु मअरी । कमि बाजअरी त्रुवुथ रव ।।  
येति रूजि-रूजि तोत गछन सअरी । छुन् यति रोजुन कअन्सि जीवस ।।  
रोजि बस ईश्वर लगहस पअरी । कमि बाजअरी त्रुवुथ रव ।।  
ईच कवो भक्त्यो तुजम्च छय खअरी । वुन्यि कर कल वथ रोज तेयार ।।  
सत्चय वति नेर सुय करी यअरी । कमि बाजअरी त्रुवुथ रव ।।

हा अन्जान पान् करसअ ज्ञानकअरी ।

कमि बाजअरी त्रुवुथ रव ।।

सर कर मरदो दुनियादअरी ।

कमि बाजअरी त्रुवुथ रव ।।





- १ वज्रान छम तार भक्ती हन्ज छि म्यअनिस साजस्य अन्दर ।  
म्य छाँडुन हयौत सु श्री भगवान वुछुम सुय हर शये अन्दर ॥
- २ मदद कर नाउमीदन वुछमख च्य मददतस अन्दर ।  
च दिलकिस लालजारस मन्ज बिहित प्रथ हृदयस अन्दर ॥
- ३ फौलान गुल चानि सअती सब्ज सबजारनई अन्दर ।  
जवानन मस्त दिलन भक्त्येन त् सादन मुफलिसन अन्दर ।
- ४ छि प्रजलान आसमान्च जून च वुछमख तारकन अन्दर ॥  
य्वान खुशबू य् पोशन चानि सअती च्य गुलन अन्दर ।
- ५ गाहे नग्म् करान छुख मसतियाह तूफानस्य अन्दर ॥  
गाहे प्रेयमुक च्य मौय चावान बिहित छुख वुजमलन अन्दर ।
- ६ तरन्नुम सोरुय चूनुई छु यिमन जानावरन अन्दर ॥  
करान गूविन्दगू कुकिला च् बोलान बुलबुलन अन्दर ।
- ७ करान सअरी तौता चअनी तरंग चअनी दिलन अन्दर ॥  
य्वान म्य ओंश छु चाने प्रेम् सअती चश्मन अन्दर ।
- ८ म्य हावतम सतची वथ पान् वुछमख रहबरन अन्दर ॥  
दितम पौज ज्ञान ही भगवान छाँढत सतगौरन अन्दर ।
- ९ ब् छुस मुफलिस च पानय अथरौट कर सख्तियन अन्दर ॥  
करिथ क्या हेंक् तौता चअनी म्य बासतम प्रथ लये अन्दर ।
- १० सफर कूठ थोवमुत छिय ज़िन्दगी हुन्द ज़िन्दगी अन्दर ॥  
सुबह शाम दोह त् रात गन्जरुन म्य क्याह छुम यिम क्षणन अन्दर ।
- ११ छु आसन भक्ती थोवमुत सजअविथ हृदयस अन्दर ॥  
बेहँखना पान् तथ प्येठ ही राम् कीचन दोहन अन्दर ॥





फान गछि सअरस्य वार् याद थाव,  
बअजी छु संसार सौर राम् नाव ।  
तस तूरि गछनुय युस योत आव,  
बअजी छु संसार सौर राम् नाव ।।

- |    |  |  |
|----|--|--|
| १  | नय दरबार शअही पायदार ।<br>नाशवान शरीरस मो कर ब्राव ।                 | नय रोजि यावुन त् नय लोक्चार ।।<br>बअजी छु संसार सौर राम् नाव ।।      |
| २  | पथ कुन लछि बअद् थअद् ज्ञानवान ।<br>पान् अवतार दअर्-दअर् युस आव ।     | मोक्ल्याय रूद कति तिहुन्द निशान ।।<br>बअजी छु संसार सौर राम् नाव ।।  |
| ३  | अन्-जल ची छा कअन्सि खबर ।<br>अमि ब्रूठ गछनुक सामान प्राव ।           | वअर् चिेत् अअसी वार् होश कर ।।<br>बअजी छु संसार सौर राम् नाव ।।      |
| ४  | रोजि येति देवान्खान् डालान ।<br>जर जवाहर मसअ सौभरिथ थाव ।            | मेज्, कुर्सी कअमती सामान ।।<br>बअजी छु संसार सौर राम् नाव ।।         |
| ५  | कुन जौन तोर् आख, कुन चय गछख ।<br>छुय न् सुति चून युस चय निश जाव ।    | परिवार क्याह करी, क्याह तिमन करख ।।<br>बअजी छु संसार सौर राम् नाव ।। |
| ६  | क्याह करान पलाल् छुख यथ शरीरस ।<br>अथ् रोट क्याह करी मस्ती भाव ।     | नाशवान लअरिथ छिय आत्मस ।।<br>बअजी छु संसार सौर राम् नाव ।।           |
| ७  | मोल-मअज् बअय्-बन्द बेयि परिवार ।<br>यअरी कुस करी कस छु चून चाव ।     | सअरी प्अनि-पानस छि जिमवार ।।<br>बअजी छु संसार सौर राम् नाव ।।        |
| ८  | मोह नैन्दरे क्याजि छुख होश कर ।<br>प्रथ जायि देशख केवल नाव ।         | चौन तरफन बौन् हयोर कर नजर ।।<br>बअजी छु संसार सौर राम् नाव ।।        |
| ९  | राम् नाव् रोस्त छु न कौह सअथी ।<br>चीर् थपि तस मसअ दामान् त्राव ।    | लय थाव तस सअत् गछख हअथी ।।<br>बअजी छु संसार सौर राम् नाव ।।          |
| १० | शौद्ध मन् वनि दिथ वार् छांडुन ।<br>शौद्ध ज्ञान प्राव मायाजाल त्राव । | मन् तारि राम् नावस च द्व्यू वौन ।।<br>बअजी छु संसार सौर राम् नाव ।।  |
| ११ | भक्त्यो छय अप्ज रिश्तदअरी ।<br>सौर राम्-रामय मूक्षदाम प्राव ।        | यति नो रोजि कौह गछन सअरी ।।<br>बअजी छु संसार सौर राम् नाव ।।         |

फान गछि सअरस्य वार् याद थाव,  
बअजी छु संसार सौर राम् नाव ।  
तस तूरि गछनुय युस यति आव,  
बअजी छु संसार सौर राम् नाव ।।



यि ब्रम्ह काया छि जड़ चेतन ।

सु आत्म छोंडतन दरमन ॥

तसन्ज माया छि त्रैन भवनन ।

सु आत्म छोंडतन दरमन ॥

- |   |                                  |                               |
|---|----------------------------------|-------------------------------|
| १ | अहं त्राव याद थाव सूहम ।         | अहं भाव दूर त्रअविथ शम ॥      |
|   | गुप्त हमदम च् सन्यरस सन ।        | सु आत्म छोंडतन दरमन ॥         |
| २ | निराकारई बनिथ आकार ।             | अके ज्योति स्वरूपक सार ॥      |
|   | कुनुय व्यापक छु लछबदयेन ।        | सु आत्म छोंडतन दरमन ॥         |
| ३ | सु येमि प्रोव ज्ञान् दष्टि सतत । | मुचरि बर मूक्षदामिक क्तत ॥    |
|   | गोणव सअती डल्या तस मन ।          | सु आत्म छोंडतन दरमन ॥         |
| ४ | छि लगमित बअजगअरी मन्ज ।          | द्वयेथ भावुक छु नअली क्रन्ज ॥ |
|   | द्वयेथ त्रअविथ कुनुय वुछहन ।     | सु आत्म छोंडतन दरमन ॥         |
| ५ | पनुन नो कौह वुछुम नैबर ।         | न अन्दर रिश्त जोडुक तर ॥      |
|   | खबर थाव सूहमस दिजि कन ।          | सु आत्म छोंडतन दरमन ॥         |
| ६ | सरुराह आनन्दुक प्रावख ।          | च् जंजाले समय त्रावख ॥        |
|   | च् साजस मन्ज अलग मगन             | सु आत्म छोंडतन दरमन ॥         |
| ७ | य् काया काठकर जअलिथ ।            | स्वरूपा ज्योति कुन खअलिथ ॥    |
|   | करिथ भक्ती अमिच मिलवन ।          | सु आत्म छोंडतन दरमन ॥         |

यि ब्रहन काया छि जड़ चेतन ।

सु आत्म छोंडतन दरमन ॥

तसन्ज माया छि त्रैन भोवनन ।

सु आत्म छोंडतन दरमन ॥





ओंमकार आकार परजूनोवमये ।

दये छुम दरमन ॥

सु आकार अद् कति कालुन भये ।

दये छुम दरमन ॥

- |    |  |                                |
|----|--|--------------------------------|
| १  | दौन मन्ज ब्योन कर दोगन्यारये ।         | द्वयेथ त्राव हन-हन ॥           |
|    | दौशविन्य मन्ज छिय कुनिरुक पये ।        | दये छुम दरमन ॥                 |
| २  | त्रे कारण आकार निराकारये ।             | निर्गण तय त्रेगौण ॥            |
|    | त्रेजगत आसन बनोवमये ।                  | दये छुम दरमन ॥                 |
| ३  | चोर वीद प्अर-प्अर परापरिये ।           | परापर छु नारायण ॥              |
|    | चतुर्बज आकारस स्रत लये ।               | दये छुम दरमन ॥                 |
| ४  | पौच तत्त्व चअरिथ कथ कुन गये ।          | हयेथ पौचन प्राणन               |
|    | पौचवय तत्त्व त् प्राण यति वुछमये ।     | दये छुम दरमन ॥                 |
| ५  | तमि पत् क्याह ग्रन्द श्येन तान्य छये । | शहराह वुछुम शूबान ॥            |
|    | वोतुस कथ शाय् त् कथ नये ।              | दये छुम दरमन ॥                 |
| ६  | सत् विचार स्रत सत् वोन्मये ।           | सत् स्रती प्रावहन ॥            |
|    | सत बोज सत छिय परामये ।                 | दये छुम दरमन ॥                 |
| ७  | अअठिम् जूनि हुन्द गाह येलि पेये ।      | शीतल सपदयेम मन ॥               |
|    | टिर्कर् तय तुलमुलि पानय छुये ।         | दये छुम दरमन ॥                 |
| ८  | ग्रहचार नंव ग्रह आय तय गये ।           | जय प्राव भय सावुन ॥            |
|    | त्रोपराव नंव दारि अद् क्युथ भये ।      | दये छुम दरमन ॥                 |
| ९  | दह देश दशहार द्वारिकायि गये ।          | म्ये निश पतो मोहन ॥            |
|    | दाहदारन क्याह-क्याह कोरनये ।           | दये छुम दरमन ॥                 |
| १० | कअश फल्हार थालन बौरमये ।               | प्याल् स्रत-स्रत ब्योन-ब्योन ॥ |
|    | हेंस रोस्त मस चोन बस कौरमये ।          | दये छुम दरमन ॥                 |
| ११ | बाहन लग्नन अनवार छये ।                 | बाह राशि अख अर्किस कुन ॥       |
|    | बाहन त् त्रोवहन क्याह निर्णय ।         | दये छुम दरमन ॥                 |
| १२ | यति नेर तौत वात यछ पछ छये ।            | ह्योर बोन अथ मसअ सन ॥          |
|    | बहि व्हिर बअश दोह परजूनोवमये ।         | दये छुम दरमन ॥                 |



- १३ प्रअर प्रअर चोदअहिम जून बर् गये । अअस प्रारान कस सन ।।  
 कस पत् कुस आव कस सअत् गये । दये छुम दरमन ।।  
 १४ भक्ती पुनिम दोह बर थअवनये । पअरोवुन आसन ।।  
 तति युस बिराजमान तस जय-जये । दये छुम दरमन ।।  
 ओमकार आकार परज्जुनोवमये ।  
 दये छुम दरमन ।।  
 सु आकार अद् कति कालुन भये ।  
 दये छुम दरमन ।।



❀ २९ ❀

- १ भाव पम्पोश शेरी लागय सअरी दौख त् दअद् कासतम ।  
 मन त् प्राण कर् चैय ब अपर्ण च्य मनुक मोहन छुहम ।।  
 २ लोल् सअती पोश् फअत् छिम थअवमित पूजायि किच ।  
 यन् बूजुम मथराय् मन्ज छु हयोतमुत त्अम जन्म ।।  
 ३ छुम मनस मन्ज सुय म्य रौटमुत थफ छूनस ननिवान् ब् ।  
 किह वनअनी छिम म्य पागल किह हसअ पामय दिनम ।।  
 ४ क्याह सु डेशन ना यतीनस वात् कौत् बिन्दराबनस ।  
 पान् यती मस् कुय रस लोल् सअती चावतम ।।  
 ५ माय् चाने नेर् राधा वरन लअगिथ मोहनो ।  
 चानि बापथ शाम् सुन्दरो दारि दारे ओंश वस्यम ।।  
 ६ रास खेलान गूपियन सअती चे कौरमुत अथवास ।  
 सीन्चय यिम् दारि मुचरिथ हावहय कतिनस छुहम ।।  
 ७ ध्यान सअरी दिवताह चून्य करान गूर् शु्रि बनिथ ।  
 क्याह गछी कम ध्यानस्य मन्ज पान् चय दर्शुन दिहम ।।  
 ८ चअन लीला भक्ती मन् किन प्रान छी रोज व शब ।  
 थफ करिथ छुस पादन्य चानय्न् ब् त्रअविथ सअरि गम ।।



- १३ प्रअर प्रअर चोदअहिम जून बर् गये । अअस प्रारान कस सन ॥  
 कस पत् कुस आव कस सअत् गये । दये छुम दरमन ॥
- १४ भक्ती पुनिम दोह बर थअवनये । पअरोवुन आसन ॥  
 तति युस बिराजमान तस जय-जये । दये छुम दरमन ॥
- ओंमकार आकार परज्जुनोवमये ।  
 दये छुम दरमन ॥
- सु आकार अद् कति कालुन भये ।  
 दये छुम दरमन ॥



❀ २९ ❀

- १ भाव पम्पोश शेरि लागय सअरी दौख त् दअद् कासतम ।  
 मन त् प्राण कर् चैय ब अपर्ण चूय मनुक मोहन छुहम ॥
- २ लोल् सअती पोश् फअत् छिम थअवमित पूजायि किच ।  
 यन् बूजुम मथराय् मन्ज छु हयोतमुत त्अम जन्म ॥
- ३ छुम मनस मन्ज सुय म्य रौटमुत थफ छूनस ननिवान् ब् ।  
 किह वनअनी छिम म्य पागल किह हसअ पामय दिनम ॥
- ४ क्याह सु डेशन ना यतीनस वात् कौत् बिन्दराबनस ।  
 पान् यती मस् कुय रस लोल् सअती चावतम ॥
- ५ माय् चाने नेर् राधा वरन लअगिथ मोहनो ।  
 चानि बापथ शाम् सुन्दरो दारि दारे ओंश वस्यम ॥
- ६ रास खेलान गूपियन सअती चे कौरमुत अथवास ।  
 सीन्चय यिम् दारि मुचरिथ हावहय कतिनस छुहम ॥
- ७ ध्यान सअरी दिवताह चून्य करान गूर् शु्रि बनिथ ।  
 क्याह गछी कम ध्यानस्य मन्ज पान् चय दर्शुन दिहम ॥
- ८ चअन लीला भक्ती मन् किन प्रान छी रोज व शब ।  
 थफ करिथ छुस पादन्य चानय्न् ब् त्रअविथ सअरि गम ॥



- १ कवो दूर छुस चानि दरबार् यारो,  
म्य हरदनि वाव् गूम वथ वार् यारो ।
- २ म्य छर्येन् यार यन् गूम तन् चाम जौजिर्यार,  
य् वौल्बोर छुमं पाप् अम्बार यारो ।
- ३ नेह गटि छटि छाया खटि क्याह म्यअनि माय,  
नटि नाव चानि मूह शहमार यारो ।
- ४ ज्योति कर गत्गूर लअगिथ पौपूर,  
दअज-दअज गूम सूर तुल् नार यारो ।
- ५ कोरुम सर पनुन पान रौटुम वन्दि म्य जानान,  
मरिथ छुस गछान जिन्द दुबार् यारो ।
- ६ सफर ज्यूठ वारा छु मन्जिल स्यठाह कूठ,  
य् दम त्रअविथई प्राव् शेहजार यारो ।
- ७ य्वान छम मय दीवानगी छम निवान होश,  
य् छुम बोश चूनुय म्य गमखार यारो ।
- ८ गौफन मन्ज म्य छून्डुम सु गारन नयन मन्ज,  
पतो म्य निशे सौरुय संसार यारो ।
- ९ य् शअदी त् गम क्याह य् सौरुय सितम क्याह,  
य् मातम कम्युक छुम कम्युक बार यारो ।
- १० सौखस तय दौखस क्याह म्य बोसैम तफावत,  
मौखस छुम फक्त चूनुय वील् जार यारो ।
- ११ पनुन पान मनुष्य जअचनई सअत गन्जरुम,  
अपुज गूम सत्तिक जीव बेशुमार यारो ।
- १२ वुछुम वौलमुतुय आत्मन जाम् कन्डन्य,  
अडिजि क्रन्ज पौतुस वुछ म्य बेकरार यारो ।
- १३ शहस जाय वसनस त् खसनस व्यचोरुम,  
बसन जाय कायाय लुर् पार् यारो ।
- १४ सजा छा य् भक्तिस नून्यैर वन्नस्य प्येठ,  
सन्यैर सर करुन तस छु लाचार यारो ।





- १ कवो दूर छुस चानि दरबारु यारो,  
म्य हरदनि वाव् गूम वथ वार् यारो ।
- २ म्य छयेंन् यार यन् गूम तन् चाम जोजिर्यार,  
य् वोल्लबोर छुम पाप् अम्बार यारो ।
- ३ नेह गटि छटि छाया खटि क्याह म्यअनि माय,  
नटि नाव चानि मूह शहमार यारो ।
- ४ ज्योति कर गत्गूर लअगिथ पौपूर,  
दअज-दअज गूम सूर तुल् नार यारो ।
- ५ कोरुम सर पनुन पान रोटुम वन्दि म्य जानान,  
मरिथ छुस गछान ज़िन्द दुबारु यारो ।
- ६ सफर ज्यूठ वारा छु मन्जिल स्यठाह कूठ,  
य् दम त्रअविथई प्राव् शेहजार यारो ।
- ७ य्वान छम मय दीवानगी छम निवान होश,  
य् छुम बोश चूनुय म्य गमखार यारो ।
- ८ गौफन मन्ज म्य छून्डुम सु गारन नयन मन्ज,  
पतो म्य निशे सोरुय संसार यारो ।
- ९ य् शअदी त् गम क्याह य् सोरुय सितम क्याह,  
य् मातम कम्युक छुम कम्युक बार यारो ।
- १० सौखस तय दौखस क्याह म्य बोसैम तफावत,  
मौखस छुम फक्त चूनुय वील् ज़ार यारो ।
- ११ पनुन पान मनुष्य ज़अचनई सअत गन्जरुम,  
अपुज गूम सत्तिक जीव बेशुमार यारो ।
- १२ वुछुम वोल्लमुतुय आत्मन जाम् कन्डन्य,  
अडिजि व्रन्ज पौतुस वुछ म्य बेकरार यारो ।
- १३ शहस जाय वसनस त् खसनस व्यचोरुम,  
बसन जाय कायाय लुर् पार् यारो ।
- १४ सज़ा छा य् भक्तिस नन्यैर वन्नस्य प्येठ,  
सन्यैर सर करुन तस छु लाचार यारो ।



तुल कदम सत्कुय राह मुकामस ।

कल कर मुक्षदाम थानस कुन ॥

खास व आम त्राव हाव पन्नि स पॉनस ।

कल कर मूक्षदाम थानस कुन ॥

- १ ज्ञान प्रकाश हयेथ नेर मअदानस । दित् तस जानि जानानस वॉन ॥  
मयखान मस च्यतो माशोक् वानस । कल कर मूक्षदाम थानस कुन ॥
- २ वाव्च् तीजी सत्त सामानस । त्राव सअ गन्जरुन रात तय दिन ॥  
सथ थाव वातख अद् लामकानस । कल कर मूक्षदाम थानस कुन ॥
- ३ गाश ज़ाल मनकिस रोशनदानस । गाश रस्त्येन हुन्द रहबर बन ॥  
तार् थाव चअरिथ साज व सामानस । कल कर मूक्षदाम थानस कुन ॥
- ४ नक्श व निगार कअरमित् जिन्दानस । गाश् दार लअगिथ मसअ लाग ऑन ॥  
पाश्-पाश् कर मूह किस जेलखानस । कल कर मूक्षदाम थानस कुन ॥
- ५ नज़रे परज़नाव मन्ज़ बियाबानस । या गोश् निशीन गुलज़ारन ॥  
ननिवान् चूरि बासान गअरज़ानस । कल कर मूक्षदाम थानस कुन ॥
- ६ बद् क्याह मान करि सत्त नेकनामस । बोये गुल छा इवान खारन ॥  
रबि छिकि क्याह सअ गछि आसमानस । कल कर मूक्षदाम थानस कुन ॥
- ७ भक्त्यो क्याह बकार छिय नेर पानस । माया सागर छिय सनि खोत् सॉन ॥  
तार छॉन्ड प्रार मो लूभ किस दहानस । कल कर मूक्षदाम थानस कुन ॥

तुल कदम सत्कुय राह मुकामस ।

कल कर मुक्षदाम थानस कुन ॥

खास व आम त्राव हाव पन्नि स पॉनस ।

कल कर मूक्षदाम थानस कुन ॥





मन् जीरो बम वन्य द्वियू बाल्यारस ।

कर ब्रम्ह दारस सूहम सअल ।।

ओंमकुय शब्दाह सत्त जारपारस ।

कर ब्रम्ह दारस सूहम सअल ।।

- |    |  |                                  |
|----|--|----------------------------------|
| १  | आदि दीव छोंडिनि नेर बाजारस ।           | गणपतयारस म्य लोंबमय पय ।।        |
|    | डीडवान बिराजमान शिव शहारस ।            | कर ब्रम्ह दारस सूहम सअल ।।       |
| २  | द्वोंय दोह ब् दीवान् द्रास मेल् यारस । | दिहि किस नारस छ् दोंन सत्त लय ।। |
|    | दोंवन्य कुन कर बेह शेहजारस ।           | कर ब्रम्ह दारस सूहम सअल ।।       |
| ३  | त्रेय दोह पूज कर त्रेनेथ् दारस ।       | त्रैमुखी गंगाय् पान नावय ।।      |
|    | त्रेय गोंण मन नाव वातख सारस ।          | कर ब्रम्ह दारस सूहम सअल ।।       |
| ४  | चतुर्बज बिराजमान ब्रम्ह संसारस ।       | चोंनवन्य दिशायन छि चअनी प्रय ।।  |
|    | चोर वीद पर सअर कर ओंमकारस ।            | कर ब्रम्ह दारस सूहम सअल ।।       |
| ५  | पोंछ तत्व त्रेगेंनाव बाव् निराकारस ।   | पोंचन प्राणन मन्ज रटुन दय ।।     |
|    | काम, क्रूध, लूभ, मूह, मद् छुन नारस ।   | कर ब्रम्ह दारस सूहम सअल ।।       |
| ६  | शेंयम छय शीतल पर उपकारस ।              | बारमबार शिवनाथस जय ।।            |
|    | श्रदायि हन्दि पोश छोंड गुलजारस ।       | कर ब्रम्ह दारस सूहम सअल ।।       |
| ७  | सत् के मार्ग वातक शहारस ।              | दूर गछि नजदीक सत् स्वभावय ।।     |
|    | सत्य नारायण वरि सत व्यचारस ।           | कर ब्रम्ह दारस सूहम सअल ।।       |
| ८  | अंअठम दोह गछ दीवी दारस ।               | अष्टबोंज शक्ती कअसी भय ।।        |
|    | जय-जय गुल्य गण्डित शेर सवारस ।         | कर ब्रम्ह दारस सूहम सअल ।।       |
| ९  | नंव द्वार त्रोंपेरुन पजि दिह दारस ।    | नंव डल् पम्पोश शेरून हृदय ।।     |
|    | नंवि हेरि नंवि पावि खस निराकारस ।      | कर ब्रम्ह दारस सूहम सअल ।।       |
| १० | य् दहम दाह छुम छुस आजारस ।             | दयायि चानि गछि पापन क्षेय ।।     |
|    | दिह क्याह लवि निश धन् शहमारस ।         | कर ब्रम्ह दारस सूहम सअल ।।       |
| ११ | कअश हुन्द व्रत दर प्रार फल आहारस ।     | स्वर्ग लूकस हसअ छि यहअय पय ।।    |
|    | कअश व्रत फल प्राव खस स्वर्ग दारस ।     | कर ब्रम्ह दारस सूहम सअल ।।       |
| १२ | बहन व्हरियन बाल्पन किस कारस ।          | बहि पत् बअड जिमवअरी छय ।।        |
|    | बाल्यार सत्त-सत्त छिय लोंक्चारस ।      | कर ब्रम्ह दारस सूहम सअल ।।       |
| १३ | त्रोंव्श दोह शिवनाथ फेरि शहारस ।       | ओंमाय् सत्त नेरि केलासय ।।       |
|    | शिन्याहस शबनम फेरि सब्जारस ।           | कर ब्रम्ह दारस सूहम सअल ।।       |



- १४ चौंदिश दोह आरती कर सरकारस । तस सरदारस लागि ना पय ।।  
 मोंक्लाव लागतम मत् व्यवहारस । कर ब्रम्ह दारस सूहम सअल ।।  
 १५ पुनिम दोह दर्शुन दित् बेमारस । अथस क्यथ भक्तिस छि पोशमालय ।।  
 पुनिम तय मावसि नअल त्राव यारस । कर ब्रम्ह दारस सूहम सअल ।।

मन् जीरो बम व्न्य द्वियू बाल्यारस ।  
 कर ब्रम्ह दारस सूहम सअल ।।  
 ओमकुय शब्दाह सअत जारपारस ।  
 कर ब्रम्ह दारस सूहम सअल ।।



❀ ३३ ❀

कन थाव मन् किस जीरोबमस्य,  
 दम-दम दमस्य हमसस जाग ।  
 व्न्य द्वियू स्न्य वोंगअन दिह नावि नमस्य,  
 दम-दम दमस्य हमसस जाग ।।

- १ दूररुकि बहान् चूरि तस कुन नमस्य, दूरिरुक अद् नसअ रोज्येम दाग ।  
 मूरि हन्ज थर्-थर् छन् निश ओमस्य, दम-दम दमस्य हमसस जाग ।।  
 २ सुयये सुय वुछुम मन्ज सूहमस्य, सूहम त् हमसू छुम वजान राग ।  
 जीरोबम सअत मन् किस मदहमस्य, दम-दम दमस्य हमसस जाग ।।  
 ३ परिथ्य बहस क्याह ज्यादस त् कमस्य, सौरि सौरि समन्दर सर या नाग ।  
 कअरिथय क्याह करुथ रूदुख ब्रमस्य, दम-दम दमस्य हमसस जाग ।।  
 ४ रिन्द छुख जिन्द मर मसअ रोज गमस्य, ज्योन मरुन म्शराव कर्मफल त्याग ।  
 त्राव अपरा, परा लार करि यमस्य, दम-दम दमस्य हमसस जाग ।।  
 ५ अन्दरिमि मन्दर भक्ती छु दमस्य, मन के हमसुक सनिथ वअराग ।  
 सँन्यरस मन्ज ब्रम्ह किस चम्खमस्य, दम-दम दमस्य हमसस जाग ।।

कन थाव मन् किस जीरोबमस्य,  
 दम-दम दमस्य हमसस जाग ।  
 व्न्य द्वियू स्न्य वोंगअन दिह नावि नमस्य,  
 दम-दम दमस्य हमसस जाग ।।



वेरि चाने छसय बेताबो लो,  
वील् ज़ारस दित् जवाबो लो ।  
बोज़ पानय लुब लुबाबो लो,  
वील् ज़ारस दित् जवाबो लो ।।

- |   |   |  |
|---|---|--|
| १ | छुमन् चेय रोस्त करार गरि सातस,<br>लौलि ललवथ गुलि आफताबो लो,     | छुस ब् गन्ज़रान तारख रअत् रातस ।<br>वील् ज़ारस दित् जवाबो लो ।।  |
| २ | गुम् शेहलाव ठहराव साथ़ा कर,<br>अद् अन्दरिम चलि हुबाबो लो,       | पोश छावान रोश्-रोश् बाथा कर ।<br>वील् ज़ारस दित् जवाबो लो ।।     |
| ३ | वार् वारय शिनम्अन गअजथस बो,<br>आर व इनसाफ छिय न नवाबो लो,       | यीर् आरन त् जोयन वअजथस बो ।<br>वील् ज़ारस दित् जवाबो लो ।।       |
| ४ | रौन्धि लअगिथ पअरिथ कमि हालय,<br>लाग अतलास छाव कमि खाबो लो,      | चूनि लअगिथ सोन् सअन्ज़ तनि मालय ।<br>वील् ज़ारस दित् जवाबो लो ।। |
| ५ | वअज करम्च थअवनम निशानय,<br>छौपि चोलहम लालसीमाभो लो,             | थपि न्यूनम अथ् मन्ज़ दामानय ।<br>वील् ज़ारस दित् जवाबो लो ।।     |
| ६ | खत् व खालन चअनी तंबलअवनस,<br>रावरोवथम आराम व खाबो लो,           | ब्रमरअवनस बेयि हसअ मचरअवनस ।<br>वील् ज़ारस दित् जवाबो लो ।।      |
| ७ | चूनुय म्य यन् प्येठ् उलफ्त गव,<br>शुरि पानस करत् हिजाबो लो,     | दूरि दूरे मूरि नार चालुन प्यौव ।<br>वील् ज़ारस दित् जवाबो लो ।।  |
| ८ | चौलुख त्रअविथ सामान् सिंगारय,<br>छुन् रूदमुत भक्तिस ति ताबो लो, | कम्युव तअवीज़ करिनय दिलदारय ।<br>वील् ज़ारस दित् जवाबो लो ।।     |

वेरि चाने छसय बेताबो लो,  
वील् ज़ारस दित् जवाबो लो ।  
बोज़ पानय लुब लुबाबो लो,  
वील् ज़ारस दित् जवाबो लो ।।



स्वामी लाल जी बावय हाल,  
प्रारान वोतुम यचकाल ।  
बेयि तोहि कन थअव्यूम नन्दलाल,  
प्रारान वोतुम यचकाल ।।

- |   |  |  |
|---|--|--|
| १ | लाल जी ब् च़ेय निश आस नैती,<br>टोठतम ब् गोमुत छुस पामाल,   | यौत आस करनि चअनि अस्तुति ।<br>प्रारान वोतुम यचकाल ।।       |
| २ | गणीश बल वअतिथ ब् पूज़ा करय,<br>हान कासतम गणीश् गणपत लाल,   | शेंद्व मन चूनुय ध्यान धरय ।<br>प्रारान वोतुम यचकाल ।।      |
| ३ | वनतम ब् कति च़ेय प्रारयो,<br>यस चअनि कल तस क्याह करि काल,  | नत् च़ेय पत्-पत् लारयो ।<br>प्रारान वोतुम यचकाल ।।         |
| ४ | सथ म्य चअनी स्वामी जी छम,<br>बब-मअज लागुम छुस नवनिहाल,     | दया म्य करतम क्याह गछी कम ।<br>प्रारान वोतुम यचकाल ।।      |
| ५ | दूर प्योमुत छुस अज्ञानी,<br>वास दिम पादन तल नन्दलाल,       | वथ मय हावतम त् कास हअनी ।<br>प्रारान वोतुम यचकाल ।।        |
| ६ | दूरि आस ननवोरुय लारान,<br>भक्ती सूअत करुम मालामाल,         | टिकर् मअज दीवी छुसय प्रारान ।<br>प्रारान वोतुम यचकाल ।।    |
| ७ | नादन म्य तुलमुलि थावतम कन,<br>बेयि क्याह वनय छुम इतुय माल, | तति जुव जान च़ेय करय अर्पण ।<br>प्रारान वोतुम यचकाल ।।     |
| ८ | बेकस य् भक्ती आमुत शरण,<br>यन् वलि अमिस्य मायाज़ाल,        | पज़ि लोल् च़ेय छुस प्योमुत परन ।<br>प्रारान वोतुम यचकाल ।। |

स्वामी लाल जी बावय हाल,  
प्रारान वोतुम यचकाल ।  
बेयि तोहि कन थअव्यूम नन्दलाल,  
प्रारान वोतुम यचकाल ।।





पार ब्रम्ह च्य हे परमीश्वर,  
जगत पिता च्ई हे जगदीश्वर ।  
च सारनिय हुन्द छुख दातार,  
पअपी छुस करतम उधार ।।

- |   |   |   |
|---|---|---|
| १ | च्य पूरन परमात्म स्वामी,<br>छुस मूरख च्य बख्खानहार,           | च्य सारन्य हुन्द अन्तरयामी ।<br>पअपी छुस करतम उधार ।। |
| २ | कअमी, कूधी, बद किरदार,<br>आमुत छुस चूनुय दरबार,               | मन्दमती बेय् अवगुण हार ।<br>पअपी छुस करतम उधार ।।     |
| ३ | च्य छुख भक्त्येन हुन्द रक्षपाल,<br>च्य छुख सून्य पालनहार,     | दीनानाथ च्य छुख दयाल ।<br>पअपी छुस करतम उधार ।।       |
| ४ | माया बे अन्त छय चअनी,<br>महिमा चअनी अपरम्पार,                 | साद सन्त् भेद छन् प्रावअनी ।<br>पअपी छुस करतम उधार ।। |
| ५ | प्रेयम रोस्त कति वजि भगवत साज,<br>सोरुय ज्ञानान छुख संसार,    | चाने प्रेयमुक छिय असि नाज ।<br>पअपी छुस करतम उधार ।।  |
| ६ | च्य छुख पूरन परमानन्द,<br>सोरुय छी चूनुय व्यस्तार             | सअनिस हृदयस मंज छुख बंद ।<br>पअपी छुस करतम उधार ।।    |
| ७ | चूनुय भक्ती छु द्वारिकानाथ,<br>परशोतम च्य प्राण आधार,         | च्य कीवल छुख हे रघुनाथ ।<br>पअपी छुस करतम उधार ।।     |
| ८ | हर्-हर्-हर् युस करि कीर्तन,<br>स्वर्ग दार बनि तमिसुन्द घरबार, | दौख चलनस शौद्ध सपदेस मन ।<br>पअपी छुस करतम उधार ।।    |
| ९ | आवलोनस्य मन्ज छुस प्योमुत,<br>कर अमिस्य भवसागर पार,           | यिरवन्य नावि भक्ती गोमुत ।<br>पअपी छुस करतम उधार ।।   |

पार ब्रम्ह च्य हे परमीश्वर,  
जगत पिता च्ई हे जगदीश्वर ।  
च सारनिय हुन्द छुख दातार,  
पअपी छुस करतम उधार ।।



- १ . दौख के सागर गीर् गोमुत छुस, द्युतनम भगवानन नावि तार ।  
टोठ्योम परमेश्वर उपकअरी, दौखन्य सानेन करि उधार ।।
- २ दौख कुय परबत ओसुम कलस प्येठ, सौख सोख्य ओसुम रोवमुत ।  
कअस्मत फीरिथ गोमुत ओसुम, बेय् नसीबाह गूम बेदार ।।
- ३ यी बूजुम किहं अअस्म न आशा, प्रथ तरफ् अअस्म निराशा ।  
दिलची युस अभिलाषा अअस्म, करतम दया यछा अनुसार ।।
- ४ दिलकुय संकट सोख्य हौरथम, छेत् गोमुत मन तीज बौरथम ।  
मस्त गोमुत छुस आनन्द सअती, वौजार् घर कोरथम गुलजार ।।
- ५ दीन भक्ती छी दीन दयालू, धन-धन च़ेय ही सौख दाता ।  
धन-धन बौयनय आनन्द दाता, दूर सोख्य कौरथम आजार ।।



मअज अस्य आमित छीय ज़ारपारस,  
ट्कर् दीवी बल दरबारस ।  
माजि शारिकायि तुलमुलि प्रारस,  
ट्कर् दीवी बल दरबारस ।।

- १ ही मअज दीवी बोज़तम ज़ार,  
कन थाव म्यअनिस वील्ज़ारस,  
दूरि आस च़ेय निश इयनय आर ।  
ट्कर् दीवी बल दरबारस ।।
- २ च़्य मअज दीवी दौख कासान,  
गुलजार करतम मन्ज़ नारस,  
दोद कास्तम करतम आसान ।  
ट्कर् दीवी बल दरबारस ।।
- ३ च़ेय रोस्त मअजी कस वन् हाल,  
दित् छयेन मूह माया ज़ालस,  
नअल गोमुत छुम मायाज़ाल ।  
ट्कर् दीवी बल दरबारस ।।
- ४ मार गोमुत छुस च़ार् कर म्योन,  
बार वाल छुस मन्ज़ आजारस,  
पार छिम् गअम्त वुछत् हाल सून ।  
ट्कर् दीवी बल दरबारस ।।

- ५ कस वन् च़ेय रोस्त कुस बोज़्येम, कास्तम सख्ती आश चअन छम ।  
 आस मअज च़ेय निश ज़ार् पारस, ट्कर् दीवी बल दरबारस ।।
- ६ शेरस खसित छख फ़ेरान च़ोपअरी, कोह तय बअली आर् अअरी ।  
 चूनुय राज छु मन्ज समसारस, ट्कर् दीवी बल दरबारस ।।
- ७ मूढ छुस अज्ञान छुमन् किह ज्ञान, ही मअज दीवी दिम म्य पअरज़ान ।  
 हाव सत्ची वथ म्य बेकारस, ट्कर् दीवी बल दरबारस ।।
- ८ मअज च़ेय निश आस ननवोरुय, छुमन् किह पनुन चोनुय छु सोरुय ।  
 थावतन य् भक्ती शेहजारस, ट्कर् दीवी बल दरबारस ।।

मअज अस्य आमित छीय ज़ारपारस,  
 ट्कर् दीवी बल दरबारस ।  
 माजि शारिकायि तुल्मुलि प्रारस,  
 ट्कर् दीवी बल दरबारस ।।



❀ ३९ ❀

च मअज दावी म्य दोख तय दअद कास्तम ।  
 इतम मअजअय दितम दर्शुन च़लैम गम ।।  
 दयाये चान्य स्रुत संकट म्य चलनम ।  
 इतम मअजअय दितम दर्शुन च़लैम गम ।।

- १ ओमा दीवी क्षमा करतम गरीबस ।  
 पनुन अनग्रेह म्य करतम छुस ब् बेकस ।।  
 सहा रोज़तम म्य मअज शारिका च़ हरदम ।  
 इतम मअजअय दितम दर्शुन च़लैम गम ।।
- २ महालक्ष्मी त् गौरी रूप चूनुय ।  
 च़ शक्ती सारिन्त्य मंज तीज चूनुय ।।  
 करान सुमरन महा गायत्रिय छ् कम-कम ।  
 इतम मअजअय दितम दर्शुन च़लैम गम ।।



- ३ च् लअगिथ पारवती वरना शिवस सॄत ।  
करान यम् चअन तोंता तिम टअठ छिय कॄत ।।  
अनाथस टाठिन्य हुन्द पास करतम ।  
इतम मअजअय दितम दर्शुन चॄलेंम गम् ।।
- ४ करान यिम् रात त् दोह तोंता छि चअनी ।  
दिवान तिमन्य च् छखना पअरजअनी ।।  
म्य अन्जानस पनिन् ज्ञान करनावतम ।  
इतम मअजअय दितम दर्शुन चॄलेंम गम् ।।
- ५ गौमुत अज्ञान सॄती छुस अवारय ।  
वुछान छखना वदान छुस जार् जारय ।।  
दिलासा दित् म्य मअजअय ललनावतम ।  
इतम मअजअय दितम दर्शुन चॄलेंम गम् ।।
- ६ गमव संसारस्य मन्ज तंग उनहअस ।  
दया कर छुम जरूरत बस इतुय बस ।।  
ब् लौगमुत माय् जालय मौक्लावतम ।  
इतम मअजअय दितम दर्शुन चॄलेंम गम् ।।
- ७ कलस प्येठ भार छुम पापन हुन्दुय म्य ।  
अधर्मन तय कौकर्मन गूडनम रेह ।।  
य् कूधी नार छुम मअज शेहलावतम ।  
इतम मअजअय दितम दर्शुन चॄलेंम गम् ।।
- ८ ब् अन्जान राहगीर छुस ज्यूठ सफर छुम ।  
इलेंम मा वथ सत्च म्य मअज सॄत यिम ।।  
हेंडान छिम लूख मत् करनावतम जम ।  
इतम मअजअय दितम दर्शुन चॄलेंम गम् ।।
- ९ ब् कुन जौन छुस मददगार छुमन म्य कौह ।  
मदद मअजअय करुम मत् त्रावतम जौह ।।  
अकी दक् सागरस अपारि त्रावतम ।  
इतम मअजअय दितम दर्शुन चॄलेंम गम् ।।
- १० ब् छुस मूह मायजालस वलन् आमुत ।  
य् मन काबू करुन छुम ओम जामुत ।।

इतम मअज ध्यानस्य मन्ज पान हावतम ।

इतम मअजअय दितम दर्शुन चलेम गम ॥

११ सिंहासन टिकरस्य मन्ज चून शूबान ।

वृछित चअन शान व शौकत दिल छु तंबलान ॥

खसिथ शेरस करान राजाह च् बाचम ।

इतम मअजअय दितम दर्शुन चलेम गम ॥

१२ इमय तुलमुलि ऑगन तति दिमय वौन ।

प्रकुट बास्तम पनुन पान हावतम नौन ॥

म्य दिम जाय पादन्य तल छुस ब् सरखम ।

इतम मअजअय दितम दर्शुन चलेम गम ॥

१३ नतय वनतम म्य कति छख तुरि इमय ब् ।

शारीरस मन्ज च व्यापक वन् दिमय ब् ॥

चे निश मअजअय इन्च छोट वथ म्य हावतम ।

इतम मअजअय दितम दर्शुन चलेम गम ॥

१४ म्य गट् कास अज्ञान्च मअज दीवी ।

च् ज्ञानुक तीज हावतम मअज दीवी ॥

अमी प्रकाशि भक्तिस पान नावतम ।

इतम मअजअय दितम दर्शुन चलेम गम ॥

च मअज दावी म्य दोख तय दअद कास्तम ।

इतम मअजअय दितम दर्शुन चलेम गम ॥

दयाये चान्य स्रुत संकट म्य चलनम ।

इतम मअजअय दितम दर्शुन चलेम गम ॥



कर अपरमपार वेश् ईशराये ।  
 ओम नमो भगवती वासुदेवाये ।।  
 नमः ओम शक्ति शिव गौराये ।  
 ओम नमो भगवती वासुदेवाये ।।

- |   |  |  |
|---|--|--|
| १ | नादा बोजतम शारदा वरदा ।<br>बौयनय जय-जय मअज जालाये ।                    | मूक्षदाता छख सरस्वती माता ।।<br>ओम नमो भगवती वासुदेवाये ।।       |
| २ | त्रैन भौवनन हन्ज छख मअज दाता ।<br>त्रेलूकीय दारनीय मअज शारिकाये ।      | तार यमि भौवसर ही जगत माता ।।<br>ओम नमो भगवती वासुदेवाये ।।       |
| ३ | सरस्वती सायत्री गायत्री जय-जय ।<br>मअजअय दित् मूक्षदाम्च जाये ।        | ही महालक्ष्मी कर पापन क्षेय ।।<br>ओम नमो भगवती वासुदेवाये ।।     |
| ४ | लछ् बअद् नावन छुन् काँह शुमार ।<br>मअज प्रारान छुस चानि दयाये ।        | लछ् बअद् रूप दअरिथ बोजतम जार ।।<br>ओम नमो भगवती वासुदेवाये ।।    |
| ५ | पारवती जी छय शिवनाथ शक्ति ।<br>कृष्ण् भगवान् स्रअत-स्रअत राधाये ।      | सीता लअगिथ करान राम् भक्ति ।।<br>ओम नमो भगवती वासुदेवाये ।।      |
| ६ | दुर्गत हरनी दुर्गी जय-जय ।<br>कष्ट कास अष्टदीवी मँगलाये ।              | रूग हरनी भद्रकाली जय-जय ।।<br>ओम नमो भगवती वासुदेवाये ।।         |
| ७ | ब्रम्हा, विष्णु, महेश्वर त्रै आकार ।<br>शिवाय् नमः ओम नमः शिवाये ।     | हर कुनि रूपस शक्ति नमूदार ।।<br>ओम नमो भगवती वासुदेवाये ।।       |
| ८ | भक्तिस कष्ट कास छुय चूनय दास ।<br>पाप् तय शाप् त्रेठि ताप् करत् साये । | चानि भक्ति हुन्द छुम सदा अथ्वास ।।<br>ओम नमो भगवती वासुदेवाये ।। |

कर अपरमपार वेश् ईशराये ।  
 ओम नमो भगवती वासुदेवाये ।।  
 नमा ओम शक्ति शिव गौराये ।  
 ओम नमो भगवती वासुदेवाये ।।





गम्च छम कल म्य चअनी छुस उमेदवार ।

च् छखना मअज म्योनुय इयतनय आर ।।

प्येम्च छम नेन्द्र मूह ची करत् बेदार ।

च् छखना मअज म्योनुय इयतनय आर ।।

१ शबे तारीक मन्ज मअज मोंक्लावतम ।

यमि पअपी समन्दर पार करतम ।।

तुलख वावह त्युथुय युथ नाव लबि तार ।

च् छखना मअज म्योनुय इयतनय आर ।।

२ म् करतम नाउमेदअी छम म्य चअनि आश ।

सुबह फौलि गटि मन्जय हावतम गाश ।।

मुचर बर मूक्षदामिक प्राव मोंकजार ।

च् छखना मअज म्योनुय इयतनय आर ।।

३ मनुक आसमान वौलनम काल् ओबरन ।

प्रचण्ड चूनुय छु सिरयस तय सितारन ।।

करुम शीतल नजर लौति पापकुय भार ।

च् छखना मअज म्योनुय इयतनय आर ।।

४ सुबह दम गुल फौलान बुलबुल छि नालान ।

तौता चअनी करान अश्रधार वालान ।।

करान जअरी छि वायान लोलची तार ।

च् छखना मअज म्योनुय इयतनय आर ।।

५ यिमन मअजी चे दयुतमुत छी भक्तिभाव ।

करान चअनी तौता चूनुय तिमन चाव ।।

अनुम ग्रअन्ज मन्ज तिमन सअत छुस ब् नादार ।

च् छखना मअज म्योनुय इयतनय आर ।।

६ गम्च छम छौप् मअजअय दिम तिछिय ज्येव ।

करिथ हेंक् चानि सुमरनि हुन्द ब् अनुभव ।।

नतय तुलत्राव वुठनई हुन्द कर्या कार ।

च् छखना मअज म्योनुय इयतनय आर ।।

७ करान किंह ध्यान तय किंह व्रत धरान छिय ।

परान लीला छि किंह पूजा करान छी ।।

सौरान चेय छी च् छखना सारिकुय सार ।

च् छखना मअज म्योनुय इयतनय आर ।।

८ वजान घडियाल मन्दरन मन्ज चोपअरी ।

छि वायान शंख थाल्ज नर व नअरी ।।

करान भजन छि सअरी चअन् तौताकार ।

च् छखना मअज म्योनुय इयतनय आर ।।

९ खुशी सूअत गीत गायान चअन हरजा ।

सजावान मन्दरन सामानि पूजा ।।

बहारुक हरदसी मन्ज आव निखार ।

च् छखना मअज म्योनुय इयतनय आर ।।

१० प्योमुत गाह शक्ति रूपुक धरती प्येठ ।

खसान नावय छि चाने राक्षेन नठ ।।

दरान अद् कति छि तिम् यति छख लगान लार ।

च् छखना मअज म्योनुय इयतनय आर ।।

११ गछेम रोजुन हमेशय सेह दिलस मन्ज ।

म्य चुनूय रूप मज्जुद हृदयसिय मन्ज ।।

हृदयपीठस अन्दर छुम चून दरबार ।

च् छखना मअज म्योनुय इयतनय आर ।।

१२ खोरन चानेन कोरुम मन प्राण अर्पण ।

वन्दान भक्ती छु जुव तय जान पादन ।।

भक्तिभावा पनुन दिम बोजतम जार ।

च् छखना मअज म्योनुय इयतनय आर ।।

गम्च छम कल म्य चअनी छुस उमेदवार ।

च् छखना मअज म्योनुय इयतनय आर ।।

प्येम्च छम नेन्दर मूह ची करत् बेदार ।

च् छखना मअज म्योनुय इयतनय आर ।।



अज छु चे सत सून समवादा ।  
 बोज नादा शारदा भवानी ।।  
 कास दोख त् दअद हरत् अपराधा ।  
 बोज नादा शारदा भवानी ।।

- |    |                                    |                                   |
|----|------------------------------------|-----------------------------------|
| १  | मअज शारदा इत् साल् सूनय ।          | त्राव मलाला योद असि पूनुय ।।      |
|    | रोशतम मतय वनजोह मुबादा             | बोज नादा शारदा भवानी ।।           |
| २  | चानि बापथ कम्-कम् पकवान ।          | कंद नाबद मिठायि क्याह जान ।।      |
|    | कर स्वीकार कम छु या ज्यादा ।       | बोज नादा शारदा भवानी ।।           |
| ३  | वत्नय मखमल वथरोवमुत ।              | सायबानन अत्लास छेवमुत ।।          |
|    | तख्तस सोन्सन्ज बुनयादा ।           | बोज नादा शारदा भवानी ।।           |
| ४  | चानि बापथ साज व सामानय ।           | छनक् बमनोट भाज् वजानय ।।          |
|    | यति साकार दित् पान् दादा ।         | बोज नादा शारदा भवानी ।।           |
| ५  | पोश् मालय नअली त्रावय ।            | ढेढि तल चानि पान वथरावय ।।        |
|    | चई म्य यारख छुस स्योद सादा ।       | बोज नादा शारदा भवानी ।।           |
| ६  | छुन् चे बगअर असि कोह आराम ।        | सत-सअती असि रोज सुब्हशाम ।।       |
|    | पालनाय् हुन्द करत् पूर वादा ।      | बोज नादा शारदा भवानी ।।           |
| ७  | गन्जरिथ क्याह हेक् गोण चअनी ।      | दिम म्य विद्या छुस ब् अन्जानय ।।  |
|    | छमन् कोह अदा कर् क्याह आदा ।       | बोज नादा शारदा भवानी ।।           |
| ८  | छुस ब् मुख मुद् तय अज्ञान ।        | छख च् अन्तरयअमी दिम म्य जान ।।    |
|    | ध्यान् त्रेश् चाव ज्ञान् नागरादा । | बोज नादा शारदा भवानी ।।           |
| ९  | अअस छि वलिम्त पापव चोपअरी ।        | मअज शारदा छख त्रेशूल् दअरी ।।     |
|    | भय् नाश कर छख च् फोलादा ।          | बोज नादा शारदा भवानी ।।           |
| १० | गुशि सौन् तख्तस प्येठ बिराजमान ।   | चून सौन् मन्दिर क्याह छु शूबान ।। |
|    | दित् दर्शुन रोजि मर्यादा ।         | बोज नादा शारदा भवानी ।।           |
| ११ | मअज शारदा गुशि ननिवानय ।           | चतुर्बज छख सिरय् प्रजलानय ।।      |
|    | शक्ति प्रकाश् चानि गछ् शादा ।      | बोज नादा शारदा भवानी ।।           |
| १२ | द्रोगमुलि प्येठ् भक्ती छु आमुत ।   | चून लोलाह अन्दरीय गन्योमुत ।।     |
|    | लोल् सान दित् आशीवादा ।            | बोज नादा शारदा भवानी ।।           |

अज छु चे सत सून समवादा ।  
 बोज नादा शारदा भवानी ।।  
 कास दोख त् दअद हरत् अपराधा ।  
 बोज नादा शारदा भवानी ।।





दिल म्य दौंदमुत चानि लोल नारय लो ।

मअज शारदा करि सून चारय लो ।।

लोल नारय गअम पार् पारय लो ।

मअज शारदा करि सून चारय लो ।।

१ दौख् जालस वलनय छुस आमुत ।

करत् नजराह वुछत् क्याह छुम बन्योमुत ।।

जंजालस करत् पार्-पारय लो ।

मअज शारदा करि सून चारय लो ।।

२ छमन् सौंद बौंद दिम म्य मअज पअरजअनी ।

मअज शारदा छिय वनान राजरअनी ।।

छुस ब् अन्जान बोज जार् पारय लो ।

मअज शारदा करि सून चारय लो ।।

३ समसारुक जंजाल गूम नअली ।

छख च् ज़ानान छिय च़ेय सून हाल हअली ।।

वाल पाप् भार यमि संसारय लो ।

मअज शारदा करि सून चारय लो ।।

४ काम क्रूध छुम यारान् लागअनी ।

चूरि तय ननिवान् छिम ज़ागअनी ।।

दिम म्य शक्ति कर् इमन लारय लो ।

मअज शारदा करि सून चारय लो ।।

५ छख च् मअलिख त्रेजगत माता च् छख ।

छुस उमेदवार इन् ज़ौह मशरावख ।।

पादन तल च़ेय पान मारय लो ।

मअज शारदा करि सून चारय लो ।।

६ शेर सवअरी च़ौपअरी फेरान ।

गुशि शारदिबल् अ़अस छिय जाय शेरान ।।

सून ति यिखना साल् दोह तारय लो ।

मअज शारदा करि सून चारय लो ।।

७ छिय जगत रोशन चानि प्रकाशे ।

कर दया हावतम म्य अन्सी गाशे ।।

कास अन्धकार इयनय आरय लो ।

मअज शारदा करि सून चारय लो ।।

८ छख च माता रोज हरदम मेहरबान ।

जअरी बोज असि शुरि बअचव सान ।।

छख च साक्षात छुन् जअविजारय लो ।

मअज शारदा करि सून चारय लो ।।

९ कास दअदी जअरी बोजतम यती ।

योंत छि आमित करनि चअन अस्तुती ।।

भय दूर करतम वार्-वारय लो ।

मअज शारदा करि सून चारय लो ।।

१० शुभ नजरे चानि भक्ती छु प्रारान ।

मअज शारदा चूनय ध्यान धारान ।।

पान गोलमुत चानि अमारय लो ।

मअज शारदा करि सून चारय लो ।।

दिल म्य दोदमुत चानि लोल नारय लो ।

मअज शारदा करि सून चारय लो ।।

लोल नारय गअम पार् पारय लो ।

मअज शारदा करि सून चारय लो ।।



मअज दीवी दित च्य भवसर तार ।

मअज शारदा अअसनय जय-जयकार ।।

कन धअरिथ बोज सअन वील् तय जार ।

मअज शारदा अअसनय जय-जयकार ।।

१ सौन् मुकट शेरस छिय शुबान ।

लाल जौहर रतनों सअत चमकान ।।

शेरि लागनस पोशन करू अंभार ।

मअज शारदा अअसनय जय-जयकार ।।

२ छय चे शुबान नअली लाल् मालय ।

जाम् मखमल बेय् शाल दुशालय ।।

सौन् वाज् रौन्यि दामान् बाज बन्द त् हार ।

मअज शारदा अअसनय जय-जयकार ।।

३ पम्पोश तय त्रिशूल शंख दअरी ।

दुर्गा छी वनान छख खडक दअरी ।।

तीरो कमान सुदर्शन चक्र त् तलवार ।

मअज शारदा अअसनय जय-जयकार ।।

४ चानि असव्नि मौख कुय ध्यान दोरुम ।

मन्ि मन्ज चूरि थअविथ डी व्यचोरुम ।।

दिल् जिगरुक तख्ता कर तयार ।

मअज शारदा अअसनय जय-जयकार ।।

५ शारदा नारदा दुर्गा दीवी ।

मअज शारिका लक्ष्मी भद्रकअली ।।

शक्ति रूपुक चून सोरुय व्यवहार ।

मअज शारदा अअसनय जय-जयकार ।।

६ छुम गअलिब गोमुत काम तय ब्रूध ।

लूभ तय मूह सोरुय करत् नाबूद ।।

छख च् जोरावारन हन्ज जोरवार ।

मअज शारदा अअसनय जय-जयकार ।।



७ शुभ नज़राह करतम गछ मेहरबान ।

चानि दयायि हन्द अस् छि आशावान ।।

पान वथराव् वतन्य छुम म्य इन्तज़ार ।

मअज शारदा अअसनय जय-जयकार ।।

८ मायायि हन्दि जाल् मन्ज मोंक्लावतम ।

छुम म्य चे बग़अर कुस पनुन तीय म्य वनतम ।।

छुस ब् सन्तान छख च् मअज शेरसवार ।

मअज शारदा अअसनय जय-जयकार ।।

९ छख च् शक्ति रूप चअन्य लछब्द नाव ।

शारदा रूप गुश् मन्ज चून नौन द्राव ।।

दित् दर्शुन इत् मअज साक्षातकार ।

मअज शारदा अअसनय जय-जयकार ।।

१० छुमन् ताक़्त विस्तार् सान वन्ह ।

दिम म्य शक्ति सेवक चून बन्ह ।।

कास सख्ती भक्तिस छु सेवाकार ।

मअज शारदा अअसनय जय-जयकार ।।

मअज दीवी दित च्य भवसर तार ।

मअज शारदा अअसनय जय-जयकार ।।

कन धअरिथ बोज़ सून वील् तय ज़ार ।

मअज शारदा अअसनय जय-जयकार ।।



रंग् पोश् माल् लागय नअलये लो ।  
 शारदा मअज आय् यचकअलये लो ।।  
 कन्द-नाबद-बादाम डअलये लो ।  
 शारदा मअज आय् यचकअलये लो ।।

- १ अस् छि गअमित् पर्छेन वोंपरन मंज । शारदा मअज करि सून पानय सन्ज ।।  
 तन् सु फेरान अस् बाल् बअलियेलो । शारदा मअज आय् यचकअलये लो ।।
- २ आप्दायव निश रछ थाव खोशहाल । दूर रूजिथ असि मत् करत् पामाल ।।  
 जाल कठिनुक चठ काल् कअलियेलो । शारदा मअज आय् यचकअलये लो ।।
- ३ मेति रोजतम हमेशय सअत सअती । भक्ती कुन चालि सितेज कअती ।।  
 लछ करोर छख छम चअन चअलियेलो । शारदा मअज आय् यचकअलये लो ।।

रंग् पोश् माल् लागय नअलये लो ।  
 शारदा मअज आय् यचकअलये लो ।।  
 कन्द-नाबद-बादाम डअलये लो ।  
 शारदा मअज आय् यचकअलये लो ।।



- वलय गछवअय दीवीदार वेसिये ।  
 तति शारदाय् हुन्द दरबार वेसिये ।।  
 साज् सन्तूर् अस् वनोस जार वेसिये ।  
 तति शारदाय् हुन्द दरबार वेसिये ।।
- १ शाहर् तय गाम् खास व आम आय लारान ।  
 नौन छू द्रामुत गुशि शारदायि हुन्द थान ।।  
 वन्य दिमोसना कोच् बाजार वेसिये ।  
 तति शारदाय् हुन्द दरबार वेसिये ।।
- २ अज छि आमत् दीवी त् दीवता योर ।  
 साध सन्त तय सत्जन ब्रह्मन त् गोर ।।  
 नेर दर्शुन करने लार वेसिये ।  
 तति शारदाय् हुन्द दरबार वेसिये ।।
- ३ आयि शारदा गुशि आँगन मअलस ।  
 नेर पोश् जअन् हयैथ तस सअत सअलस ।।  
 नअल् त्रावुस माल् रंगदार वेसिये ।  
 तति शारदाय् हुन्द दरबार वेसिये ।।
- ४ चानि बापथ कम् रंग-रंग पकवान ।  
 आँगनस मन्ज आय लागन् सायबान ।।  
 अन्द-अन्द छिय गरम बाजार वेसिये ।  
 तति शारदाय् हुन्द दरबार वेसिये ।।
- ५ शारदा माजि कौरमुत अज असि साल ।  
 सालरन च्य पान् बअगर मिठाइ थाल ।।  
 रोजतम प्रसन्न कर परम्पार वेसिये ।  
 तति शारदाय् हुन्द दरबार वेसिये ।।
- ६ चरणन तल मअज शारदा प्योसय ।  
 कास भक्तिस सअरी गम त् घोसय ।।  
 दित दर्शुन चलि आजार वेसिये ।  
 तति शारदाय् हुन्द दरबार वेसिये ।।  
 वलय गछवअय दीवीदार वेसिये ।  
 तति शारदाय् हुन्द दरबार वेसिये ।।  
 साज् सन्तूर् अस् वनोस जार वेसिये ।  
 तति शारदाय् हुन्द दरबार वेसिये ।।





ही नैति सौखदाम् दौख हर श्रीराम् ।

जय रगुनन्दन जय-जय राम ॥

भय कास दया कर सुन्दरशाम् ।

जय रगुनन्दन जय-जय राम ॥

- १ मधुहोस्त रूप दअरिथ भवभय छुम । थर छम करहा चअन सुमिरन ॥  
सिंह रूप भवभय दूर कर श्रीराम् । जय रगुनन्दन जय-जय राम ॥
- २ महास्वरूप रूपी राक्षस सु रावुण । गरूड रूप रौटथन चे पन्जन तल ॥  
लन्जु कडिथ्य तस द्योवुथ परम दाम् । जय रगुनन्दन जय-जय राम ॥
- ३ सेवकन छुख ही प्रभू सौख दिवान । शूक नाशक छुख क्रूध रहित ॥  
अवतार दअरिथ आख सृष्टि ईक् नाम् । जय रगुनन्दन जय-जय राम ॥
- ४ दूश दूर करन वालि दोखन मोरथन । रघुकुल कि भूषन छी नमस्कार ॥  
विभीषण दीन ओस पअरथस राज् जाम् । जय रगुनन्दन जय-जय राम ॥
- ५ मान् रोस्त्य छुख ज्ञानुक समन्दर । गौण चअन्य कअत्याह कर वर्णन ॥  
बल् चानि गव राक्षसन मन्दयेन शाम् । जय रगुनन्दन जय-जय राम ॥
- ६ तरकश मनोहरबाण धारण करिथिय । पम्पोश् नेत्रव नजराह कर ॥  
नाश कर मम्तायि गेवना चअन्य नाम् । जय रगुनन्दन जय-जय राम ॥
- ७ जय जानकी जी ही जगतमाता । जय-जय लक्ष्मण जी भ्रातः ॥  
जय दीनदयाल् शूभाय हिन्दू धाम् । जय रगुनन्दन जय-जय राम ॥
- ८ पअन्ज त् वान्दर खौश नसीब अअसी । दिन-रात तिम् अअसी चेय सत्त ॥  
दया करतम वनि ज़रव कअच पाम् । जय रगुनन्दन जय-जय राम ॥
- ९ काम क्रूध लूभ मुह मध अंहकार । दुर कर रघुनाथ् छुख परम्पार ॥  
काम गाल ही राम् नैशकल नैशकाम् । जय रगुनन्दन जय-जय राम ॥
- १० राजन हन्द राज् भक्तिस दया कर । वरदान दिम रोज़िहेम चून ध्यान ॥  
प्रारय कोताह लोल म्य चोन आम् । जय रगुनन्दन जय-जय राम ॥

ही नैति सौख दाम् दौख हर श्री राम् ।

जय रगुनन्दन जय-जय राम ॥

भय कास दया कर सुन्दरशाम् ।

जय रगुनन्दन जय-जय राम ॥



इत साथा ब् करय पोश् वर्शुन ।  
 प्रार् कोताह श्रीराम् दित् दर्शुन ॥  
 कन थावतम हाल बावय ब्योन-ब्योन ।  
 प्रार् कोताह श्रीराम् दित् दर्शुन ॥

१ गीर गौमुत छुस अन्धकारस मन्ज ।  
 सीर बावनुक म्य चेय निश कोरमुत सन्ज ॥  
 थाव लादन लोल् चानि दअज म्य हन-हन ।  
 प्रार् कोताह श्रीराम् दित् दर्शुन ॥

२ तेज तलवारि हन्द पअठ जुलमत गूम ।  
 जून लूसिथ तारकन अनिगोट गूम ॥  
 नेर ओब्र तअल् बास सिरय् प्रकाश नोन ।  
 प्रार् कोताह श्रीराम् दित् दर्शुन ॥

३ तीर कमानि चाने मीठि दिमयो ।  
 पाप गालविन्य पादन तल पेम्पो ॥  
 राज त्रअविथ रोटथम डण्डकवन ।  
 प्रार् कोताह श्रीराम् दित् दर्शुन ॥

४ लोल आम चून ब् हा पान मारयो ।  
 वनत् कोताह दूरेर् चून जरयो ॥  
 लंकायि मन्ज सीता छि ओंश हारन ।  
 प्रार् कोताह श्रीराम् दित् दर्शुन ॥

५ तिम राक्षस बेय् रावुण शूरवीर ।  
 मोंक्लअवथक त्रोवुथ यलि चेय तीर ॥  
 लंकायि प्येठ थोवथन विभीषन ।  
 प्रार् कोताह श्रीराम् दित् दर्शुन ॥

६ अयोध्याय् आख लक्ष्मण त् सीता हयेंथ ।  
 भरत शत्रुघन करान छिय दण्डवत ॥  
 पादि प्रणाम करान भक्ती चे वुनिकेन ।  
 प्रार् कोताह श्रीराम् दित् दर्शुन ॥

इत साथा ब् करय पोश् वर्शुन । प्रार् कोताह श्रीराम् दित् दर्शुन ॥  
 कन थावतम हाल बावय ब्योन-ब्योन । प्रार् कोताह श्रीराम् दित् दर्शुन ॥





चरणन वन्दय पान लोल चून आमो ।

खीवट सन्द पअठ टोठतम रामो ।।

नावि तार दिसअ असि ही परमदामो ।

खीवट सन्द पअठ टोठतम रामो ।।

- १ अहिल्या शाप् निश क्रथन आजाद । शिलायि लअगिथ पन्न पम्पोश पाद ।।  
भक्ति चानि सअत गय् मूक्षदामो । खीवट सन्द पअठ टोठतम रामो ।।
- २ खीवट नाव हयैथ मन्ज गंगाये । गंगायि तारनुक करान उपाये ।।  
सीता राम लक्ष्मण हयैथ सअलस द्रामो । खीवट सन्द पअठ टोठतम रामो ।।
- ३ कन थाव खीवट करान छिय जअरी । हे राम् पादन लगय पअर-पअरी ।।  
हृदयस मन्ज चून लोल सुब्ह शामो । खीवट सन्द पअठ टोठतम रामो ।।
- ४ बूजिथ खीवट सन्द वील् तय जार । तस भगवानस ईय हे ना आर ।।  
पाद चअन्य पूजान खास तय आमो । खीवट सन्द पअठ टोठतम रामो ।।
- ५ चर्ण कमल चअन् खीवटन छअल । अन्दरिम दोख दअद सअरी तस चअल ।।  
चावतम मेति चरण अमृत जामो । खीवट सन्द पअठ टोठतम रामो ।।
- ६ विष्णु भगवान च छुख पान् अवतार । टोठतम हे राम् वालतम पाप् भार ।।  
यचकाल वोतुम सौरान चून नामो । खीवट सन्द पअठ टोठतम रामो ।।
- ७ नावि तार् खअत्तर करान राम इसरार । खीवट वनान छिमन् बकार मेहरद्वार ।।  
बस चूनय ध्यान धार् सुब्ह शामो । खीवट सन्द पअठ टोठतम रामो ।।
- ८ खीवट वनान ओस तस भगवानस । गंगायि तोरमख म्य अकिस्य आनस ।।  
मेति यमि भवसर् तार दियिजे रामो । खीवट सन्द पअठ टोठतम रामो ।।
- ९ खीवट कोताह कौरथन शादमान । सोरुय सून हाल पान् छुख ज्ञानान ।।  
चानि रोस्त भक्ती छी बे आरामो । खीवट सन्द पअठ टोठतम रामो ।।

चरणन वन्दय पान लोल चोन आमो ।

खीवट सन्द पअठ टोठतम रामो ।।

नावि तार दिसअ असि ही परमदामो ।

खीवट सन्द पअठ टोठतम रामो ।।





सन्यास लअगिथ फेरोस वनून्य ।

मनमोहनन्य क्रनम ग्राय ।।

हाल् अकि हालि दिल करहोस कनन्य ।

मनमोहनन्य क्रनम ग्राय ।।

- १ राय तमिसून्ज छम अन्दरी गनन्य । कासि सुय अअखर सअरी न्याय ।।  
राम्-राम् नाव छुस ब् अन्दरी खनन्य । मनमोहनन्य क्रनम ग्राय ।।
- २ वरजन् वाव सूअत ओसुस छोनन्य । पाप गाल लोगुथ बे परवाय ।।  
फौलनम ताज गुलजार अद् वनन्य । मनमोहनन्य क्रनम ग्राय ।।
- ३ प्रंग् वथरावस चन्दन वनन्य । मुष्क् तय कोंग् सअत नावस जाय ।।  
सूरमौत फेरि ना पोशि ऑगनन्य । मनमोहनन्य क्रनम ग्राय ।।
- ४ म्य त् तस दूरैर पोव दुश्मनन्य । छ्अल-छ्अल चमहा तमिसून्द पाय ।।  
करतम पयवन्द आम्पेन पनून्य । मनमोहनन्य क्रनम ग्राय ।।
- ५ गामन त् शहरन बेय परगनन्य । जाय्-जाय् छौडन सु यावन राय ।।  
वीरानन मन्ज बेय गुलशनन्य । मनमोहनन्य क्रनम ग्राय ।।
- ६ स्येदन् त् साधन बेयि ब्रहमणन्य । सारनैय मन्ज वुछम चअनी माय ।।  
छोप् छय रोप् सून्ज दोपनम मन्न्य । मनमोहनन्य क्रनम ग्राय ।।
- ७ दम्-दम् तमिसून्ज राय छम गनन्य । मायि सूअत करहस लौल्मतलाय ।।  
तस भगवानस करितोम कनून्य । मनमोहनन्य क्रनम ग्राय ।।
- ८ वन् क्याह क्या छुम अन्दरीय बनून्य । गूपीनाथ दियम पानय आय ।।  
दूरि छी य् भक्ती चूरि मन्ज वनून्य । मनमोहनन्य क्रनम ग्राय ।।

सन्यास लअगिथ फेरोस वनून्य ।

मनमोहनन्य क्रनम ग्राय ।।

हाल् अकि हालि दिल करहोस कनन्य ।

मनमोहनन्य क्रनम ग्राय ।।



वअन्य म्य दित्मय दारि त् बरिये लो ।

चौल म्य त्रअविथ शाम सोन्दरये लो ।।

पीताम्बर शूबान ज़रिये लो ।

चौल म्य त्रअविथ शाम सोन्दरये लो ।।

- १ मनमोहन ग्राय् मारअन्ये । दूरि व्छमो ओस शूबअन्ये ।।  
नअल मखमल चूनि जअर जअरये लो । चौल म्य त्रअविथ शाम सोन्दरये लो ।।
- २ रश्क् अम्बर मुश्कदार चअनी पाद । तशन् लद छस जोर्-जोर् चे दिवान नाद ।।  
पथ फेरिना अचि सानि बरिये लो । चौल म्य त्रअविथ शाम सोन्दरये लो ।।
- ३ लाल जवहर बअरमय सोन् थालन । घरनअविम शौक् सान दौन लालन ।।  
कन् दूर तय मछबन्द करिये लो । चौल म्य त्रअविथ शाम सोन्दरये लो ।।
- ४ साज वायान छुस परान लीलाये । हयेम खौरन तल यौत आस चानि माये ।।  
चाव वसलुक मस बअर् बरिये लो । चौल म्य त्रअविथ शाम सोन्दरये लो ।।
- ५ गछि नीरिथ यि यावुन वौखअली । रंगदार गुल् सन्द पअठ वुडअली ।।  
होश सूरी अद् पोश् थरिये लो । चौल म्य त्रअविथ शाम सोन्दरये लो ।।
- ६ सास मलिथय सन्यअस् अअस् लारान । मनमोहनस अअस् जाय्-जाय् छारान ।।  
भगवानो कासतम म्य थरिये लो । चौल म्य त्रअविथ शाम सोन्दरये लो ।।
- ७ खौश गछित ओस यि भक्ति छोह मारान । पान् दर्शुन द्युतनस अवतारन ।।  
कन्द थाल थावान बअर-बरिये लो । चौल म्य त्रअविथ शाम सोन्दरये लो ।।

वअन्य म्य दित्मय दारि त् बरिये लो ।

चौल म्य त्रअविथ शाम सोन्दरये लो ।।

पीताम्बर शूबान ज़रिये लो ।

चौल म्य त्रअविथ शाम सोन्दरये लो ।।



चाल् कोत लोल् नार दूरैर चून ।  
 श्रीकृष्ण भगवान् इखना सून ॥  
 लोल आम करहा दर्शुन चून ।  
 श्रीकृष्ण भगवान् इखना सून ॥

- |   |   |
|---|---|
| १ दीवकी छि प्रारान जेलखानय ।<br>जेलखानस मन्ज् कर् दर्शुन ।          | मोक्लावि जेल मन्ज् भगवानय ॥<br>श्रीकृष्ण भगवान् इखना सून ॥        |
| २ दीवकी थन प्योख ही श्यामरूप ।<br>तस कनसस प्योव जखमन नून ।          | प्रजलान ज़न अअस सासबअद् दीप ॥<br>श्रीकृष्ण भगवान् इखना सून ॥      |
| ३ वासदेव चेय हयैथ गूकल द्राव ।<br>जसुदा माजि पोलुथ वाद पून ।        | जन् जसुदा माजि भगवान् जाव ॥<br>श्रीकृष्ण भगवान् इखना सून ॥        |
| ४ कनसस काल लोंग करने गथ ।<br>राक्षसन प्राण त्रोव कअन्सि नो जून ।    | गूकल सूजुन तरनाव्रथ ॥<br>श्रीकृष्ण भगवान् इखना सून ॥              |
| ५ पूतना सूजून ज़हर् बब् हयैथ ।<br>अकि दाम् सअत तअम् प्राण त्रोवुन । | दाम दिथ छुनथस सोरुय च्येथ ॥<br>श्रीकृष्ण भगवान् इखना सून ॥        |
| ६ बाल् लीला चअन्य कर् वर्णन ।<br>मोख् मन्ज् होवुथ विष्णु दर्शुन ।   | गूपियन सअत चून प्रेम् बन्दन ॥<br>श्रीकृष्ण भगवान् इखना सून ॥      |
| ७ जसुदायि चन्चल येलि गव मन ।<br>दर्शुन कोरुख कबीर् पुत्रव चून ।     | रजि गोण्डनख हे मनमोहन ॥<br>श्रीकृष्ण भगवान् इखना सून ॥            |
| ८ बकासुर क्याह ओस ज़ोरावार ।<br>चेय निश मरने कालन उून ।             | मोख् मअन्ज् त्रावान ओस ज़ोर् नार ॥<br>श्रीकृष्ण भगवान् इखना सून ॥ |
| ९ ब्रम्हा जियस येलि गव अहंकार ।<br>दयायि सअत तस बखशुथ पून ।         | वअछ चूरि थअविन तअम् बेकार ॥<br>श्रीकृष्ण भगवान् इखना सून ॥        |
| १० कअलीनाग ओस ज़हर त्रावान ।<br>ज़ार् पारस आव सअत हयेथ वून ।        | बल् चानि सअत् आव पोश छावान ॥<br>श्रीकृष्ण भगवान् इखना सून ॥       |



- ११ दावानल अग्नि चोपअरी । डीशिथ खोचिन् लअग सअरी ॥  
 अकि दाम् भगवानन अग्न चून । श्रीकृष्ण भगवान इखना सून ॥
- १२ मोहन मुरली शब्द त्रोवुथ । बूजिथ गूपीय गय मोहित ॥  
 दूरि आयि दर्शुन करने चून । श्रीकृष्ण भगवान इखना सून ॥
- १३ अकरूरस ओस दिलस्य मल । पानि मन्ज होवुथ तस पनुन बल ॥  
 अस्तुति करनि लोंग ह्योतुन खोचुन । श्रीकृष्ण भगवान इखना सून ॥
- १४ कनसुन धनुषबाण फुटरोवुथ । कबीलापीड़ मदहोस्त मोरुथ ॥  
 चानोर मुशुकपहलवानव ह्योत सखरून । श्रीकृष्ण भगवान इखना सून ॥
- १५ बल् चानि कनसस चायि थर्-थर् । केश रटिथ्य त्रोवथन पथ्थर ॥  
 प्राण त्रोवुन मोंख डीशिथ चून । श्रीकृष्ण भगवान इखना सून ॥
- १६ दिवकी त् वासुदेव मोंक्लोवथन । उगरसेन तख्तस बेहनोवथन ॥  
 छी वनान य् भक्ती दित् दर्शुन । श्रीकृष्ण भगवान इखना सून ॥

चाल् कोत लोल् नार दूरैर चून ।  
 श्रीकृष्ण भगवान इखना सून ॥  
 लोल आम करहा दर्शुन चून ।  
 श्रीकृष्ण भगवान इखना सून ॥



हृदयस मन्ज चून नामो लो लो ।

बन्सरी वाले शामो लो लो ।।

दिल हयेथ चोलुख दिलारामो लो लो ।

बन्सरी वाले शामो लो लो ।।

- |   |                                   |                                      |
|---|-----------------------------------|--------------------------------------|
| १ | अअशमति कृष्णो इत् चय साथा ।       | प्रेयम्च असि सूअत करत् चय बाथा ।।    |
|   | प्रेयम् रस चावतम दामो लो लो ।     | बन्सरी वाले शामो लो लो ।।            |
| २ | बन्सरी चअनी छय क्याह पुरबहार ।    | सोनसन्ज मुरली चानि नक्श निगार ।।     |
|   | बूजिथ इवान आरामो लो लो ।          | बन्सरी वाले शामो लो लो ।।            |
| ३ | शोख छुम स्यठाह छुम इन्तजार चूनय । | बेकरअरी छम व्छत हाल म्यूनय ।।        |
|   | लोल् ओश हार् सुब्ह शामो लो लो ।   | बन्सरी वाले शामो लो लो ।।            |
| ४ | चाने दर्शनची छम म्य आश ।          | अनिगटि मन्ज हावतम सूर्य प्रकाश ।।    |
|   | छोंडथ शहर् तय गामो लो लो ।        | बन्सरी वाले शामो लो लो ।।            |
| ५ | लोल हो बरयो इत् शाम् सोन्दरो ।    | लाल् माल् लागय बेयि पोश् गोंन्दरो ।। |
|   | पान वथरावय रामो लो लो ।           | बन्सरी वाले शामो लो लो ।।            |
| ६ | म्यार्नेन चश्मन हुन्दय छुख लाल ।  | मुरली वाले अज छि चे म्योन साल ।।     |
|   | मत् करत् बे आरामो लो लो ।         | बन्सरी वाले शामो लो लो ।।            |
| ७ | इत गिन्दने रास गूपियन सूअती ।     | गूरि बालक गअमित छि आर् कअती ।।       |
|   | गूर्य बायन हन्दि शामो लो लो ।     | बन्सरी वाले शामो लो लो ।।            |
| ८ | हे कृष्ण भगवान कन थाव नादन ।      | कर क्षमा भक्तिस सारनेन अपराधन ।।     |
|   | दित् चय तस परमदामो लो लो ।        | बन्सरी वाले शामो लो लो ।।            |

हृदयस मन्ज चून नामो लो लो ।

बन्सरी वाले शामो लो लो ।।

दिल हेथ चोलुख दिलारामो लो लो ।

बन्सरी वाले शामो लो लो ।।



કૃષ્ણ ભગવાનસ સ્અત ગૂર્બાયે ।  
 ફેર્નિ નેર જમનાયે લો લો ।।  
 શામ્ ભોંબરુન મોંખ વુછને દ્રાયે ।  
 ફેર્નિ નેર જમનાયે લો લો ।।

- ૧ જમનાયિ બઅઠસ્ય છાવ લોલ સબ્જાર । ચાનિ વેરે ફઅલમ્ત છિ ગુલ ત્ ગુલજાર ।।  
 પોશ્ લન્જ બઅર્થિય છય જાય્-જાયે । ફેર્નિ નેર જમનાયે લો લો ।।
- ૨ બુલબુલન્ય હન્જ બોલ્બોશ તતિ બોજ । મસ્તી મન્જ તતિ બોજ બન્સરી સોજ ।।  
 દ્રાવ કૃષ્ણ ભગવાન મારાન ગ્રાયે । ફેર્નિ નેર જમનાયે લો લો ।।
- ૩ બાલિ ગિન્દાન છી બાલકન સઅતી । દર્શનસ આમ્ત છિ દીવતા કઅતી ।।  
 છાલિ અકિ વોંથખો મન્જ જમનાયે । ફેર્નિ નેર જમનાયે લો લો ।।
- ૪ ગૂપી લોલ્ ચાનિ તન-મન નાવાન । શીતલ જલ જમનાયિ હુન્દ છાવાન ।।  
 તસ પલવ ચૂરસ છોંડનિ દ્રાયે । ફેર્નિ નેર જમનાયે લો લો ।।
- ૫ જમનાયિ મઅદાન રાસ ગિન્દને દ્રાખ । ગૂપિયન ત્ રુક્મનિ રાઘાય સ્અત આખ ।।  
 ગન્ધર્વ જન્ મન્જ રાસ લીલાયે । ફેર્નિ નેર જમનાયે લો લો ।।
- ૬ ગૂર્યબાય્ દોંધ ત્ થઅન્ય હ્યેંથ છી પ્રારાન । દોંધ ચૂરો છી જાય્-જાય્ છારાન ।।  
 છાડાંન વઅતી નિશ જસુધાયે । ફેર્નિ નેર જમનાયે લો લો ।।
- ૭ દિલ જોલ ભક્તિસ ચઅન્ લોલ્ નારન । છોંડથ મથુરાય્ બેય્ બિન્દરાબન ।।  
 ગૂકલસ્ય મન્જ રટ્થમ જાયે । ફેર્નિ નેર જમનાયે લો લો ।।

કૃષ્ણ ભગવાનસ સ્અત ગૂર્બાયે ।  
 ફેર્નિ નેર જમનાયે લો લો ।।  
 શામ્ ભોંબરુન મોંખ વ્છને દ્રાયે ।  
 ફેર્નિ નેર જમનાયે લો લો ।।





शाम् सोन्दरो व्जनस चअन् नाज़न ।  
दिल म्य न्यूनम लोलसाज़न त् लो लो ।।  
ज़ाल् लअजनस गिल ज़न् शहबाज़न ।  
दिल म्य न्यूनम लोल् साज़न त् लो लो ।।

१ छस ब् राधा लोल् चानि दीवानय ।  
माय् चाने होल् सूअत रिवानय ।।

थन्य चूरो परद् थावतम राज़न ।  
दिल म्य न्यूनम लोल् साज़न त् लो लो ।।

२ घरि द्रायस गिन्दने च़ेय सअती ।  
छौडान च़ेय जंगलन मन्ज वअती ।।

कन थावान छस मुरली आवाज़न ।  
दिल म्य न्यूनम लोल् साज़न त् लो लो ।।

३ रास खेलान मनूनाथ तंबलअवथस ।  
चूरि ब्यूठुख वनत् क्याज़ि ब्रमरअवथस ।।

कुस ज़ानि इमन चानेन साज़् बाज़न ।  
दिल म्य न्यूनम लोल् साज़न त् लो लो ।।

४ लोल् नारय भक्तिस दज़म्च छि तन ।  
फोलूनावतम क्रीठिस वस्तस मन ।।

हरद् वाव् रछ लगयो परवाज़न ।  
दिल म्य न्यूनम लोल् साज़न त् लो लो ।।

शाम् सोन्दरो व्जनस चअन् नाज़न ।  
दिल म्य न्यूनम लोलसाज़न त् लो लो ।।  
ज़ाल् लअजनस गिल ज़न् शहबाज़न ।  
दिल म्य न्यूनम लोल् साज़न त् लो लो ।।



श्रीकृष्ण दित् दर्शुनई ।  
 बोयनय जय-जय सूनई ।।  
 आयतन छुई जुव म्योनई ।  
 बोयनय जय-जय सूनई ।।

- |    |                           |                           |
|----|---------------------------|---------------------------|
| १  | छय आलमस मंज अमीरी ।       | साहयतस म्य रोज दर पीरी ।। |
|    | जगतस मंज छु मान चूनई ।    | बोयनय जय-जय सूनई ।।       |
| २  | सिरियस अन्दर च्य विष्णु । | मंज आत्मस नाल् रटथो ।।    |
|    | हृदयस अन्दर थान चूनई ।    | बोयनय जय-जय सूनई ।।       |
| ३  | त्रैन भवनन हन्दि राजे ।   | कन थाव आदन भाजे ।।        |
|    | कोनो मकान चूनई ।          | बोयनय जय-जय सूनई ।।       |
| ४  | मंज अग्नस शोल दिवान ।     | आकाशुक च माहिताबान ।।     |
|    | पंछियन अन्दर बोलवूनई ।    | बोयनय जय-जय सूनई ।।       |
| ५  | रक्षपाल छुख रक्षा कर ।    | हे कृष्ण अजर-अमर ।।       |
|    | रिन्द छुख जिन्दवई जूनई ।  | बोयनय जय-जय सूनई ।।       |
| ६  | कुस वाति आदस त् अन्तस ।   | टोठान च सादस त् सन्तस ।।  |
|    | ज्ञान क्रि-क्रि नो जूनई । | बोयनय जय-जय सूनई ।।       |
| ७  | शिवनाथ विष्णु ब्रम्हा ।   | सोरुय च्य ओम नमः ।।       |
|    | मुरली मनोहर म्योनई ।      | बोयनय जय-जय सूनई ।।       |
| ८  | च्य छुख लोक्चारकुय सोज ।  | बुजरस अन्दर जअरी बोज ।।   |
|    | खोनि मंज हयैमथ ललवोनुई ।  | बोयनय जय-जय सूनई ।।       |
| ९  | राधा छि मारान छालय ।      | गूपियन हन्दि गोपालय ।।    |
|    | बोजि श्याम म्योन वनवोनई । | बोयनय जय-जय सूनई ।।       |
| १० | माधव गिरधर गोपाल ।        | बोके बिहारी नंदलाल ।।     |
|    | कमलापति आस्वोनई ।         | बोयनय जय-जय सूनई ।।       |

११	केशव नटखट नागर । दामोधर बासवोनई ।	नन्द नन्दन धरती धर ॥ बोयनय जय-जय सूनई ॥
१२	चूनुय छु पोशन अन्दर रंग । बुलबुलव ह्योत ग्यवोनई ।	मुरली चानि कोरनस दंग ॥ बोयनय जय-जय सूनई ॥
१३	पाप् भार् धरती गोंबेम्च । गछि वनि अवतार युनुई ।	कलयुग निश तंग आम्च ॥ बोयनय जय-जय सूनई ॥
१४	आनन्द दाता दित् ज्ञान । वन्दहय कबील् कूनुई ।	शरणागत् ही दयावान ॥ बोयनय जय-जय सूनई ॥
१५	चतुर्बज्ज रूपस नमस्कार । श्याम् रंग छुख शूबवोनई ।	शंख चक्र गधा पदम हथियार ॥ बोयनय जय-जय सूनई ॥
१६	दिलस्य तमन्ना छुम बस । तति वुछहन नुन्दबोनई ॥	जमनायि नेरहा सअलस ॥ बोयनय जय-जय सूनई ॥
१७	पतित पावन सहा रोज़ । छुख म्योन भक्ती छु चूनुई ।	सुमरनि चानि हुन्द छुम सोज़ ॥ बोयनय जय-जय सूनई ॥

श्रीकृष्ण दित् दर्शुनई ।  
बोयनय जय-जय सूनई ॥  
आयतन छुई जुव म्योनई ।  
बोयनय जय-जय सूनई ॥





जसुदअय म्य बालुक हावतन ।

चूरे ब् थावन मनमोहन ।।

दोरुम जन्म नारायणन ।

चूरे ब् थावन मनमोहन ।।

- |    |  |   |
|----|--|---|
| १  | दूरि आस वनान छिम सूरमोत ।<br>दर्शुन करिथ नेत्रव वुछन ।     | बूजुम चतुर्बज वोत योत ।।<br>चूरे ब् थावन मनमोहन ।।        |
| २  | गूकल त् बिन्दराबन रटिथ ।<br>माता च् तमिसुन्द पय म्य वन ।   | बयूठुम कमिसताम निश खटिथ ।।<br>चूरे ब् थावन मनमोहन ।।      |
| ३  | ब्रम्हलूक तय बेयि दीवलूक ।<br>शुरिभाषि करने ई छु प्रण ।    | त्रअविथ चे निश आव मृत्युलूक ।।<br>चूरे ब् थावन मनमोहन ।।  |
| ४  | केवल कुनुई निर्गुण छु सुय ।<br>शिवनाथ वनान विष्णु वुछन ।   | ब्रम्हा विष्णु महेश छुय ।।<br>चूरे ब् थावन मनमोहन ।।      |
| ५  | वनि चेर येति गूम वार्याह ।<br>वत् म्यानि सअरि दीवता वुछन । | वातुन म्य शेछ हयेथ दूर छुना ।।<br>चूरे ब् थावन मनमोहन ।।  |
| ६  | दीवता छि तति तारे गमित ।<br>शेछ हयेथ गछख सथ गछि तिमन ।     | तस रोस्त छि तिम् किथताम गमित ।।<br>चूरे ब् थावन मनमोहन ।। |
| ७  | हय-हय य् क्याह डेशान छस ।<br>नाल वोल्मुत काल् सौरफन ।      | चम वअलथ्य आमुत सहस ।।<br>चूरे ब् थावन मनमोहन ।।           |
| ८  | गोसून्य जटाधअरी च् छुख ।<br>जेटि छय गंगा जोये वसन ।        | गाह डेक्स्य प्येठ चन्द्रमुक ।।<br>चूरे ब् थावन मनमोहन ।।  |
| ९  | त्रेशूल हयेथ भस्मा मलिथ ।<br>ब्रेशबस खसिथ शिवनाथ ज़न ।     | कशकोल त् सहमुस्ताह वलिथ ।।<br>चूरे ब् थावन मनमोहन ।।      |
| १० | मालव बदल शाहमार नअल ।<br>च्येथ चरसा तय भस्म् तन ।          | लअगिथ कनन सोन् कनवअल ।।<br>चूरे ब् थावन मनमोहन ।।         |
| ११ | मोहन वुछ्म येलि च्ये कुनुई ।<br>कुस हील् कर् वातस न् कुन । | खोचेम तुल्लेम वदनस सु हुई ।।<br>चूरे ब् थावन मनमोहन ।।    |
| १२ | गछु जोगि असि मो खोचनाव ।<br>खोचेम यिमन चानेन विहन ।।       | हावय न् बालुक याद थाव ।<br>चूरे ब् थावन मनमोहन ।।         |

- १३ ह्योतमुत म्य भगवानस मंगिथ । वुजनावहन आसैम शोंगिथ ।।  
मंजले तुलन खोनि मंज हेंमन । चूरे ब् थावन मनमोहन ।।
- १४ छल क्अर-क्अर छिम कअत इवान । किहं धक् दिवान किहं छिस गिन्दान ।।  
किहं स्अत अनान छिम राक्षसन । चूरे ब् थावन मनमोहन ।।
- १५ बेयि क्याह गछी वन ती दिमय । मोहरव सअती कशकोल भरय ।।  
राजा गछीय्य ती म्य वन । चूरे ब् थावन मनमोहन ।।
- १६ बअगरान ब् धोंसि-धोंसि मोहर् दयार । बेय् नो म्य अमि रोस्त किहं ति कार ।।  
कल् पेठि बलायन छस दिवान । चूरे ब् थावन मनमोहन ।।
- १७ गछ यार् जोग्यो घर कुनुई । फेरान च् कोंत छुख नंगनौनुई ।।  
चेय कुन व्छिथ खोच्येम मोहन । चूरे ब् थावन मनमोहन ।।
- १८ नत् वन्त् ख्योन-च्योन क्याह गछी । वुन्य ब्रून्ठ कुन वात्नाव ती ।।  
क्षीर खण्ड थालन सोन्सन्द्येन । चूरे ब् थावन मनमोहन ।।
- १९ चेय अअश अशरथ छी बकार । पेश-पेश थावय मोहर् दयार ।।  
अअही च कर म्यानेन शुरेन । चूरे ब् थावन मनमोहन ।।
- २० बालुक म्य वुनि छुम दोद्व चवान । अअही करुस बोड् गछि दवान ।।  
तमिसात् हावय गछ व्क्केन । चूरे ब् थावन मनमोहन ।।
- २१ गूकल यि भक्ती पान् आव । मनि मन्ज छु रोटमुत शिवनाव ।।  
दर्शुन दियस भगवान कृष्ण । चूरे ब् थावन मनमोहन ।।

जसुध्अय म्य बालुक हावतन ।

चूरे ब् थावन मनमोहन ।।

दोरुम जन्म नारायणन ।

चूरे ब् थावन मनमोहन ।।





नाव्य छु अमिसुन्द मनमोहन ।  
तलय यूरि दितन खौनि ललवन ॥  
यिहय पान छिय नारायण ।  
तलय यूरि दितन खौनि ललवन ॥

- |    |   |  |
|----|---|--|
| १  | दिवकी निशे धअरिथ जन्म ।<br>सम्हार यिहय करि राक्षसन ।          | तस कनसस आमुत छु यम ॥<br>तलय यूरि दितन खौनि ललवन ॥        |
| २  | कारण यि जगतुक पान छिय ।<br>दौख दूर करुन छुस सारनेन ।          | भार वालने यौत आमतुय ॥<br>तलय यूरि दितन खौनि ललवन ॥       |
| ३  | गिन्दने यिनय आमुत छु योर ।<br>अकि जेरि करि सूर पर्वतन ।       | धर्मुक करुन छुस दोर-दोर ॥<br>तलय यूरि दितन खौनि ललवन ॥   |
| ४  | नावन अमिस नय कौह शुमार ।<br>किह श्याम वननस किह कृष्ण ।        | छी अमिसुन्दुय सोर संसार ॥<br>तलय यूरि दितन खौनि ललवन ॥   |
| ५  | दीवता छि अमिसुन्द गीत ग्यवान ।<br>तीजू अमिसुन्दे राक्षस गलन । | यौत गूरि शुरि लअगिथ इवान ॥<br>तलय यूरि दितन खौनि ललवन ॥  |
| ६  | आमुत ब् छुस धूप द्वीप हयैथ ।<br>विन्ती करसना तन-मन ।          | पूजाय् किच पोश् जअन् हयैथ ॥<br>तलय यूरि दितन खौनि ललवन ॥ |
| ७  | दौद्व चूर थनि चूर हय गोपाल ।<br>रास गूपियन सअत छुस गिन्दुन ।  | गूपियन हुन्दुय दीन दयाल ॥<br>तलय यूरि दितन खौनि ललवन ॥   |
| ८  | मेघनाथ जारपारस इयस ।<br>मुरली शब्द सअत मनमोहान ।              | जअरी करान पादन पेयस ॥<br>तलय यूरि दितन खौनि ललवन ॥       |
| ९  | पूजा करी गोवर्धनस ।<br>किसि प्येठ तुलि गोवर्धन ।              | शान्ति दियी ब्रम्हा जियस ॥<br>तलय यूरि दितन खौनि ललवन ॥  |
| १० | कअली नाग जमनायि मन्ज बिहित ।<br>करि लार भूतन पथ कोहन ।        | छनि मनमोहन तति तस कडिथ ॥<br>तलय यूरि दितन खौनि ललवन ॥    |
| ११ | कन्सस छु खौतमुत पाप् भार ।<br>यिहय गालि तस अद् दौख चलन ।      | तस छी गमित पापन अंभार ॥<br>तलय यूरि दितन खौनि ललवन ॥     |
| १२ | भेड़ि नअल छयना वासुदेवस ।<br>छनि भेड़ि फुटरअविथ तिमन ।        | दिवकी ति गअम्च छय बेबस ॥<br>तलय यूरि दितन खौनि ललवन ॥    |
| १३ | कोरव त् पौडव युध करन ।<br>गीताय् हुन्द ज्ञान छुस वनुन ।       | छुस पौडवन इमदाद द्युन ॥<br>तलय यूरि दितन खौनि ललवन ॥     |



१४ गीताय मन्ज वैछनावि ज्ञान ।  
तस मोक्षदामस कुन गछुन ।  
१५ भक्ती छु कलयोगुक मनोष ।  
धान भक्ति हुन्द गछेम द्युन ।

युस बोझि युस परि तस छु मान ।।  
तलय यूरि दितन खोनि ललवन ।।  
दिस ज्ञान् तय ध्यानुक च होश ।।  
तलय यूरि दितन खोनि ललवन ।।

नाव्य छु अमिसुन्द मनमोहन ।  
तलय यूरि दितन खोनि ललवन ।।  
यिहय पान छिय नारायण ।  
तलय यूरि दितन खोनि ललवन ।।



❀ ५९ ❀

सखियो शीरितो म्योन करम्लोन ।  
मनमोहन मन्नअवितोन ।।  
राधा छि प्रारान दियि दर्शुन ।  
मनमोहन मन्नअवितोन ।।

१	तन-मन नअविथ ननवोरुय । थनि चूर म्योन किहछा ख्वावितोन ।	हेँथ दोँद्व तय थनि चडवोरुय ।। मनमोहन मन्नअवितोन ।।
२	त्रअविथ म्य राधायि क्याजि चोलहम । मार् गअम्च छस चार् कर म्योन ।	जअलिथ जिगर क्याजि वाद् डोलहम ।। मनमोहन मन्नअवितोन ।।
३	दोँद्व मठ हयैथ च़ेय पत् द्रायस । लूक् पाम् जरनस चार् नो म्य जून ।	वदना क्रीड् जाल् वलन् आयस ।। मनमोहन मन्नअवितोन ।।
४	घर-बार त्रोवुम वन् कस बो । रोशतम मत् भरयो पोश् तून ।	मन गूम तस पत् वनत् कोत गव ।। मनमोहन मन्नअवितोन ।।
५	च़ेय पत् रोवुम आरामि जान । भर् कअरथस दर् लअजथस जून ।	ही जाय् कअरथस छुम अरमान ।। मनमोहन मन्नअवितोन ।।
६	गूपियो वनितो तस कृष्णस । रोश् ईय् पोश् मोत बोझि वनवोन ।	अमार चानि राधा छि बेहयैस ।। मनमोहन मन्नअवितोन ।।
७	दर्मन भक्तिस छु मनमोहन । राधा कृष्ण छा वार व्छतोन ।	चूरि थावन कअन्सि नो हावन ।। मनमोहन मन्नअवितोन ।।
	सखियो शीरितो म्योन करम्लोन । राधा छि प्रारान दियि दर्शुन ।	मनमोहन मन्नअवितोन ।। मनमोहन मन्नअवितोन ।।



- क्रितोम कन्न्ई बेपरवायस ।  
 बनि क्याह सअनिस लोलूकिस न्यायस ।।  
 सन् गूम माय् चानि वल्नय आयस ।  
 बनि क्याह सअनिस लोलूकिस न्यायस ।।
- १ बेआर वनतम कस ब् त्रअवथस ।  
 क्याह छुम खता वन्तम मन्दछअवथस ।।  
 घरबार त्रअविथ च़ेय पत् द्रायस ।  
 बनि क्याह सअनिस लोलूकिस न्यायस ।।
- २ श्याम रंग भोंभरो ब् हा तबंलअवथस ।  
 नाम चअन पअर-पअर गम्च छस बेहय़ेस ।।  
 यन् चूम चाने मोंय खान् लोल मस ।  
 बनि क्याह सअनिस लोलूकिस न्यायस ।।
- ३ वन् क्याह त्रअवथि च़ोलुम सुय कोरकुन ।  
 तन् छस मनक़ेन चमनन दिवान वोन ।।  
 राज् रुशिथ च़ोलुम माजि क्याजि जायस ।  
 बनि क्याह सअनिस लोलूकिस न्यायस ।।
- ४ भक्ती छु राधा लअगिथ वनान ज़ार ।  
 लोल् न्याय हय़ेथ द्रामुत दर बाज़ार ।।  
 अन्ज़रावि नय नारस वोंठ लायस ।  
 बनि क्याह सअनिस लोलूकिस न्यायस ।।  
 क्रितोम कन्न्ई बेपरवायस ।  
 बनि क्याह सअनिस लोलूकिस न्यायस ।।  
 सन् गूम माय् चानि वल्नअथ आयस ।  
 बनि क्याह सअनिस लोलूकिस न्यायस ।।



मूच बू करनस कअमताम काल् भोभरन ।

वलय गछवअय गिन्दने नन्दगोरुयुन ।।

माल् निमवअय कअर-कअर ही पोशन ।

वलय गछवअय गिन्दने नन्दगोरुयुन ।।

१ तंबलअविथ म्य राधाय न्यूनम होश ।

कन्ई तल सोन् मालन छुयो बोश ।।

सेहर कअरनम कृष्णनअव् जोदगारन ।

वलय गछवअय गिन्दने नन्दगोरुयुन ।।

२ छुमन् आराम रातस दोहस न् करार ।

त्रअविथ पत्थर गोख लअगिथ तबरदार ।।

नेज छोख दिथ म्य गोहम बर मंदेन ।

वलय गछवअय गिन्दने नन्दगोरुयुन ।।

३ पय म्य बूजुम लय छस सअत वन्ई ।

काम् दीन् हयैथ दोपनम अर्जनन्ई ।।

दुरि ब्यूठहम चूरि मन्ज पोश् चमनन ।

वलय गछवअय गिन्दने नन्दगोरुयुन ।।

४ हृदयुक नार छम वजान सोजच तार ।

मोहनस रोस्त हावनस छुमन् कअन्सि वार ।।

त्रअवनस बुछिथ तअम् काल् शाहमारन ।

वलय गछवअय गिन्दने नन्दगोरुयुन ।।

५ जागि रोजस पोश लअगिथ दरबाग ।

मायि तमिस्न्जि रोटमुत छुम दिलन दाग ।।

पाय् बोड़ यपअर इयना छांय रट्हना ।

वलय गछवअय गिन्दने नन्दगोरुयुन ।।



६ सु छु जमुनाय् द्रामुत मुरली हयैथ ।

गूरि बालक सअत छिस ब् त्रअवनस पथ ।।

शर म्य सुय छुम तस पत् गाल् हन-हन ।

वलय गछवअय गिन्दने नन्दगोरुयुन ।।

७ शोक् चाने पअरिथ छस बिहित हूर ।

वुछत् लोलनार गोन्डनम छुम गोमुत सूर ।।

हार् कोत ओंश पून्य गूम अन्गारन ।

वलय गछवअय गिन्दने नन्दगोरुयुन ।।

८ छुम म्य अरमान ब् ति चैय सअत गिन्द रास ।

धक् मो दिम् हयैक् नो चअटिथ अथवास ।।

थफ करिथ छस चानेन पादि कमलन ।

वलय गछवअय गिन्दने नन्दगोरुयुन ।।

९ चानि बापथ म्य त्रोवुम हार सिंगार ।

छुन् भक्तिस चै बगअर कअन्सि सअत वार ।।

शाम् सौन्दरो यिनो च ति कुनि त्रावहन ।

वलय गछवअय गिन्दने नन्दगोरुयुन ।।

मूच ब् करनस कअमताम काल् भोभरन ।

वलय गछवअय गिन्दने नन्दगोरुयुन ।।

माल् निमवअय कअर-कअर ही पोशन ।

वलय गछवअय गिन्दने नन्दगोरुयुन ।।



अशूकनि राधा खून छस हारान ।

श्याम् रंग् भोंभरस प्रारान छस ।।

कस वन् क्याह गूम क्याजि छस थारान ।

श्याम् रंग् भोंभरस प्रारान छस ।।

- १ वन् दिनि नेर बालन त् कोहसारन । जमुनायि वुछान आबुशारन छस ।।  
थूचमूच फीरि-फीरि कोचि बाजारन । श्याम् रंग् भोंभरस प्रारान छस ।।
- २ होश म्य न्यूनम जोरावारन । बेहोश तस पत् लारान छस ।।  
खार छस गअमूच इतम दोहन तारन । श्याम् रंग् भोंभरस प्रारान छस ।।
- ३ यन् तंबलअवनस मुरलीधारण । तन् जमुनायि प्येठ प्रारान छस ।।  
सन् गूम कन थाव जारन त् पारन । श्याम् रंग् भोंभरस प्रारान छस ।।
- ४ चानि बापथ यंबूरजोल पोश चारान । भोंभरस पत् पान मारान छस ।।  
नेरि कर मन्नाथ फेरि गुलजारन । श्याम् रंग् भोंभरस प्रारान छस ।।
- ५ नजरे शफा चय करख बेमारन । अद् क्याजि ललवान लोल ज़र छस ।।  
प्याद् भक्ती नेरि क्याह सअत सवारन । श्याम् रंग् भोंभरस प्रारान छस ।।

अशूकनि राधा खून छस हारान ।

श्याम् रंग् भोंभरस प्रारान छस ।।

कस वन् क्याह गूम क्याजि छस थारान ।

श्याम् रंग् भोंभरस प्रारान छस ।।



जय बोयनय ब्रिज गिरिधर लो-लो ।

जय मोहन मुरलीधर् लो-लो ।।

जय जय मुरली मनोहर् लो-लो

जय मोहन मुरलीधर् लो-लो ।।

१ जय मुरली वाले बोयनय सून ।

जय बोयनय छुस करान कीर्तन चून ।।

जय मोहन नटनागर लो-लो ।

जय मोहन मुरलीधर् लो-लो ।।

२ चक्रधारी बोयनय जय-जय कार ।

जय बोयनय छुख शोराह कला अवतार ।।

जय अनाथन हिन्दि आशर् लो-लो ।

जय मोहन मुरलीधर् लो-लो ।।

३ जय काली कमली वाले बोज ।

जय गोकुल वाले छुम म्य चून सोज

जय-जय भोयनय ईश्वर लो-लो ।

जय मोहन मुरलीधर् लो-लो ।।

४ जय-जय जनरंजन दुख भंजन ।

जय भोयनय नन्द जसुधा नन्दन ।।

जय बोजतम तार येम् सर् लो-लो ।

जय मोहन मुरलीधर् लो-लो ।।

५ जय-जयकार असनय कृष्ण भगवान ।

जय-जय बोज भक्तिस कासतस हान ।।

जय-जयकार बोयनय हर लो-लो

जय मोहन मुरलीधर् लो-लो ।।

जय बोयनय ब्रिज गिरिधर लो-लो ।

जय मोहन मुरलीधर् लो-लो ।।

जय जय मुरली मनोहर् लो-लो

जय मोहन मुरलीधर् लो-लो ।।





गजिस ना हियेथ्अर ब् चाने अमारय ।  
 फोंजिसना दोह तारय वलो भोंभरो ।।  
 कन्ड्यव पान वौलहम त् गोम पार्-पारय ।  
 फोंजिसना दोह तारय वलो भोंभरो ।।

- १ गुलिस्तान त्रअविथ रोटुम ना बियाबान ।  
 यंभ्रजौल छि वअराननय मन्ज खटिथ पान ।।  
 छनिम अ्अश त्रअविथ र्ठिम गौफ त् गारय ।।  
 फोंजिसना दोह तारय वलो भोंभरो ।।
  - २ सरूराह यि क्याहताम इवान क्याह यि आवाज ।  
 छि मा श्याम् रंग् भोंभरो चअन्य परवाज ।।  
 अमे शोक् जीरोबमस तार् चारय ।  
 फोंजिसना दोह तारय वलो भोंभरो ।।
  - ३ तुलख यौद नजर अख संगरमालन्य कुन ।  
 रंगारंग फौलिथ आव गुलन हुन्द माल्युन ।।  
 गुलालय रटिथ दाग करान जार् पारय ।  
 फोंजिसना दोह तारय वलो भोंभरो ।।
  - ४ तमी दूर हयोतनम ब् कोरनस परेशान ।  
 तवय अश्कपेचान्नुय वौल रजे पान ।।  
 अरिनि छस छतेम्च अमे आजारय ।  
 फोंजिसना दोह तारय वलो भोंभरो ।।
  - ५ गुलाबस लजिम ग्राय कन्ड्यन तल रटिथ माय ।  
 वनान हंदि पोशस सु जाफर म्य छुम न्याय ।।  
 म्य रूठम सु बुलबुल त् थोवनम अमारय ।  
 फोंजिसना दोह तारय वलो भोंभरो ।।
  - ६ यि पम्पोश भक्तिस दितुय मसवले मा ।  
 खटिथ छिय रटिथ पान व्छत्तन त्ती छा ।।  
 रटिथ छिय सु आसन व्ठिथ दरबारय ।  
 फोंजिसना दोह तारय वलो भोंभरो ।।
- गजिस ना हियेथ्अर ब् चाने अमारय ।  
 फोंजिसना दोह तारय वलो भोंभरो ।।  
 कन्ड्यव पान वौलहम त् गोम पार्-पारय ।  
 फोंजिसना दोह तारय वलो भोंभरो ।।



गाश आव पर् चून नामो लो-लो ।  
 श्रीकृष्ण लोल चून आमो लो-लो ।।  
 राम्-राम् सौर् सुब्ह शामो लो-लो ।  
 श्रीकृष्ण लोल चून आमो लो-लो ।।

- |   |   |  |
|---|---|--|
| १ | विष्णु भगवानो दिवकी निश जाख ।<br>सअत्त-सअत्त छिय बलरामो लो-लो ।       | पाप् भार वाल्नि चय जन्मस आख ।।<br>श्रीकृष्ण लोल चून आमो लो-लो ।। |
| २ | कन्सन येलि चून कृष्ण नाव बूजुन ।<br>प्राण तअम् त्रोव अकि दामो लो-लो । | दुश्मनन मारनि पूतना सूजून ।।<br>श्रीकृष्ण लोल चून आमो लो-लो ।।   |
| ३ | राक्षसन त् दअतन कौरुथ चय सम्हार ।<br>सअरी परान कृष्ण नामो लो-लो ।     | मोरथन पअपी कनुस जोरावार ।।<br>श्रीकृष्ण लोल चून आमो लो-लो ।।     |
| ४ | रास खेलान चय गूपियन सअती ।<br>यंदराजस रूज पामो लो-लो ।                | गोवरधन धरिथ रछिथख कअती ।।<br>श्रीकृष्ण लोल चून आमो लो-लो ।।      |
| ५ | जमुनायि बअठ्-बअठ् बंसरी वायान ।<br>कअली नाग कौरथन चे रामो लो-लो ।     | मोहित गछान तिम यिम छी बोजान ।।<br>श्रीकृष्ण लोल चून आमो लो-लो ।। |
| ६ | श्रीकृष्ण कन थाव म्यानन् नादन ।<br>भक्तिस बोज सुब्ह शामो लो-लो ।      | क्षमा कर सांनेन अपराधन ।।<br>श्रीकृष्ण लोल चून आमो लो-लो ।।      |

गाश आव पर् चून नामो लो-लो ।  
 श्रीकृष्ण लोल चून आमो लो-लो ।।  
 राम्-राम् सौर् सुब्ह शामो लो-लो ।  
 श्रीकृष्ण लोल चून आमो लो-लो ।।



श्याम् रंग् त्रेजगत पालो लो-लो ।  
 नैन्दरे वथू शाम् लालो लो-लो ।।  
 अछ् मुचराव म्यानि लालो लो-लो ।  
 नैन्दरे वथू शाम् लालो लो-लो ।।

- |   |  |   |
|---|--|---|
| १ | पान् गोमुत छुख नेन्दरि सअती मस्त ।<br>वथ थौद ब् रटथ नालो लो-लो । | कोताह प्रारय चावतम लोल् मस ।।<br>नैन्दरे वथू शाम् लालो लो-लो ।।       |
| २ | गरि गन्जरावेम सअरस्य रातस ।<br>सौर् राम प्रभात कालो लो-लो ।      | वुज्जनअविथ ध्यान कर् प्रभातस ।।<br>नैन्दरे वथू शाम् लालो लो-लो ।।     |
| ३ | चंचल मन गोमुत चानि बापथ ।<br>ज्ञान्तीज हाव सत्यपालो लो-लो ।      | प्रकाश चानि सअत रट् सत्ची वथ ।।<br>नैन्दरे वथू शाम् लालो लो-लो ।।     |
| ४ | लोलची बोलबोश करान जानावर ।<br>लागय पम्पोश् मालो लो-लो ।          | गाश आव दित् दर्शुन परमेश्वर ।।<br>नैन्दरे वथू शाम् लालो लो-लो ।।      |
| ५ | तंबल्योमुत छुस किहंछाह वनतम ।<br>गाश छुम चूनुय गाश् लो-लो ।      | शुभ नजरे सअत गाशा अनतम ।।<br>नैन्दरे वथू शाम् लालो लो-लो ।।           |
| ६ | कोताह रोजय अनजान बिल्कुल ।<br>राथा इखना सालो लो-लो ।             | साथ गन्जरावुन छुम स्पठाह मुश्किल ।।<br>नैन्दरे वथू शाम् लालो लो-लो ।। |
| ७ | सअरिस्य रातस कर्म चअन्य जअरी ।<br>रअत रातस कमि हालो लो-लो ।      | चअनी करान अस्य तौता सअरी ।।<br>नैन्दरे वथू शाम् लालो लो-लो ।।         |
| ८ | पाप यी किहंछा छिम माफ करतम ।<br>इन् वलि माया जालो लो-लो ।        | संकट यिम छिम सअरी हरतम ।।<br>नैन्दरे वथू शाम् लालो लो-लो ।।           |
| ९ | पूर कर भक्तिस सअरी अरमान ।<br>ज्ञानानन्द गोपालो लो-लो ।          | प्रकाश सअत दूर करतस अज्ञान ।।<br>नैन्दरे वथू शाम् लालो लो-लो ।।       |

शाम् रंग त्रेजगत पालो लो-लो ।  
 नैन्दरे वथू शाम् लालो लो-लो ।।  
 अछ् मुचराव म्यानि लालो लो-लो ।  
 नैन्दरे वथू शाम् लालो लो-लो ।।





घट् चअज त् नारायण सअलस द्राव ।

अंधकार दूर गव गाश हो आव ।।

ज्ञान प्रकाश सअत भगवान परजन्वाव ।

अंधकार दूर गव गाश हो आव ।।

१ मोह नेन्दरे कोरमुत छुख गिरफ्तार ।

व्नि छय सुल वथ तन-मन नाव ।।

अज्ञान घट् त्राव ज्ञान प्रकाश प्राव ।

अंधकार दूर गव गाश हो आव ।।

२ द्रामुत भगवान अमृत भअगरान ।

मसअ रोज़ नेन्दरे कर तस हुन्द ध्यान ।।

अमर रोज़ख थाव तसहुन्द भाव ।

अंधकार दूर गव गाश हो आव ।।

३ धूप-दीप कोफूर अर्ग पोशमालय ।

कर् भगवानस पोश पूजा ।।

भगवानसुन्द ध्यान हृदयस मन्ज थाव ।

अंधकार दूर गव गाश हो आव ।।

४ प्रभात काल आव जानावर द्राय ।

भगवान सन्ज तिमन्य छय माय ।।

कौसतुर बोलान दय् दर्शुन म्य हाव ।

अंधकार दूर गव गाश हो आव ।।

५ आलुछ त्राव गछ नेन्दरे बेदार ।

श्रान ध्यान कर सोपन् माया त्राव ।।

रातुक अनिगौट दूर गव गाश आव ।

अंधकार दूर गव गाश हो आव ।।

६ संकट सोरुय भगवान करि दूर ।

अनिघटि मँज कृष्ण दर्शुन प्राव ।।

श्रीकृष्ण भगवान जल म्य दर्शुन हाव ।

अंधकार दूर गव गाश हो आव ।।

७ सार्नेन नेत्रन हुन्दुय च् छुख गाश ।

सहायतस रोज़तम छम चअनी आश ।।

ओंन छुस असल्च वथ म्य चय हाव ।

अंधकार दूर गव गाश हो आव ।।

८ कर् क्याह नादान छुस गौमुत ख्वार ।

चानि दयायि स्रत बन् गुल्ज़ार ।।

सुबहन त् शामन चूनुय चिकचाव ।

अंधकार दूर गव गाश हो आव ।।

९ पापन सारन्य करतम म्य नाशे ।

अविनाश् सुप्रकाश् कर म्यून पाय ।।

काम क्रूध लूभ मूह मद पानय साव ।

अंधकार दूर गव गाश हो आव ।।

१० सूर्य प्रकाश स्रत अनिगोट रावान ।

कोताह छिय चानि तीजुक बल ।।

अमि प्रकाश् बलकुय सिर म्य ति भाव ।

अंधकार दूर गव गाश हो आव ।।

११ दोह त् रात सुब्ह शाम छुस करान ज़अरी ।

दिम शुभ दर्शुन लगय पअरी ।।

छिय मंगान भक्ती दिम भक्तिभाव ।

अंधकार दूर गव गाश हो आव ।।

घट् चअज त् नारायण सअलस द्राव ।

अंधकार दूर गव गाश हो आव ।।

ज्ञान प्रकाश स्रत भगवान परजव्ान ।

अंधकार दूर गव गाश हो आव ।।



गाश तारुख खोंत कमि हालो ।  
कर हर ध्यान प्रभात कालो ।।  
यिन् चानि चलि अनिगट् जालो ।  
कर हर ध्यान प्रभात कालो ।।

- |   |  |  |
|---|--|--|
| १ | गाश तारुख आव चअन्य शेछ हयेंथ ।<br>वुछ भगवान सुन्द जलालो ।      | दर्शुन कर मूह नेन्दरे वथ ।।<br>कर हर ध्यान प्रभात कालो ।।    |
| २ | अडिफलि पोशव असुनाह त्रोव ।<br>दाग त्राव बाग नेर गुलालो ।       | हरसू हरसुन्द क्याह छु खुशबो ।।<br>कर हर ध्यान प्रभात कालो ।। |
| ३ | इय् सुबहिक् वेल दियि दर्शुन ।<br>छाव प्रकाश सुलि दित् डालो ।   | इय् छाल् मारान मनमोहन ।।<br>कर हर ध्यान प्रभात कालो ।।       |
| ४ | वथ थोंद नेन्दरे गछ बेदार ।<br>तति प्रावहन बाल गोपालो ।         | आलछिक जाम् त्राव अछ दरबार ।।<br>कर हर ध्यान प्रभात कालो ।।   |
| ५ | क्याजि गोमुत छुख फिकरन मन्ज ।<br>गम्गटि मोंक्लावि दयालो ।      | वथ सअ भगवान ध्यानुक कर सन्ज ।।<br>कर हर ध्यान प्रभात कालो ।। |
| ६ | वथ शोंद्व करतन यि मोंलुत मन ।<br>प्राव गथ त्राव खाम ख्यालो ।   | शोंद्व गंगजल नाव तन-व-मन ।।<br>कर हर ध्यान प्रभात कालो ।।    |
| ७ | अमृत प्याल् व्निक्केन बअगरान ।<br>कर वोंद्यूग भर मसकी प्यालो । | वथ हलम धअरिथ कर गिरयान ।।<br>कर हर ध्यान प्रभात कालो ।।      |
| ८ | त्राव स् भक्तियो सोपन् माया ।<br>छुन् तस चूनुय मलालो ।         | कर दर्शुन क्याह छु परवाया ।।<br>कर हर ध्यान प्रभात कालो ।।   |

गाश तारुख खोंत कमि हालो ।  
कर हर ध्यान प्रभात कालो ।।  
यिन् चानि चलि अनिगट् जालो ।  
कर हर ध्यान प्रभात कालो ।।





नेन्दरे गछ बेदार,  
नेर छांडुन बालयार ।  
गाश आव गछ त् हुशार,  
नेर छांडुन बालयार ।।

- |   |  |  |
|---|--|--|
| १ | वेल् वोत न्येथ प्रभातुन,<br>पोशन कर् अंभार,      | त्रेकुटी दीव सुमरन ।<br>नेर छांडुन बालयार ।।   |
| २ | यथ जवानी म् भर चाव,<br>लौक्चार नो पायदार,        | नेह गटि प्रकाश प्राव ।<br>नेर छांडुन बालयार ।। |
| ३ | गर रोजि दिथ डेक्स नअर,<br>ह्येस् रोज मसअ रठ गार, | भर् गछि फोजम्च थअर ।<br>नेर छांडुन बालयार ।।   |
| ४ | राम रअटिज्येन दर मन,<br>हृदय पीठुक छु सरदार,     | शाम् प्येठ प्रभातन ।<br>नेर छांडुन बालयार ।।   |
| ५ | श्याम् प्येठ प्रभातस,<br>रातस वनिथ वील्जार,      | मन युथ न् इलि सातस ।<br>नेर छांडुन बालयार ।।   |
| ६ | गंगाजल तन नाव,<br>ध्यान कर ज्ञान वति लाग,        | धर्म वेराग मन नाव ।<br>नेर छांडुन बालयार ।।    |
| ७ | सत् स्वभाव्क जाम् लाग,<br>सौकर्म सअत वजि तार,    | कौकर्म वस्त्र त्याग ।<br>नेर छांडुन बालयार ।।  |
| ८ | रज तय तम कम कर,<br>कर सतुगौण स्वीकार,            | सतगौण गण्ड कमर ।<br>नेर छांडुन बालयार ।।       |
| ९ | ध्यान धअरिथ छु भक्ती,<br>यमि भवसर् दित् तार,     | मोह गटि कास सख्ती ।<br>नेर छांडुन बालयार ।।    |

नेन्दरे गछ बेदार,  
नेर छांडुन बालयार ।  
गाश आव गछ त् हुशार,  
नेर छांडुन बालयार ।।



दिह किस धारस मुचराव दारि बर,

द्वयू नजर गाश हो आव ।

त्रेनेत्र दारस सुलिगरि पूज कर,

द्वयू नजर गाश हो आव ।।

- |   |                                   |                           |
|---|-----------------------------------|---------------------------|
| १ | पान गंगजल् नअविथ शिव ध्यान कर,    | हृदयच् दारि मुचराव ।      |
|   | नेह गटि मूह चठ रठ गंगाधर,         | द्वयू नजर गाश हो आव ।।    |
| २ | गजमोख आदि दीवस पूजा कर,           | पोश् माल् नअल तस त्राव ।  |
|   | महा गणपत् असि कुन नजराह कर,       | द्वयू नजर गाश हो आव ।।    |
| ३ | अनिगट् चज त् फौजम्च छि संगर,      | सिरय् सुन्द छिय आव-आव ।   |
|   | तन मन नअविथ सिरय् दर्शुन कर,      | द्वयू नजर गाश हो आव ।।    |
| ४ | मन किन गायत्रेय हुन्द मन्थर पर,   | ब्रम्ह फौसि पान मोक्लाव । |
|   | यम थर म्शराव गायत्रेय जफ कर,      | द्वयू नजर गाश हो आव ।।    |
| ५ | नेति नीम पूजाय पाठस सँज कर ।      | मनमन्दिर पअराव ।।         |
|   | तति पानय विराजमान श्याम सुन्दर ।  | द्वयू नजर गाश हो आव ।।    |
| ६ | फौल्मुत छु गाश तारुख नजराह कर ।   | प्रकाश कुय गाह छाव ।।     |
|   | सिरय् प्रकाश प्राव अद् चलि अरसर । | द्वयू नजर गाश हो आव ।।    |
| ७ | मअज दीवी अन्द-अन्द प्रकरम कर ।    | तुलमुल नेर कर ब्राव ।।    |
|   | ट्कर् छय भगअरान सुलि नेर हलम भर । | द्वयू नजर गाश हो आव ।।    |
| ८ | गट् कास भक्तिस चलि तस ज़र-ज़र ।   | ज्येत् मर तस म्शराव ।।    |
|   | शुरि पानस कास मूरि हन्ज थर-थर ।   | द्वयू नजर गाश हो आव ।।    |

दिह किस धारस मुचराव दारि बर,

द्वयू नजर गाश हो आव ।

त्रेनेत्र दारस सुलिगरि पूज कर,

द्वयू नजर गाश हो आव ।।



अस्तुति छिय करान अस्य समिथ सअरी,  
सत्ताम् बब् बोज जअरिये ।  
अन्दरहामि आसनस छिय नक्श कअरी,  
सत्ताम् बब् बोज जअरिये ।।

१ साक्षात बासान बिराजमान चोपअरी,  
सत्ताम् बब् यिय यपअरिये ।

वथ्राव् वत्न्य फर्श-जरकअरी,  
सत्ताम् बब् बोज जअरिये ।।

२ च्य सून रहबर त् च्य राजदअरी,  
सीवाकार अस छि सअरिये ।

दर्दके परद् सअत रछ शर्म सअरी,  
सत्ताम् बब् बोज जअरिये ।।

३ तंगदस्ती छम कास्तम म्य ख्वअरी,  
चेय छुस अथ दअर्-दअरिये ।

यिन् रोज मोहताज छय चे ज़िम्बअरी,  
सत्ताम् बब् बोज जअरिये ।।

४ यंदराज दफतर छिय चे निश जअरी,  
अन्दरहूम नाव वनान सअरिये ।

अरजी पास कर छय चें सरदअरी,  
सत्ताम् बब् बोज जअरिये ।।

५ व्अन्स् हुन्द हिसाब बूजुम चे निश सअरी,  
रहमतुक कलम थअवजि जअरिये ।

हल्य हरूफ स्योद करुम वार् चअर्-चअरी,  
सत्ताम् बब् बोज जअरिये ।।

६ शतुला दीवी करथ खबरदअरी,  
सथ पीरि गछिथ युन यपअरिये ।

शेद्ध भाव येति नेरुन सरासअरी,  
सत्ताम् बब् बोज जअरिये ।।



७ दीवता राज रअछ थोवथन जअरी,  
रक्षावान सून चोपअरिये ।

पान् खबरा हेंनि इवान शेर सवअरी,  
सत्त्राम् बब् बोज जअरिये ।।

८ शाफ थोवुथ योद कौह बदकअरी,  
दजि सुय नरकनि नअरिये ।

व्अन्स रोजि सुय शाद युस छु उपकअरी,  
सत्त्राम् बब् बोज जअरिये ।।

९ भक्ती छु चूनुय सीवाकअरी,  
वालतम चय पाप् बअरिये ।

पूर कर कामना छुस तौता कअरी,  
सत्त्राम् बब् बोज जअरिये ।।

अस्तुति छिय करान अस्य समिथ सअरी,  
सत्त्राम् बब् बोज जअरिये ।

अन्दरहामि आसनस छिय नक्श कअरी,  
सत्त्राम् बब् बोज जअरिये ।।



❀ ७३ ❀

सथ म्य बबनी छम त् लो-लो,  
साज-सामान जीरोबम त् लो-लो,  
गौण चअन क्या हेंकि गन्जरिथ ब्,  
छुम इतुय ज्याद् या कम त् लो-लो,  
पृथवीनाथ अज द्रोगमुलि छिय,  
भक्तिस भक्तिभव दिम त् लो-लो,

सत् बब जार बोर्जेम त् लो-लो ।  
सत् बब जार बोर्जेम त् लो-लो ।।  
साक्षात इतम नालमति रट्थो ।  
सत् बब जार बोर्जेम त् लो-लो ।।  
हवनुक सन्ज करान अन्दरहामि छिय ।  
सत् बब जार बोर्जेम त् लो-लो ।।



वेराग राग सत्त समसार त्यागुण, जागुण बस भगवथ रागस  
लागुण हेंत् जाम् सत् व्यचार सअती, फाल्गुन याद थाव सूत् भागस  
ज्ञानकिस नागस पून्य वुजनावसअ, थावसअ पक्वुन ध्यानस कुन  
हावसअ पन्नुय पान पानस चय, त्राव छान्डुन सु छिय व्यापक त् नौन  
नौन क्याह वनि औन गाशस छु प्रारान, थारान पथ छुम वत्हावुक  
लारान भक्तिस मन्जिल सपदुस तय, हार मो हेमथ नत् रावख



भक्ती करान-करान तुजिम ख्वअरी, क्याह खताह खौतमुत् म्य छुम  
छुम अमानत प्राण, बस बेयि क्याह सना रोटमुत् म्य छुम  
व्न्य दिवअनी सौन स्यठाह गोमुत्, बड़िथ गोस छुम न् गम  
क्याह पतो लाकन म्य हअसिल, ब्रूठकने च्य छुहम  
छुस न् जानान पाप तय पुण्य, ज्याद या कम क्या दिहम  
बईये चई छुस, चईये बई छुस, कियुथसना कर्म-धर्म  
दअज-दअज भक्तिस छु सूर गोमुत् नैबर् अन्दर चाव करिथ शम  
हरिथ क्याह गछि पतो शिन्याहस, सौरिथ येलि छिय सुय सूहम

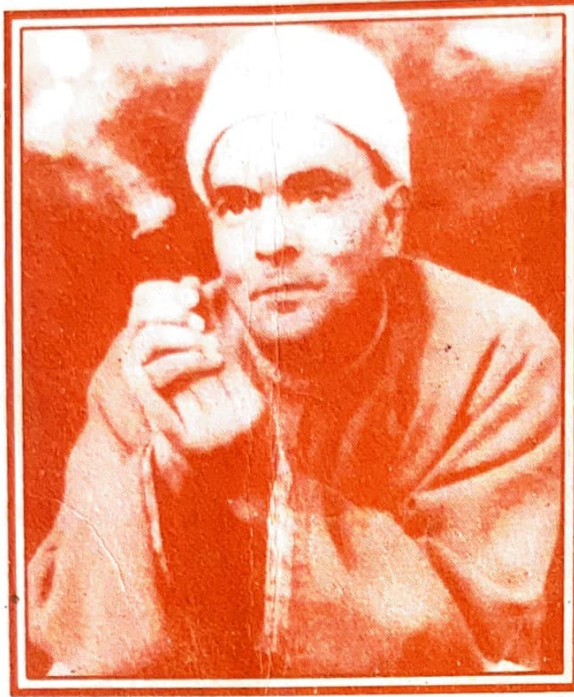


ब्रम्ह ज्ञान क्अर-क्अर चायोस दरबार, ओमकुय बोर् ब्रूठकुन अंनुम  
सुमरन सत्त वौठ त्रअव्म दर नार, आद तय अन्त सूहम मूनुम  
ज्ञान करने द्रायोस दर बाजार, बे ज्ञानन सत्त तति गयम कअम  
सत्जन यिम् छी तिम बिहिथ बरखार, याद कौरमुत् म्शरावुन प्यूम

ॐ शम ।







स्वामी नन्द लाल जी (महाराज)



श्री पृथ्वी नाथ (भक्ती)

(Suresh Kardar, Gurgaon)

1998/99

Printed by:

**SHIVANI PRINTERS** A/1257-58, Mayur Vihar-III, Delhi-96 Tel.: 2473763 Mob.: 9810135346